रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:67 | मंगलवार,11 नवम्बर | ₹5

ब्रीफ न्यूज

जमू-कश्मीर पुलिस ने 360केजी विस्फोटक किया जब्त

एजेंसी

फरीदाबाद (एजेंसी)। हरियाणा के फरीदाबाद में एक डॉ?टर के घर से 360 किलो विस्फोटक (संदिग्ध अमोनियम नाइट्रेट) बरामद किया गया है। इसके साथ ही असॉल्ट राइफल और कारतूस भी मिले हैं। यहां ज्मू-कश्मीर पुलिस ने छापा मारा था। गिरफ्तार डॉ?टर का नाम मुजम्मिल शकील है। यह फरीदाबाद की अलफलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ाता था। यह पुलवामा के कोइल का रहने वाला है। इससे पहले 7 नवंबर को ज्मू-कश्मीर पुलिस ने सहारनपुर (यूपी) से डॉ. आदिल अहमद को गिरफ्तार किया गया था। यह अनंतनाग (कश्मीर) का रहने वाला है। आदिल अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रैक्टिस करता था। 2024 में इसने वहां से इस्तीफा दे दिया इसके बाद वह सहारनपुर में प्रैक्टिस करने लगा।

एसआईआर के खिलाफ बंगाल कांग्रेस भी सुप्रीम कोर्ट पहुंची

एजेंसी

कोलकाता (एजेंसी)। बिहार के बाद 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शुरू वोटर लिस्ट का रिवीजन एसआईआर को लेकर पश्चिम बंगाल में सियासत गरमा गई है। अब कांग्रेस की बंगाल यूनिट ने सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर के खिलाफ याचिका लगाई है। जस्टिस सूर्यकांत की बेंच में यह मामला उठाया गया जो बिहार एसआईआर मामले की सुनवाई कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट 11 नवंबर को तमिलनाडु सरकार की एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करेगा। इधर, सांरूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया है कि 27 अ?टूबर को एसआईआर शुरू होने के बाद से अब तक 15 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 3 महिलाएं शामिल हैं। टीएमसी ने कहा कि एसआईआर के डर से कुछने आत्महत्या की, तो कुछ की मौत हार्ट अटैक या ब्रेन स्ट्रोक से हुई। हालांकि भाजपा ने इसे 'राजनीतिक प्रचारङ करार देते हुए आरोपों से इनकार किया है।

वेंटिलेटर सपोर्ट पर अभिनेता धर्मेंद्र

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा से बेहद

एजेंसी

मुम्बईः परेशानी करने वाली खबर सामने आ रही है. बॉलीवुड के सीनियर एक्टर धर्मेंद्र वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं. एक्टर को सांस लेने में परेशानी की वजह से अस्पताल ले जाया गया, जहां पर उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है. इस वक्त धर्मेंद्र की हालत नाजुक बताई जा रही है. फैंस कर रहे ठीक होने की दुआ।

दिल दहला देने वाला मंजर

ब्लास्ट से दहली दिल्ली, 11 की मौत

लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार में धमाके के बाद कई गाड़ियों के परखच्चे उड़े

एजेंसी

नई दिल्ली : देश की राजधानी दिल्ली सोमवार शाम दहल उठी। लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास एक चलती कार में हुए भीषण विस्फोट में 11 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि करीब 30 लोग घायल हो गए। कई घायल गंभीर अवस्था में हैं, जिन्हें एलएनजेपी और अरुणा आसफ अली अस्पताल में भर्ती कराया गया है। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास खड़ी तीन अन्य गाड़ियां भी आग की लपटों में समा गईं। कार के परखच्चे उड़गए और सैकड़ों मीटर तक सड़क पर मलबा बिखर गया। चश्मदीदों के अनुसार, शाम 6:52 बजे अचानक जोरदार धमाका हुआ और कुछ ही सेकंडों में धुएं का घना गुबार पूरे इलाके में फैल गया। दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा ने बताया कि 'फोर्ट मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर- 1 के पास खड़ी एक कार में विस्फोट हुआ। आग तेजी से फैलने के कारण आसपास की तीन गाड़ियां भी जल गईं। फिलहाल घटनास्थल को सील कर दिया गया है और फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी है।' धमाके की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, एनएसजी, एनआईए और फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की टीमें मौके पर पहुंचीं। पूरे लाल किला क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है। दिल्ली अग्निशमन विभाग के 10 दमकल वाहन आग बुझाने में लगे रहे। दिल्ली पुलिस ने मेट्रो स्टेशन के सभी एग्जिट बंद कर दिए और आसपास के बाजारों को एहतियातन खाली कराया गया। संभावित साजिश की जांच में जुटीं एजेंसियां : धमाके के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। सोमवार सुबह ही हरियाणा और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में फरीदाबाद से 2900 किलो विस्फोटक बरामद किया गया था। ऐसे में जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या दोनों घटनाओं में कोई कड़ी जुड़ी हुई है। एनआईए और एनएसजी की टीमें घटनास्थल से नमूने एकत्र कर विस्फोटक की प्रकृति का पता लगाने में जुटी हैं। सूत्रों के अनुसार, कार में कोई टाइमिंग डिवाइस या डेटोनेटर था।

बिहार विधानसभा चुनाव : सुबह 7 बजे से डाले जाएंगे वोट, ईवीएम लेकर बूथों तक पहुंचे मतदानकर्मी

सेकंड फेज की 122 सीटों पर वोटिंग आज

1302 उम्मीदवारों की किस्मत का होगा फैसला, इसमें नीतीश कैबिनेट के आधा दर्जन मंत्री शामिल

एजंसी

पटना:बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की 122 सीटों पर मंगलवार को मतदान होगा। सुबह 7 बजे से वोटिंग शुरू हो जाएगी। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सोमवार शाम तक चुनाव कर्मी ईवीएम लेकर बूथों पर पहुंच गए हैं। 122 सीटों पर 1302 उम्मीदवार मैदान में हैं। विधानसभा चुनाव का रिजल्ट 14 नवंबर को आएगा। गौरतलब है कि पहले फेज में 6 नवंबर को रिकॉर्ड 65% वोटिंग हुई थी। दूसरे चरण में नीतीश कैबिनेट के 6 मंत्रियों के भाग्य का भी फैसला होगा। निर्वाचन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मतदान केंद्रों पर तीन लेयर में सुरक्षा की व्यवस्था रहेगी। किसी तरह की गड़बड़ी होने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। इसकी मॉनिटरिंग वेबकॉस्टिंग के माध्यम से होगी। इसके लिए निर्वाचन विभाग में कंट्रोल रूम बनाया गया है। बता दें कि पहले चरण में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की लगभग 500 कंपनियां बिहार में चुनाव-पूर्व ड्यूटी पर तैनात थीं और बाद में सीएपीएफ की 500 और कंपनियां राज्य में पहुंचीं। दूसरे राज्यों से आई रिजर्व बटालियनों के लगभग 2000 जवान, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के 30 हजार जवान, 20 हजार से ज्यादा होमगार्ड, लगभग 19 हजार नए भर्ती हुए कॉन्स्टेबल और लगभग 1.5 लाख चौकीदार (ग्रामीण पुलिस) भी दोनों चरणों के लिए चुनाव ड्यूटी पर तैनात की गई है।(सुपौल), नीतीश कुमार के नजदीकी मंत्री लेसी सिंह (धमदाहा), पूर्व उपमुख्यमंत्री रेणु देवी (बेतिया), मंत्री शीला मंडल (फुलपरास) के अलावा एकमात्र मुस्लिम मंत्री जमा खान (चैनपुर) शामिल हैं।बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे फेज की 122 सीटों पर वोटिंग कल 11 नंवबर को होनी है। मतदान मंगलवार सुबह 7 बजे से शुरू होगा। इसके लिए 45,399 बूथ बनाए गए हैं। सोमवार शाम तक चुनाव कर्मी ईवीएम लेकर बूथों पर पहुंच गए हैं। 122 सीटों पर 1302 उमीदवार मैदान में हैं। विधानसभा चुनाव का रिजल्ट 14 नवंबर को आएगा। पहले फेज में रिकॉर्ड 65 फीसदी वोटिंग हुई थी। इमामगंज प्रखंड के हेरहज, पथरा और केवलडीह गांव के मतदाता लगभग 25 साल बाद अपने गांव में ही मतदान कर सकेंगे। 2001 में आखिरी बार वोटिंग के बाद से इन तीनों गांवों के लोग वोट नहीं डाल पा रहे थे।

14 नवंबर को आएगा रिजल्ट, पहले फेज में 6 नवंबर को 65 प्रतिशत मताधिकार का हुआ था प्रयोग

घाटशिला उपचुनाव आज : मतदान दल रवाना, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान को लेकर प्रशासन अलर्ट

संवादाता

चाईबासा : पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन ने घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। सोमवार को को- ऑपरेटिव कॉलेज स्थित डिस्पैच सेंटर से मतदान दलों को आवश्यक मतदान सामग्री के साथ उनके निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। रवाना होने से पूर्व जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी और वरीय पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडेय ने डिस्पैच स्थल का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने सेक्टर मजिस्ट्रेटों, मतदान कर्मियों और सुरक्षा बलों से बातचीत कर उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी दल समय पर अपने-अपने केंद्रों पर पहुंचें और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें। प्रशासनिक टीम ने मतदान सामग्री के सुरक्षित वितरण, वाहनों की आवाजाही और सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति का भी जायजा लिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी ने कहा कि प्रत्येक चरण की निगरानी रीयल-टाइम में की जा रही है।

शराब व खासमहल जमीन घोटाले के बाद फिर बढ़ी परेशानी

वन भूमि घोटाले में भी आईएएस विनय चौबे की भूमिका संदिग्ध, एसीबी ने बनाया आरोपी

संवाददाता

रांची:झारखंड के सीनियर आईएएस अधिकारी विनय चौबे की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। शराब घोटाला और हजारीबाग के खासमहल जमीन घोटाले में फंसे विनय चौबे अब वन भूमि घोटाले में भी आरोपी बनाए गए हैं। एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) ने इस मामले में उनके खिलाफ कांड संख्या 11/2025 दर्ज की है और कोर्ट से रिमांड की अनुमति मांगी है। इस पर मंगलवार को सुनवाई होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, एसीबी ने इस मामले की प्रारंभिक जांच में पाया कि हजारीबाग में विनय चौबे के उपायुक्त रहने के दौरान वन भूमि का अवैध रूप से निजी व्यक्तियों के नाम म्यूटेशन करके कब्जा दिलाया गया। जांच में कई अहम दस्तावेज और गवाहों के बयान मिले, जिनसे उनकी भूमिका संदिग्ध पाई गई।जांच के दौरान यह पाया गया कि विवादित वन भूमि का म्यूटेशन विनय सिंह और स्निग्धा सिंह के नाम पर किया गया था और विनय चौबे की सीधी भूमिका उस भूमि के आवंटन और म्यूटेशन में सामने आयी थी। बता दें कि एसीबी ने करीब 5000 एकड़ वन भूमि घोटाले का अनुमान लगाया है इस मामले में अब तक विनय चौबे के करीबी विनय सिंह, उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह, हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद, तत्कालीन सीओ शैलेश कुमार, ब्रोकर विजय सिंह सहित कुल 73 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है। एसीबी ने इस कांड में विनय सिंह को सितंबर में गिरफ्तार किया था, जबकि शैलेश कुमार और विजय सिंह को पिछले महीने हिरासत में लिया गया।

निजी व्यक्तियों के नाम म्यूटेशन करके दिलाया गया कब्जा

रांची की महापौर रहीं रमा खलखो बनीं प्रदेश महिला कांग्रेस की नई अध्यक्ष

संवाददाता

रांची : रमा खलखो झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की नई अध्यक्ष बनाई गई हैं। इसकी सूचना पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने जार की है। रमा खलखो झारखंड कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री हैं और रांची की महापौर (मेयर) भी रह चुकी हैं। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रमा खलखो को यह दायित्व देने पर पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा के प्रति आभार व्यक्त किया है। प्रदेश कांग्रेस ने कहा है कि पार्टी ने एक जुझारू, जमीनी और कर्मठ महिला नेता पर भरोसा जताते हुए यह जिम्मेदारी देकर संगठन को नई दिशा दी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने रमा खलखो को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में झारखंड महिला कांग्रेस और भी मजबूती के साथ कार्य करेगी तथा प्रदेश की महिलाओं की आवाज को और बुलंद करेगी। उन्होंने कहा, 'रमा खलखो का नेतृत्व महिलाओं के संघर्ष, स्वाभिमान और अधिकारों की मजबूत आवाज बनेगा। महिला कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के साथ-साथ भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ और भी प्रखरता से सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी।' प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रमा खलखो को बधाई देते हुए पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया है। बधाई देने वालों में रविंद्र सिंह, राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुजनी, अमूल नीरज खलखो, गजेंद्र सिंह, सोनल शांति, डॉ. राकेश किरण महतो, कुमार राजा, अभिलाष साहू, राजन वर्मा, विनय सिन्हा दीपू और कमल ठाकुर समेत कई कांग्रेस नेताशामिल थे।

सियासत | घाटशिला उपचुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए तैयारी पूर्ण

सीसीटीवी और वेबकास्टिंग से होगी निगरानी : के. रवि कुमार

संवाददाता

रांची : झारखंड के घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को होने वाले उपचुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सोमवार को सभी मतदान केंद्रों के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना कर दी गईं। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के, रवि कुमार ने सोमवार को इसकी जानकारी दी, जो जिला मुख्यालय में घाटशिला विधानसभा उपचुनाव की मॉनिटरिंग के लिए स्थापित किए गए वेबकास्टिंग सेंटर का निरीक्षण कर रहे थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि घाटशिला उपचुनाव के लिए मतदान मंगलवार, 11 नवंबर को होगा, जिसके लिए आयोग ने चुनाव की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। सभी मतदान कर्मी सोमवार शाम तक अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंच जाएंगे और वहां से रिपोर्ट करेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी सुरक्षा व्यवस्थाएं की गई हैं। सभी मतदान केंद्रों के अंदर और बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसकी निगरानी भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय और आरओ कार्यालय द्वारा वेबकास्टिंग के माध्यम से की जा रही है। उन्होंने कहा कि घाटशिला उपचुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने केलिए पूरी तैयारी की गई है। घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाता सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक अपने मतदान केंद्र पर जाकर अपने मतों का अवश्य इस्तेमाल करें। इसके साथ साथ अपने मित्रों, परिवारजनों, पड़ोसियों को भी मतदान के लिए अवश्य प्रेरित करें। इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, नोडल पदाधिकारी देव दास दत्ता सहित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के कई पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग से पूछा

नगर निकायों के चुनाव कब, तारीख बताएं

संवादाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग से पूछा है कि राज्य में नगर निगमों और नगर निकायों के चुनाव कब तक कराए जाएंगे? कोर्ट ने आयोग से चुनाव की संभावित तिथियों के बारे में रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने आयोग को यह बताने को कहा है कि किन वजहों से चुनाव की घोषणा नहीं हो पा रही है और इसके लिए सरकार की ओर से कौन से कदम उठाए जाने जरूरी हैं। जस्टिस आनंदा सेन की बेंच ने झारखंड में लंबे समय से नगर निगम और नगर निकायों के चुनाव नहीं कराए जाने के मामले में दायर अवमानना याचिका पर झारखंड सोमवार को सुनवाई करते हुए ये निर्देश दिए। कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 24 नवंबर की तारीख निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया कि नगर निगमों और निकायों में पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने के उद्देश्य से कराए गए ट्रिपल टेस्ट की रिपोर्ट राज्य निर्वाचन आयोग को सौंप दी गई है। उन्होंने कहा कि सीटों के आरक्षण और जनसंख्या सूची जैसे कुछ बिंदुओं से संबंधित जानकारी आयोग की ओर से मांगी गई है, जिसे सरकार जल्द ही उपलब्ध करा देगी। इसके बाद चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी जाएगी।वहीं, राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से अधिवक्ता सुमित गाड़ोदिया ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार की ओर से अब तक सीटों के आरक्षण से संबंधित स्पष्ट रिपोर्ट आयोग को प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट मिलने के बाद चुनाव की तैयारियों में आयोग जुट जाएगा। आयोग को चुनाव कराए जाने की प्रक्रिया पूरी करने में लगभग तीन महीने का समय लगेगा। इस मामले में प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता विनोद कुमार सिंह।

झारखंड में कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान अंतिम चरण में, 10 दिवसीय पॉलिटिकल पाठशाला की शुरूआत

रांची, संवाददाता ।

झारखंड कांग्रेस ने अपने संगठन को धारदार और जुझारू बनाने के लिए पहली बार मंडल से लेकर जिला अध्यक्ष तक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है. पहली बार मंडल अध्यक्ष वाले कॉन्सेप्ट को अपनाने के बाद अब झारखंड कांग्रेस ने रांची के लालगुटवा बैंक्वेट हॉल में संगठन सृजन कार्यशाला की शुरूआत की. इस प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू, सह प्रभारी श्रीबेला प्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया. झारखंड में कांग्रेस को सांगठनिक रूप से मजबूत और धारदार बनाने के लिए संगठन सृजन वर्ष 2025 में उठाये गए कदमों के तहत सोमवार से झारखंड कांग्रेस ने अपने सभी नए-पुराने जिलाध्यक्षों, प्रखंड अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों और सभी जिला ऑब्जर्वर को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 19 नवंबर तक चलेगा और हर दिन 03-03 जिलों के जिलाध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष, जिला पर्यवेक्षक को कई तरह की जानकारियों से लैस किया जाएगा. उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में हर दिन तीन-तीन जिले के डीसीसी प्रेसिडेंट, बीसीसी प्रेसिडेंट, मंडल प्रेसिडेंट और डीसीसी आब्जर्वर को अक्कउ से आये ट्रेनर प्रशिक्षण देंगे. केशव महतो कमलेश ने बताया कि 18 और 19 नवंबर को विशेष रूप से बीएलए के 75 मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षित किया जाएगा. जो आगे जाकर अपने-अपने जिलों के सभी बूथ लेवल एजेंटों को प्रशिक्षित करेंगे. उन्होंने बताया कि आज रक्कम और बीएलए को लेकर भी प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है.

झारखंड कांग्रेस के प्रशिक्षण शेड्यूल

11 नवम्बर-चतरा,कोडरमा,हजारीबाग	16 नवंबर- गुमला, सिमडेगा, खूंटी, सरायकेला खरसावां
12 नवंबर- रामगढ़,बोकारो,धनबाद	17 नवंबर- पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम
13 नवंबर- गिरिडीह,जामताड़ा,देवघर	18-19 नवंबर- राज्यभर के इछअ में से 75 को मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण..
14नवंबर-दुमका,गोड्डा,साहेबगंज,पाकुड़	
15नवंबर- रांची महानगर,रांची ग्रामीण,लोहरदगा	

झारखंड स्थापना दिवस पर सजेगी राजधानी, बिरसा मुंडा जयंती को लेकर मोरहाबादी में मुख्य समारोह की तैयारी

रांची, संवाददाता ।

15 नवंबर झारखंड के इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण दिन है. यह दिन न केवल भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के रूप में मनाया जाता है बल्कि इसी दिन साल 2000 में झारखंड राज्य की स्थापना भी हुई थी. इसलिए यह तिथि झारखंडवासियों के लिए गर्व और सम्मान का प्रतीक है. इस साल राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं, जिसे लेकर राजधानी रांची में व्यापक तैयारियां जोरों पर हैं. रांची के हर हिस्से में इस ऐतिहासिक दिवस को विशेष बनाने की कोशिश हो रही है. मुख्य समारोह रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित किया जाएगा. यहां राज्य सरकार की ओर से कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है. इस आयोजन में राज्यपाल, मुख्यमंत्री समेत कई गणमान्य अतिथि शामिल होंगे. समारोह के दौरान राज्य के विभिन्न विभाग अपनी उपलब्धियों और योजनाओं की झलकियां पेश करेंगे.

झारखंड की 25 सालों की विकास यात्रा

मोरहाबादी मैदान को सजाने संवारने का काम युद्धस्तर पर जारी है. पूरा क्षेत्र रंग-बिरंगी लाइट, फूल और झंडियों से सजा दिया गया है. यहां झारखंड की 25 सालों की विकास यात्रा को दर्शाने वाले थीम पवेलियन तैयार किए जा रहे हैं, जहां विभिन्न विभागों की झांकियां प्रदर्शित होंगी. स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्योग और खेल विभाग अपने-अपने क्षेत्र की उपलब्धियों को आकर्षक तरीके से दिखाने की तैयारी में हैं.

जनजातीय जीवन को दशार्ने वाली वॉल पेंटिंग बनाई गई

रांची की सड़कों पर भी उत्सव का माहौल देखने को मिल रहा है. चौक-चौराहों से लेकर सरकारी भवनों तक रंग-रोगन का काम जारी है. शहर की दीवारों पर बिरसा मुंडा की तस्वीरें, राज्य की सांस्कृतिक धरोहर और जनजातीय जीवन को दर्शाने वाली वॉल पेंटिंग बनाई जा रही है. बिजली विभाग की ओर से रात में शहर को रोशनी से जगमगाने की व्यवस्था की गई है. वहीं उद्यान विभाग ने सड़क किनारे लगे पेड़ पौधों को सजाकर शहर को जीवंत रूप दे दिया है.

झारखंड में स्थापना दिवस पर स्थानीय लोग उत्साहित

स्थापना दिवस को लेकर न केवल सरकारी तंत्र बल्कि स्थानीय लोग भी उत्साहित हैं. विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थाएं अपने स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर रही हैं. शहर के स्कूलों में बिरसा मुंडा के जीवन और झारखंड के संघर्ष पर आधारित विशेष सभाएं रखी जा रही हैं, ताकि नई पीढ़ी को अपने इतिहास और नायकों के योगदान से परिचित कराया जा सके. धरती आबा के नाम से प्रसिद्ध भगवान बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनजातीय अस्मिता और अधिकारों की लड़ाई लड़ी थी. उनका जन्म दिवस राज्य की आत्मा और पहचान का प्रतीक है. यही कारण है कि राज्य स्थापना दिवस और बिरसा जयंती का यह संयोग झारखंडवासियों के लिए एक भावनात्मक अवसर बन जाता है.

रांची में गूंज रहे सांस्कृतिक गीत

जैसे-जैसे 15 नवंबर करीब आ रहा है, राजधानी का हर कोना जय झारखंड के नारों और सांस्कृतिक गीतों से गूंजने लगा है. बिरसा के आदर्शों और झारखंड की गौरवगाथा को याद करते हुए पूरा राज्य इस दिन को नई ऊर्जा और संकल्प के साथ मनाने की तैयारी में जुटा है.

रांची में स्थापना दिवस को लेकर मोरहाबादी-मेन रोड पर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

राज्य स्थापना दिवस समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं. 11 से 16 नवंबर तक राजधानी रांची में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. इन्हीं तैयारियों के तहत 11 नवंबर को मोरहाबादी मैदान से मेन रोड तक मैराथन रन का आयोजन किया जा रहा है. कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने 11 नवंबर को वाहनों की एंट्री पर रोक लगा दी है.

रिम्स प्रशासन में अनुशासनहीनता पर सख्ती, बिना अनुमति गैरहाजिरी बर्दाश्त नहीं

रांची, संवाददाता ।

रिम्स प्रशासन में अनुशासनहीनता पर निदेशक ने सख्त रुख अपनाया है. 29 अक्टूबर को रिम्स के निदेशक प्रो डॉ राज कुमार ने प्रशासनिक ब्लॉक का औचक निरीक्षण किया था, जिसमें कई कर्मचारी भोजनावकाश के बाद अपने कार्यस्थलों से नदारद पाए गए. इस पर निदेशक ने नाराजगी जताते हुए संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा था. अधिकांश कर्मचारियों के जवाब औपचारिक और गैर-गंभीर पाए गए. कई ने अनुपस्थिति का कारण बच्चों की तबीयत, पैर दर्द, अस्वस्थता या घर में विवाह की तैयारी जैसी व्यक्तिगत वजहें बताईं. निदेशक ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार के कारण कार्यालय अनुशासन की दृष्टि से स्वीकार्य नहीं हैं. डॉ राज कुमार ने कहा कि बिना पूर्व अनुमति कार्यस्थल से अनुपस्थित रहना सेवा नियमों का उल्लंघन है और इसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने सभी कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि वे निर्धारित कार्यालय समय में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें. रिम्स प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भविष्य में ऐसे मामलों पर कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी. साथ ही, नियमित रूप से निरीक्षण जारी रखने की बात भी कही गई है ताकि सरकारी कार्यों में लापरवाही और ढिलाई पर रोक लगाई जा सके.

बैंक ऑफ बड़ौदा ने पूरे भारत में बड़ौदा किसान पखवाड़ा के आठवें संस्करण का किया शुभारंभ

रांची, संवाददाता ।

बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा पूरे भारत में बड़ौदा किसान पखवाड़ा के आठवें संस्करण का शुभारंभ 3 नवम्बर 2025 को किया गया, जिसका उद्देश्य देशभर के किसानों को आधुनिक कृषि सुविधाओं, सरकारी योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं से जोड़कर ग्रामीण समुदाय को सशक्त बनाना है। इसी क्रम में, बैंक ऑफ बड़ौदा क्षेत्रीय कार्यालय राँची द्वारा दिनांक 10 नवम्बर 2025 को रिनपास मैदान, सुकुरहुट्टू, राँची में वृहद किसान मेला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दीपमाला घोष, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड क्षेत्रीय कार्यालय राँची थीं। कार्यक्रम में बैंक के उच्च पदाधिकारी श्री दिनेश पंत, मुख्य महाप्रबंधक, बीसीसी, श्रीमती स्वपना बंदोपाध्याय, महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, भुवनेश्वर अंचल, श्री नीलमणि, उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख, राँची और श्री स्वप्निल श्रीवास्तव, सहायक महाप्रबंधक एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख सहित बैंक के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

इस मेले में लगभग 400 से अधिक किसान और स्वयं सहायता समूह की महिलाएँ शामिल हुईं। कार्यक्रम के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा विभिन्न कृषि ऋण योजनाओं के अंतर्गत रु 11.41 करोड़ का ऋण स्वीकृत एवं वितरण किया गया। इसमें बड़ौदा किसान क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता समूह वित्तपोषण, फूड एवं एग्रो आधारित ऋण, एग्री गोल्ड लोन, ट्रैक्टर लोन एवं अन्य कृषि ऋण योजनाएँ शामिल थीं।

कार्यक्रम में बैंक की प्रमुख सेवाओं का प्रदर्शन किया गया, जिसमें किसान क्रेडिट कार्ड, ट्रैक्टर लोन, एग्री कार, डेयरी लोन, खाद्य प्रसंस्करण योजनाएँ, कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर लोन और गोल्ड लोन जैसी सुविधाएँ शामिल थीं। साथ ही, किसानों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया गया और उन्हें डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के सुरक्षित एवं कुशल उपयोग हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया। यह आयोजन बैंक ऑफ बड़ौदा की ग्रामीण समृद्धि के प्रति प्रतिबद्धता और किसानों के विकास में सक्रिय भागीदारी को दशार्ता है।

डीजीपी ने पुलिस मुख्यालय में किया शिकायत कोषांग समिति का पुनर्गठन

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय में शिकायत कोषांग समिति का पुनर्गठन हुआ है. डीजीपी तदाशा मिश्रा के आदेश पर शिकायत कोषांग का पुनर्गठन हुआ है. जानकारी के मुताबिक शिकायत कोषांग में लंबे समय से 600 से अधिक शिकायत लंबित पड़े हुए हैं. डीजीपी के द्वारा इन सभी शिकायतों का एक सप्ताह के अंदर निष्पादन करने का लक्ष्य रखा गया है. शिकायत कोषांग के निष्क्रिय होने की वजह से पुलिसकर्मियों की मांगों पर विचार नहीं हो पा रहा था. अब जरूरतमंद पुलिसकर्मियों की समस्याओं पर विचार के बाद उनकी मांगों पर कार्रवाई करने में तेजी आयेगी. उल्लेखनीय है कि झारखंड पुलिस मुख्यालय में शिकायत कोषांग एक महत्वपूर्ण इकाई है, जो पुलिसकर्मियों और आम नागरिकों की शिकायतों के निवारण के लिए काम करती है. यह कोषांग विभिन्न प्रकार की शिकायतों को सुनता और उनका समाधान करने का प्रयास करता है. झारखंड पुलिस मुख्यालय का शिकायत कोषांग मुख्य रूप से निम्नलिखित कार्यों को देखता है, जिनमें पुलिसकर्मियों से संबंधित शिकायतें, नागरिकों की शिकायतें, शिकायतों का पंजीकरण व निवारण, निगरानी व समीक्षा और जन शिकायत समाधान कार्यक्रम मुख्य रूप से शामिल हैं.

झारखंड के तीन दिव्यांग क्रिकेटर श्रीलंका में भारत का करेंगे प्रतिनिधित्व

रांची, संवाददाता ।

राज्य के तीन दिव्यांग क्रिकेटर भारत की टीम में शामिल किए गए हैं. झारखंड के लिए यह गर्व की बात है.ये खिलाड़ी 13 से 17 नवंबर 2025 तक श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में होने वाले अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेंगे. टीम में झारखंड के तीन खिलाड़ी – अतहर अली (रामगढ़), महावीर मोदी (बोकारो) और नाजिर (साहेबगंज) चुने गए हैं. ये सभी खिलाड़ी सोमवार को रांची स्टेशन से रवाना होकर चेन्नई पहुंचेंगे और वहां से श्रीलंका के लिए उड़ान भरेंगे. टीम चयन की खबर से राज्य में खुशी की लहर है. खेल प्रेमियों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई दी है और उम्मीद जताई है कि वे श्रीलंका में भारत का तिरंगा ऊंचा करेंगे. इनकी मेहनत और जज्बा झारखंड के युवाओं के लिए एक प्रेरणा बन गया है.

चैंबर प्रतिनिधिमंडल ने रांची एयरपोर्ट के निदेशक से की मुलाकात, सुविधाओं में सुधार की मांग

रांची, संवाददाता ।

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के निदेशक विनोद कुमार से मुलाकात की. बैठक में एयरपोर्ट संचालन से जुड़ी कई समस्याओं और सुधार के सुझावों पर चर्चा की गई. चैंबर ने एयरपोर्ट पर पार्किंग और एग्जिट गेट सिस्टम सुधारने, फास्ट टैग दोबारा शुरू करने, और 9 मिनट फ्री एग्जिट को सुचारु बनाने की मांग की. सर्दियों में फ्लाइट रद्द होने से बचने के लिए कैट-क्कक्क तकनीक लगाने का भी सुझाव दिया गया. साथ ही एयरलाइंस द्वारा स्लॉट बुक करने के बावजूद उड़ानें न शुरू करने पर कड़ा रुख अपनाने की बात कही गई. उप समिति के चेयरमैन दिनेश प्रसाद साहू और श्रवण राजगढ़िया ने रांची से नई फ्लाइट्स शुरू करने का सुझाव दिया. इनमें जयपुर, गोवा, रायपुर, वाराणसी, बागडोगरा, गुवाहाटी, सूरत, विशाखापट्टनम और अमृतसर जैसे शहर शामिल हैं.उन्होंने रनवे विस्तार और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने की भी मांग रखी.

बैठक में टर्मिनल के बाहर बैठने की जगह, वॉशरूम और ओपन एयर रेस्टोरेंट जैसी सुविधाएं बढ़ाने का सुझाव भी दिया गया. एयरपोर्ट निदेशक ने सभी सुझावों पर सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिया और कहा कि यात्री सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी. चैंबर के महासचिव रोहित अग्रवाल ने कहा कि झारखंड के गठन को 25 साल पूरे हो चुके हैं और राज्य तेजी से विकास कर रहा है. ऐसे में अब रांची से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की शुरूआत जरूरी है, जिससे व्यापार, निवेश और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा. प्रतिनिधिमंडल में प्रवीण लोहिया, रोहित अग्रवाल, नवजोत अलंग, दिनेश प्रसाद साहू, श्रवण राजगढ़िया, शैलेष अग्रवाल और किशोर मंत्री शामिल थे.

रांची में कुष्ठ रोग खोज अभियान की शुरूआत, जागरुकता रथ हुआ रवाना

रांची, संवाददाता ।

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सोमवार को सिविल सर्जन कार्यालय, रांची से कुष्ठ रोग खोज अभियान की शुरूआत की गई. जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ सीमा गुप्ता ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस अभियान का उद्देश्य जिले के सभी प्रखंडों में कुष्ठ रोगियों की पहचान करना और समय पर उनका उपचार सुनिश्चित करना है. डॉ सीमा गुप्ता ने बताया कि यह अभियान 10 नवंबर 2025 से 26 नवंबर 2025 तक जिले के सभी प्रखंडों में चलाया जाएगा. इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के कर्मी घर-घर जाकर संभावित कुष्ठ रोगियों की पहचान करेंगे. जिन व्यक्तियों में रोग के लक्षण पाए जाएंगे, उनकी जांच की जाएगी और रोग की पुष्टि होने पर उन्हें निःशुल्क पूरा उपचार उपलब्ध कराया जाएगा. उन्होंने कहा कि आज भी कई लोग कुष्ठ रोग के बारे में बताने में झिझकते हैं, जबकि सरकार इसके लिए मुफ्त इलाज की सुविधा प्रदान कर रही है. उन्होंने आम जनता से अपील की कि जब स्वास्थ्य कर्मी जांच के लिए घर जाएं, तो सभी लोग उनका सहयोग करें ताकि इस बीमारी को पूरी तरह खत्म किया जा सके. कुष्ठ रोगी खोज अभियान के तहत जिला स्तर पर विशेष टीम का गठन किया गया है. इस अभियान के अंतर्गत रांची जिले में कुल 37,09,472 लोगों की जांच करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है.

झारखंड में लक्ष्य से काफी दूर कांग्रेस का वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर कार्यक्रम, बंधु तिर्की ने नेताओं को सुनाई दो टूक

रांची, संवाददाता ।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी के आरोपों के बाद कांग्रेस ने 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक पूरे देश में वोट चोर-गद्दी छोड़ अभियान चलाया. झारखंड में कांग्रेस ने 25 लाख लोगों तक पहुंचने और आम लोगों के हस्ताक्षर एकत्र करने का लक्ष्य रखा था. इसे 10 दिनों के लिए बढ़ाने के बावजूद, कांग्रेस राज्य भर से केवल 16 लाख लोगों के हस्ताक्षर ही जुटा पाई. वोट चोर-गद्दी छोड़ अभियान में लक्ष्य से चूकने से निराश दिखे कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष बंधु तिर्की ने यह कहने में संकोच नहीं किया कि जो लोग आज अपनी तस्वीरें खिंचवाने के लिए व्याकुल दिख रहे हैं, अगर वे वोट चोर-गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान में गंभीरता से शामिल होते, तो 25 लाख हस्ताक्षर का लक्ष्य हासिल हो जाता.

15 सितंबर से 25 अक्टूबर तक, एक महीने और दस दिनों तक चले हस्ताक्षर अभियान के दौरान, राज्य भर से 16 लाख हस्ताक्षर एकत्र किए गए और दिल्ली स्थित एआईसीसी को भेजे गए. इसके बाद, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि लक्ष्य पूरा न होने के बावजूद, कांग्रेस ने कई अन्य राज्यों की तुलना में झारखंड में बेहतर प्रदर्शन किया. उन्होंने आगे कहा कि त्योहारों और जिला अध्यक्षों के चयन की व्यस्तता भी लक्ष्य पूरा न कर पाने के कारणों में शामिल रही.

केशव महतो कमलेश ने कहा कि उनके नेता राहुल गांधी ने इस बात के सबूत पेश किए हैं कि कैसे भाजपा और चुनाव आयोग वोट चुराने के लिए मिलीभगत कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि एआईसीसी के नेता आम लोगों के हस्ताक्षर राष्ट्रपति को सौंपेंगे. हस्ताक्षर अभियान के दौरान एकत्र किए गए हस्ताक्षरों की प्रतियां दिल्ली भेजने के बाद, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने कहा कि भाजपा और चुनाव आयोग ने कई राज्यों में वोट चुराने के लिए मिलीभगत की है. उनके नेता ने हाल ही में बताया कि कैसे हरियाणा में दो करोड़ मतदाताओं में से लगभग 25 लाख मतदाता बनाए गए. राहुल गांधी ने इन सबके सबूत पेश किए.

के. राजू ने कहा कि वोट चोरी लोकतंत्र के लिए खतरा है. दरअसल, भाजपा चुनाव प्रणाली पर नियंत्रण करना चाहती है. उन्होंने बताया कि हस्ताक्षर अभियान के साथ-साथ चुनाव आयोग से पांच मांगें की गई हैं: मशीन से पढ़ सकने वाला वोटर लिस्ट सभी पोलिटिकल पार्टी को देने, वोटर लिस्ट से नाम विलोपित करने या जोड़ने का समय चुनाव के ठीक पहले न हो ताकि राजनीतिक दलों को गड़बड़ी पकड़ने का मौका मिले। ग्रीवांस रिड्रेसल सिस्टम को मजबूत और जवाबदेह बनाया जाए ताकि वोटर के ऑब्जेक्शन पर कार्रवाई हो, इलेक्ट्रोल रोल मेन्टेन में गड़बड़ी करने पर सजा का प्रवधान हो. कार्यक्रम में विधायक सुरेश बैठा, ममता देवी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, उपनेता राजेश कच्छप, केशव महतो कमलेश, पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर, प्रदीप बलमुचू, आदि थे।

झारखंड उच्च न्यायालय ने राज्य निर्वाचन आयोग से मांगी नगर निकाय चुनाव की संभावित तिथि, अगली सुनवाई 24 को

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में नगर निगम और निकाय चुनाव नहीं कराने के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. राज्य के महाधिवक्ता राजीव रंजन ने जस्टिस आनंदा सेन की कोर्ट को बताया कि ट्रिपल टेस्ट की रिपोर्ट राज्य निर्वाचन आयोग को सौंप दी गई है. आयोग ने आरक्षण और पॉपुलेशन लिस्ट से जुड़ी कुछ जानकारी मांगी है. संबंधित जानकारी देने के बाद चुनाव से जुड़ा नोटिफिकेशन जारी हो जाएगा. प्रार्थी के अधिवक्ता विनोद सिंह ने ईटीवी भारत को बताया कि कोर्ट ने 24 नवंबर तक राज्य निर्वाचन आयोग को चुनाव से जुड़ा नोटिफिकेशन जारी करने को कहा है. उन्होंने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग को कुछ और जानकारी की जरूरत है जिसे महाधिवक्ता ने एक सप्ताह के भीतर मुहैया कराने का भरोसा दिलाया है.

24 नवंबर को अगली सुनवाई

सुनवाई के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से कोर्ट को बताया गया कि झारखंड सरकार से अभी सीटों के आरक्षण से जुड़ी अनुशंसा नहीं मिली है. इसके मिलते ही तैयारी शुरू कर दी जाएगी. सभी पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने 24 नवंबर को सुनवाई की अगली तारीख निर्धारित करते हुए राज्य निर्वाचन आयोग से निकाय चुनाव से जुड़ी संभावित तिथि का ब्यौरा मांगा है. सुनवाई के दौरान प्रार्थी रौशनी खलखो और रीना कुमारी की अवमानना याचिका पर अधिवक्ता विनोद सिंह ने पक्ष रखा. जबकि राज्य निर्वाचन आयोग की तरफ से अधिवक्ता सुमित गड़ोदिया ने पक्ष रखा. बता दें कि पिछली सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि ट्रिपट टेस्ट की रिपोर्ट कैबिनेट को भेजी जाएगी. इस पर अनुमोदन मिलने के बाद राज्य सरकार चुनाव कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग को अनुशंसा करेगी. तब कोर्ट ने राज्य सरकार को चुनाव से जुड़ी अनुशंसा भेजने के लिए 3 सप्ताह का समय दिया था.

इन नगर निकायों में होना है चुनाव

नगर निगम - रांची, हजारीबाग, मेदनीनगर, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, चास, आदित्यपुर और मानगो

नगर परिषद - गढ़वा, विश्रामपुर, चाईबासा, झुमरी तिलैया, चक्रधरपुर, चतरा, चिरकुंडा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा, गुमला, जुगसलाई, कपाली, लोहरदगा, सिमडेगा, मधुपुर, रामगढ़, साहिबगंज, फुसरो और मिहिजाम

नगर पंचायत - बंशीधर नगर, मझिआंव, हुसैनाबाद, हरिहरगंज, छतरपुर, लातेहार, कोडरमा, डोमचांच, बड़की सरैया, धनवार, महगामा, राजमहल, बरहरवा, बासुकीनाथ, जामताड़ा, बुंडू, खूंटी, सरायकेला और चाकुलिया.

झारखंड के सीईओ ने एसआईआर को लेकर की समीक्षा बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों हेतु की समीक्षा बैठक
- एसआईआर में सुविधा के लिए वर्तमान मतदाता सूची का 2003 के मतदाता सूची से अधिक से अधिक मैपिंग करना सुनिश्चित करें।
- पदाधिकारी फील्ड विजिट कर मतदाता सूची के मैपिंग की समस्याओं का निरीक्षण एवं निराकरण करेंझ्र के. रवि कुमार, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी।

संवाददाता । रांची

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों हेतु निर्देश प्राप्त हैं। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी आगामी एसआईआर में सुविधा के लिए वर्तमान मतदाता सूची का 2003 के मतदाता सूची से अधिक से अधिक मैपिंग करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जितने अधिक मतदाताओं का 2003 के मतदाता सूची से पैरेंटल मैपिंग हो जाता है, उन्हें इन्यूम्यूरेशन फॉर्म भरने में आसानी हो सकेगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सोमवार को निर्वाचन सदन से ऑनलाइन माध्यम से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। श्री के. रवि कुमार ने कहा है कि निर्वाचन से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती है। यदि निर्वाचन के कार्य में कोई बीएलओ आनाकानी करते हैं तो उनका रिपोर्ट विभाग को भेजें एवं निलंबन की प्रक्रिया करते हुए नए बीएलओ नियुक्त करें। श्री के. रवि कुमार ने कहा है कि सभी स्तर के पदाधिकारियों को निर्वाचन हेतु आवंटित कार्य को करना अनिवार्य है, इसमें किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जा सकती।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने समीक्षा के क्रम में सभी जिलों के मतदाता सूची के मैपिंग की बिंदुवार समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में जमीनी स्तर पर आ रहे परेशानियों को समाप्त करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।उन्होंने सभी पदाधिकारियों को फील्ड विजिट कर मतदाता सूची के मैपिंग की समस्याओं का निरीक्षण करते हुए उसके समाधान एवं कार्य में तीव्रता लाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री धीरज कुमार ठाकुर द्वारा मतदान केंद्रों के युक्तिकरण हेतु पीपीटी के माध्यम से सभी पदाधिकारियों को जानकारी उपलब्ध कराई गई।इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुबोध कुमार, नोडल पदाधिकारी श्री देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री धीरज ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुनील कुमार सहित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा ने सफलतापूर्वक आयोजित किया प्रबंधन कार्यक्रम दफ़्तर बिंगो क्वेस्ट

संवाददाता । रांची

रांची, 10 नवंबर 2025ः बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा 5 नवंबर 2025 को ह्यदफ़्तर झ्र बिंगो क्वेस्टह्न नामक एक रोचक और ज्ञानवर्धक प्रबंधन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों की रणनीतिक सोच, रचनात्मकता तथा टीम भावना की परीक्षा लेना था।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन समारोह से हुई, जिसमें प्रमुख अतिथियों के रूप में प्रोफेसर सुप्रियो रॉय (विभागाध्यक्ष), डॉ. भास्कर कर्ण (डीन ऑफ स्टूडेंट अफेयर्स), डॉ. प्रवीन श्रीवास्तव, डॉ. नीरज मिश्रा (सहायक प्राध्यापक) तथा डॉ. शेली श्रीवास्तव (सहायक प्राध्यापक) उपस्थित थे। विभागाध्यक्ष और डीन ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में प्रतिभागियों को हर चुनौती का सामना विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण और नवाचार की भावना से करने के लिए उत्साहित किया।इस प्रतियोगिता में कुल 15 टीमों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को पाँच अलग-अलग चरणों में विभाजित किया गया – क्राइसिस कमांडो, डिजाइन स्प्रिंट, सप्लाई चेन पजल, फाइनेंशियल जिग्सॉ तथा पिच परफेक्ट चुनौती। प्रत्येक चरण में प्रबंधन के विभिन्न कौशल जैसे संकट प्रबंधन, रचनात्मक सोच और रणनीतिक निर्णय लेने की क्षमता को परखा गया। तीव्र प्रतिस्पर्धा के बाद 7 टीमें अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर अंतिम चरण के लिए चयनित हुईं।दोपहर के अवकाश के दौरान जो 8 टीमें प्रारंभिक चरण में बाहर हो गई थीं, उन्होंने ह्यसोशल स्पेसह्न नामक एक मनोरंजक और सहभागितापूर्ण राउंड में भाग लिया। यहाँ प्रतिभागियों को नए समूहों में बाँटा गया और उन्हें अलग-अलग कॉर्पोरेट भूमिकाएँ दी गईं।सभी समूहों ने मिलकर ह्यदफ़्तरह्न कार्यक्रम के लिए सर्वाधिक सोशल मीडिया सहभागिता उत्पन्न करने की प्रतिस्पर्धा की। विजेता समूह को एक विशेष अवसर देते हुए फाइनल में शामिल किया गया।अंतिम चरण ह्यशार्क टैंक चुनौतीह्न में कुल 8 टीमों ने भाग लिया।प्रत्येक टीम को असफल स्टार्टअप विचार दिए गए, जिन्हें उन्हें एक बार फिर निवेश योग्य और व्यवहारिक व्यापार मॉडल में परिवर्तित करना था।टीमों ने अपने नए विचारों को निर्णायक मंडल के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसमें डॉ. शेली श्रीवास्तव, डॉ. प्रतिमा एक्का, डॉ. गौतम शंडिल्य, डॉ. नम्रता निगम और डॉ. तनुश्री दत्ता शामिल थीं।

उत्साहपूर्ण फाइनल के बाद शीर्ष तीन विजेता टीमों की घोषणा की गई –

पहला स्थानः टीम अमेया

दूसरा स्थानः टीम केपीआई

तीसरा स्थानः टीम इथॉस

कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रायोजकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा –

मुख्य प्रायोजकः जमशेदपुर प्रबंधन संघ

सह प्रायोजकः अनस्टॉप

सप्लाई चेन एवं लॉजिस्टिक्स सहयोगीः आर्या इंटरनेशनल

सहयोगी प्रायोजकः एक्वा, वीब्स इंडिया, सम्राट सिक्योरिटी सर्विसेज प्रा. लि.

झारखंड उच्च न्यायालय ने राज्य निर्वाचन आयोग से मांगी नगर निकाय चुनाव की संभावित तिथि,अगली सुनवाई 24 को

संवाददाता । रांची

रांची, 10 नवंबर झारखंड में नगर निगम और नगर निकायों के चुनाव जल्द हो सकते हैं। झारखंड उच्च न्यायालय में सोमवार को इस बाबत हुई सुनवाई के बाद ऐसे संकेत मिल रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से अदालत में सुनवाई के दौरान इसके बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई गई है।

झारखंड उच्च न्यायालय में सोमवार को नगर निगम व नगर निकायों के चुनाव नहीं कराने के मामले में दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया कि राज्य में कराए गए ट्रिपल टेस्ट की रिपोर्ट राज्य निर्वाचन आयोग को सौंप दी गई है। कुछ बिंदुओं यथा सीटों के आरक्षण और जनसंख्या सूची आदि से संबंधित जानकारी राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से मांगी गई है, जिसे जल्द उपलब्ध करा दिया जाएगा।इसके बाद चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी जाएगी।

राज्य निर्वाचन आयोग ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने अभी तक सीटों के आरक्षण की पूरी तरह से सिफारिश और अंतिम रूप देकर राज्य निर्वाचन आयोग को नहीं भेजा है।इसके मिलने के बाद अयोग चुनाव की तैयारी में जुट जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग को करीब 3 माह का समय लगेगा।इस पर अदालत ने अगली सुनवाई की तीरीख 24 नवंबर तय की और राज्य चुनाव आयोग से प्रदेश में नगर निगमों और नगर निकायों के चुनाव कराने की संभावित तारीख बताने को कहा है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता विनोद कुमार सिंह ने पक्ष रखा। वहीं राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से अधिवक्ता सुमित गाड़ोदिया ने पक्ष रखा।झारखंड उच्च न्यायालय में सोमवार को नगर निगम व नगर निकायों के चुनाव नहीं कराने के मामले में दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया कि राज्य में कराए गए ट्रिपल टेस्ट की रिपोर्ट राज्य निर्वाचन आयोग को सौंप दी गई है।

सवैधानिक व्यवस्था को वोट चोरी के जरिए हाईजैक कर रही भाजपा : के राजू

संवाददाता । रांची

रांची : भाजपा देश की संवैधानिक व्यवस्था को वोट चोरी के जरिए हाईजैक कर रही है। कांग्रेस पार्टी ने देश के समक्ष वोट चोरी को उजागर किया है।पार्टी के नेता राहुल गांधी ने पूरे सबूत के साथ जाली मतदाता, जोड़े गए जाली मतदाता, हटाए गए आम मतदाता, फर्जी पते सहित सभी की सूची को जनता के बीच रखा है। यह बातें प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के राजू ने कांग्रेस भवन में सोमवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कही।उन्होंने कहा कि हरियाणा में दो करोड़ मतदाताओं में से लगभग 25 लाख फर्जी मतदाता पाए गए हैं। लोकतंत्र में मतदान का अधिकार संवैधानिक अधिकार है जो लोकतंत्र की मजबूती के लिए जनता को दिया गया है। झारखंड में मतदाताओं के बीच इस मुद्दे पर जागरूकता फैलाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया जिसमें लगभग 16 लाख आम जनता के हस्ताक्षर संग्रहित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य चुनाव सुधार के लिए भारत निर्वाचन आयोग से पांच मांगों पर कार्रवाई करने को लेकर है। इसमें प्रमुख रूप से स्पष्ट मतदाता सूची फोटो सहित देना ताकि इससे मतदाता, उसके आवास, मतदाता का संपूर्ण विवरण पता चल सके और वोटर लिस्ट को स्कैन किया जा सके। चुनाव आयोग ने इस प्रक्रिया को बंद कर दिया, जिसका मुख्य उद्देश्य भाजपा को मौका देना था। ताकि केंद्रित तरीके से फर्जी मतदाताओं को जोड़ने और कांग्रेस समर्थित मतदाताओं को हटाने एवं एक ही व्यक्ति का अनेक जगहों पर नाम जोड़ना था। के राजू ने कहा कि चुनाव आयोग हटाए या जोड़े गए मतदाताओं की सूची समय पर प्रकाशित करे ताकि राजनीतिक दल या उम्मीदवार पूरी छानबीन कर मतदाताओं का अधिकारों की सुरक्षा कर सके। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि चुनाव में वोट चोरी के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर वोट चोर गद्दी छोड़ के तहत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक अभियान की तिथि तय थी, ।

मौलाना अबुल कलाम आजाद की कुर्बानियां अविस्मरणीय शिक्षा विभाग को लिखा पत्र 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाने की दिशा में आदेश जारी किया जाए

संवाददाता । रांची

रांचीः देश के महान स्वतंत्रता सेनानी और भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की 137वीं जयंती के अवसर पर 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाने के आदेश जारी करने के लिए राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने शिक्षा विभाग को पत्र भेजा है।

अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष ने पत्र में कहा है कि देश के सभी राज्यों में 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया जाता है, लेकिन झारखंड में पिछले दो वर्षों से शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और निजी शैक्षणिक संस्थानों में इस दिवस को मनाने के लिए कोई आदेश जारी नहीं किया गया है।जबकि भारत सरकार द्वारा यह अधिसूचना जारी है कि सभी राज्यों में 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया जाए।उन्होंने कहा कि 11 नवंबर 2025 को सभी शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाने का आदेश जारी किया जाए और महान स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की जाए।उन्होंने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद की कुर्बानियां अविस्मरणीय हैं। यह ज्ञात हो कि नजरबंदी के दौरान मौलाना अबुल कलाम आजाद का झारखंड की राजधानी रांची से भी गहरा संबंध रहा है। उन्होंने यहां के शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति को देखते हुए शिक्षा का एक ऐसा दीप जलाया था, जो आज भी उजाला बिखेर रहा है।इसलिए सरकार को चाहिए कि उनकी कुर्बानियों को याद करते हुए उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाने का आदेश तुरंत जारी करे।

श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट महासंग्राम (13-17 नवंबर) में भारत की टीम में चयनित झारखंड के तीन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों (बोकारो के ग्रेजुएट महावीर कोड़ा जी,रामगढ़ के ग्रेजुएट अहतर अली अंसारी और साहेबगंज के बीएड नाजिर अंसारी)।इस अवसर पर आज रांची में माननीय मंत्रियों के सरकारी आवास(स्मार्ट सिटी,धुर्वा) में झारखंड सरकार के माननीय मंत्री हफिजूल हसन एवं माननीय मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो ने तीनों खिलाड़ियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया एवं मिठाई खिलाई।उन्हें टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं। इन होनहार खिलाड़ियों का संघर्ष और जज्बा सभी के लिए प्रेरणादायक है।कार्यक्रम में दिव्यंजनों के विशेष शिक्षकों के राज्याध्यक्ष पॉवेल कुमार,लहू बोलेगा रक्तदान संगठन के नदीम खान,

झारखंड भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष ने सीएम सोरेन के बैल वाले बयान पर जताई आपत्ति

संवाददाता । रांची

रांची : झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बैल वाले बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर भी राज्य सरकार पर निशाना साधा। आदित्य साहू ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि बैल गांव, गरीब और किसान की पहचान है, करोड़ों लोगों के पेट भरने में सहयोगी है, लेकिन बहुत से ऐसे लोग होते हैं, जो बैल से काम लेने के बाद उसके महत्व को भूल जाते हैं। मालिक होने का अहंकार उनके सिर चढ़कर बोलने लगता है। साहू ने कहा कि गांव, गरीब, किसान और आम जनता के लिए बैल ही उपयोगी है। इसलिए आज जनता उसी बैल के साथ खड़ी है, लेकिन आज बैल गुस्से में है, आक्रोशित है और जनता उसी के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जिसको बैल बोलकर अपमानित करते हैं, वह राज्य का पूर्व मुख्यमंत्री है, आदिवासी समाज का अगुआ है, लाखों जनता का लंबे समय से प्रतिनिधि है। आदित्य साहू ने कहा कि बैल के अपमान का बदला जनता लेने को तैयार है। हेमंत सरकार को बैल के सिंग की मार झेलने को तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता लूट और झूठ से ऊब चुकी है। आम आदमी परेशान है। स्वास्थ्य व शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। बालू, पत्थर, खान और खनिजको लूट मची है। युवा शक्ति हताश और निराश है। महिलाएं भयभीत हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की बेटियां अब विद्यालयों में भी असुरक्षित हो गई हैं। ऐसे हालत से राज्य को उबारने के लिए जनता कमर कस चुकी है।

ब्रीफ न्यूज

झारखंड थैलेसीमिया पर 14 सूत्री मांगों भरा स्मार-पत्र रांची सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार को दिया गया.... लहू बोलेगा

संवाददाता ।

रांची ।आज लहू बोलेगाश रक्तदान संगठन रांची एवं झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन का संयुक्त स्मार-पत्र रांची के सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार महोदय को लहू बोलेगा एवं थैलेसीमिया एसोसिएशन के संस्थापक नदीम खान द्वारा दिया गया,जो 14 सूत्री मांगों के साथ झारखंड के थैलेसीमिया/सिकल सेल एनीमिया/अप्लास्टिक एनीमिया पर नीतिगत/क्रियान्वयन/तार्किक/व्यवहारिक मुद्दों आधारित है ।रांची सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार महोदय ने कहा कि थैलेसीमिया एवं रक्तदान पर बड़ा कार्य जारी है उचित कारर्वाई भी जारी है ।इस 14 सूत्री स्मार-पत्र पर बिल्कुल उचित कार्रवाई की जाएगी ।झारखंड थैलेसीमिया/सिकल सेल एनीमिया/अप्लास्टिक एनीमिया/हीमोफीलिया पर राजधानी रांची सहित रांची जिलें में बढ़िया कार्य करने पर झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन एवं लहू बोलेगा रक्तदान संगठन रांची द्वारा स्मृति चिन्ह भी दिया गया।

मौलाना अबुल कलाम आजादः आज के भारत में उनकी प्रासंगिकता और विचारों की जरूरत।

संवाददाता ।

रांची ।आज भारत ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ लोकतंत्र की बुनियाद पर सवाल उठने लगे हैं। संविधानिक संस्थानों का राजनीतिक इस्तेमाल, संविधान से खिलवाड़ किया जा रहा है, सत्ता का बढ़ता दुरुपयोग, और अल्पसंख्यकों के अधिकारों से लगातार खिलवाड़, यह सब उस भारत की आत्मा को कमजोर कर रहे हैं जिसे बनाने में मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे लोगों ने अपनी पूरी ज़िंदगी लगा दी थी ।जब देश में नफरत की राजनीति चरम पर हो, जब मजहब और जाति के नाम पर समाज को बाँटा जा रहा हो, और जब सत्ताधारी ताकतें बुलडोजर और कानूनों के जरिए एक समुदाय को डराने और मिटाने की कोशिश कर रही हों, ऐसे दौर में मौलाना अबुल कलाम आजाद की सोच पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो जाती है। सत्ता के गलियारों से लेकर मीडिया तक, हर जगह एकतरफा सोच और दबाव का माहौल है। विरोध की आवाज उठाने वालों को देशद्रोही कहा जा रहा है, और नफरत के नाम पर समाज को बाँटने की साज़िशें की जा रही हैं। ऐसे में मौलाना आजाद की विरासत हमें इंसाफ, एकता और इंसानियत की राह दिखाती है ।11 नवंबर 1888 को मक्का में जन्मे मौलाना अबुल कलाम आजाद ने बचपन से ही इल्म और तर्क की राह अपनाई। वो धार्मिक विद्वान थे, लेकिन साथ ही एक प्रखर राष्ट्रवादी भी। उन्होंने धर्म को इंसान को जोड़ने का जरिया माना, न कि बाँटने का। उनका कहना थाह्लमजहब अगर इंसान को इंसाफ और मोहब्बत की राह न दिखाए, तो वो मजहब नहीं, एक सियासी औजार बन जाता है।

मौलाना आजाद ने हिंदू-मुस्लिम एकता को स्वतंत्रता संग्राम की सबसे बड़ी ताकत माना। उनका अखबार अल-हिलाल अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ एक मजबूत आवाज बन गया। जब अंग्रेजों ने इसे बंद किया, तो उन्होंने अल-बलाग शुरू किया। उनकी कलम ने जनता में जागरूकता फैलाई और यह बताया कि आजादी सिर्फ.राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक भी होनी चाहिए।

1940 में कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में अहम भूमिका निभाई और कहा था

भारत की मिट्टी में इतना दम है कि यहाँ के लोग कभी एक-दूसरे के दुश्मन नहीं बन सकते, जब तक कोई उन्हें बाँटने की साज़िश न करे ।ह्व

आजाद भारत के पहले शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने जिस नए भारत की नींव रखी, उसका आधार था – तालीम, इंसाफ और बराबरी। उनके कार्यकाल मजैसी संस्थाएँ बनीं। उन्होंने कहा था

अगर एक देश अपने बच्चों को तालीम नहीं दे सकता, तो उसे तरक़्क़ी का हक नहीं।

उनकी नीतियों ने यह सुनिश्चित किया कि हिंदुस्तान का भविष्य मजहबी नहीं, बल्कि इल्मी और इंसानी नींव पर टिका रहे।

आज मौलाना आजाद की कही बातें हकीकत बनकर सामने आ रही हैं। संविधानिक संस्थानों का दुरुपयोग खुलेआम हो रहा है। चुनाव आयोग, जांच एजेंसियाँ और न्यायिक संस्थाएँ सत्ता के दबाव में दिखती हैं। असहमति और विपक्ष को कुचलने के लिए एऊ उइकऔर इनकम टैक्स जैसे औजार इस्तेमाल हो रहे हैं। नागरिकता के नाम पर भेदभाव, बुलडोजर की राजनीति, इबादतगाहों पर विवाद, और नए कानूनों के जरिए धार्मिक आजादी पर हमला, लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर रहे हैं।

अगर मौलाना आजाद आज ज़िंदा होते, तो वह यकीनन कहते ह्लजब सत्ता इंसाफ से दूर हो जाए और मजहब सियासत का औजार बन जाए, तो समझो कि मुल्क खतरे में है।

आज जब मुसलमानों को ह्लघुसपैठियाह्व या ह्लविदेशीह्व कहकर अपमानित किया जा रहा है, तो उनका वही ऐतिहासिक जुमला याद आता है ह्लयह मुल्क तुम्हारा है, इसकी मिट्टी में तुम्हारे बाप-दादा की कब्रें हैं, इसकी हवा में तुम्हारा लहू है – इसे छोड़कर मत जाओ।

अगर वे आज होते, तो निश्चित रूप से नागरिकता कानून, बुलडोजर राजनीति और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के खिलाफ सबसे बुलंद आवाज होते। वे संविधान और इंसाफ की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरने वाले हर शख्स के साथ खड़े होते। मुसलमानों, दलितों और तमाम कमजोर तबकों को एकजुट होकर लोकतांत्रिक तरीके से अपने हक की लड़ाई लड़ने की राह दिखाते।

वो सियासी और सामाजिक तौर पर जागरूक होने की तालीम देते ताकि कोई उन्हें ह्लदूसरे दर्जे का नागरिकह्व न बना सके। धर्म के नाम पर नफरत फैलाने वालों को चुनौती देते। उनका मानना था कि मजहब इंसान को जोड़ता है, तोड़ता नहीं। वो आज के समय में सत्ता द्वारा फैलाए जा रहे जहर का जवाब इल्म, तर्क और इंसाफ से देते, न कि नफरत से ।मौलाना आजाद शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार मानते थे। वो कहते थे ह्लकौम की असली आजादी तब है जब उसका हर बच्चा पढ़ा-लिखा और जागरूक हो ।अगर आज वे होते, तो सरकार से पूछते कि क्यों शिक्षा का बजट घटाया जा रहा है, क्यों यूनिवर्सिटियों में विचार की आजादी को कुचला जा रहा है। वे कहते कि बिना स्वतंत्र सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के देश आगे नहीं बढ़ सकता ।उन्होंने अपने जीवन में मजहब को कभी दीवार नहीं बनने दिया। उनका यह कथन आज भी प्रासंगिक है अगर स्वराज 24 घंटे में मिल सकता है लेकिन उसकी कीमत हिंदू-मुस्लिम एकता का टूटना है, तो मैं स्वराज नहीं चाहता ।अगर आज वे होते, तो हर उस ताकत के खिलाफ खड़े होते जो देश की एकता को तोड़ना चाहती है।

अपराध समीक्षा बैठक के बाद डीसी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा

सभी थाना एवं धारा 163 के तहत दुकानो एवं प्रतिष्ठानों में भी सीसीटीवी कैमरा लगवाने का आदेश दिया

रामगढ़, संवाददाता

सोमवार को को अजय कुमार, पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय, रामगढ़ स्थित सभागार कक्ष में अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से सभी थाना प्रभारी को थाना के प्रवेश/निकाश द्वार पर सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया गया, एंटी क्राईम चेकिंग लगातार स्थान बदल-बदल कर करने, रक्षक एप का उपयोग करते हुए बिटवार क्यू०आर० कोड स्कैन करनें, वाहन चेकिंग का डाटा इन्ट्री करने, एनडीपीएस एक्ट में जप्त अफीम, मालखान में रखे लावारिस संपत्ति के निष्पादन करने, महिलाओं के सुरक्षा को लेकर सभी थाना / ओपी प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि रात्रि के समय किसी महिला, बच्चों एवं बुजूर्ग को अकेला देख उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करते हुए उनके गंतव्य स्थल तक सुरक्षित पहुँचाना सुनिश्चित करेंगे। थाना में आने वाले आम जनता के बैठने, पीने का पानी की समुचित व्यवस्था उनके साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने एवं उनके समस्याओं का समाधान करने का भी निर्देश दिया गया। बिट पुलिसिंग को लेकर सभी थाना प्रभारी को पुनः बिटवार पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों का बटवाँरा करते हुए उनकी जिम्मेवारी निर्धारित करने, नकली देशी एवं विदेशी शराब के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके उपरांत बैठक में लंबित काण्डों, अतिसंवेदनशील काण्डों (हत्या, पोक्सो, आगजनी, अपराधिक, महिला उत्पीड़न, साइबर धोखाधड़ी, एनडीपीएस, लूट, डकैती, गृहभेदन, चोरी इत्यादि) की समीक्षा की गई, संगठित अपराध गिरोह एवं संवेदनशील काण्डों में जेल से बाहर निकले अभियुक्तों के विरूद्ध निगरानी प्रस्ताव समर्पित करने एवं सत्यापन कर निगरानी रखने / चोरी, गृहभेदन एवं डकैती के काण्डों का उद्भेदन करने, प्रत्येक दिन थाना/ओपी प्रभारी के द्वारा थाना में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों के साथ मॉर्निंग मीटिंग कर टास्किंग करते हुए लंबित काण्डों में अद्यतन-काण्ड दैनिकी समर्पित करने तथा लंबित कार्रवाई को पूर्ण करते हुए त्वरित गति से काण्ड का अनुसंधान पूर्ण कर काण्ड को निष्पादित करने, NETGRID (1.Gandiva 2.Sudharshan) का प्रयोग करने, लंबित सम्मन, वारण्ट, कुर्की, पास्पोर्ट, चरित्र सत्यापन, पी०जी० पोर्टल, आयोग से संबंधित मामलों, लंबित मालखाना का त्वरित कार्रवाई करते हुए निष्पादित करने, महिला उत्पीड़न (पोक्सो एवं बलात्कार) के मामलों को 02 माह के अन्दर निष्पादन करने, सड़क सुरक्षा से संबंधित उपाय करने एवं जगरूकता अभियान चलाने, IRAD में सड़क दुर्घटना से संबंधित डाटा का एंट्री करने, दागियों, गिरोह के सदस्यों का सत्यापन करने, सीसीटीएनएस अन्तर्गत IIF-1 to 7 फॉर्म को अद्यतन करने, दुकानदारों से अनुरोध कर धारा-163 BNSS का उपयोग करते हुए दुकानों के सामने CCTV लगवाने, हिट एण्ड रन मामलों के पीड़ितो को ससमय मुआवजा दिलवाने, डायल 112 में प्राप्त होने वाले शिकायतों का स-समय निपटारा करने, गिरफ्तार आरोपियों के फिंगर प्रिंट को NAFIS पर अपडेट करने, पुराने मामलों में आरोपियों को स-समय अदालत में उपस्थित कराने, New Criminal law के तहत sakshya app का उपयोग, जुआ, अवैध शराब, गंजा के विरूद्ध सघन छापमारी कर कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। सभी थाना/ओपी प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशिल रहकर वाहन चेकिंग करने तथा आसूचना संकलन करते हुए चोरी, लूट, गृहभेदन एवं डकैती के काण्डों को अंजाम देने वाले गिरोह के संबंध में जानकारी एकत्रित करते हुए साक्ष्य के आधार पर गिरफ्तार करने साथ ही थाना/ओ०पी० क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों के संबंध में जानकारी एकत्रित कर निगरानी रखते हुए सुरक्षा मुहैया कराने, अद्यतन-सक्रिय अपराधकर्मियों के विरूद्ध सीसीए की कार्रवाई करने, काण्ड में राज्य से बाहर के अभियुक्तों का सत्यापन / गिरफ्तारी हेतु लंबित कार्रवाई को राज्य से बाहर जाने का आदेश प्राप्त कर करें, VIP गतिविधि के दौरान VIP के मानक के अनुसार पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने, महत्वपूर्ण काण्डों का प्रभार स्वयं थाना प्रभारी को ग्रहण करने हेतु निर्देशित किया गया है। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक (मु०), रामगढ़, सहायक पुलिस अधीक्षक-सह-अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, पतरातु, परिचारी प्रवर, परिचारी, पुलिस केन्द्र, रामगढ़, पु०नि०-सह-थाना प्रभारी, रामगढ़ /रजरप्पा, यातायात थाना प्रभारी, रामगढ़, सभी थाना/ओपी प्रभारी एवं सभी शाखा प्रभारी बैठक में उपस्थित रहें। पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के द्वारा विगत माह में प्रतिवेदित काण्डों की अपेक्षा 03 या 03 से अधिक काण्डों का निष्पादन करने वाले अनुसंधानकर्ता एवं भदानीनगर में महिला के साथ बलात्कार कर हत्या करने के आरोपी को 48 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया उक्त काण्ड के उदभेदन में शामिल पुलिस पदाधिकारी/कर्मियों को एक-एक सुसेवांक से पुरस्कृत किया गया।

हुसैनाबाद में लावारिश पड़ी सैकड़ों साइकिलें, विभागीय लापरवाही से वंचित छात्राएं

पलामू, संवाददाता

झारखंड सरकार की छात्रा साइकिल योजना हुसैनाबाद में लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। पुराने प्रखंड कार्यालय परिसर में सैकड़ों साइकिलें खुले मैदान में महीनों से पड़ी हुई हैं, जिन पर अब जंग लगने लगी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, साइकिलें कई महीने पहले पहुंच चुकी हैं और उनकी असेंबलिंग भी पूरी कर ली गई थी, फिर भी अब तक वितरण नहीं हुआ है। विभागीय अधिकारी हर बार सूची तैयार होने या तिथि तय किए जानेह्का बहाना देते रहे हैं। गरीब छात्राओं को सरकार की इस योजना से जो लाभ मिलना चाहिए था, वह अब तक नहीं मिल पाया है। बारिश और धूप में पड़ी साइकिलें खराब हो रही हैं, जिससे सरकारी संपत्ति और योजना–दोनों को नुकसान पहुंच रहा है। शिक्षा विभाग के अधिकारी का कहना है कि लाभुकों की सूची तैयार की जा रही है और जल्द वितरण किया जाएगा, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह आश्वासन महीनों से दोहराया जा रहा है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र जांच कर कार्रवाई की जाए, ताकि छात्राओं तक साइकिल योजना का लाभ समय पर पहुंच सके और सरकार की मंशा व्यर्थ न हो।

कुसुंडा साइडिंग में माफियागिरी व बेरोजगारी के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश

धनबाद, संवाददाता

गोधर दुर्गा मंदिर प्रांगण में सोमवार को ग्रामीणों द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में रणबीर प्रताप रवानी ने कहा कि कुसुंडा साइडिंग में व्याप्त माफियागिरी और बेरोजगारी के खिलाफ तीखा विरोध जताया। श्री रवानी ने आरोप लगाया कि वर्ष 2011 से संचालित साइडिंग से दो हजार परिवार धूल प्रदूषण की मार झेल रहे हैं, जबकि रोजगार के नाम पर मात्र 24 युवाओं को ही काम दिया गया है। कहा कि काम और ठेका कार्यों पर माफियाओं का कब्जा है तथा प्रशासन मौन है , जल छिड़काव व चिकित्सा सुविधा के अभाव में लोग बीमार पड़ रहे हैं। श्री रवानी ने चेतावनी दी कि यदि स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता नहीं दी गई तो आंदोलन तेज किया जाएगा और कोई भी अनहोनी के लिए प्रबंधन जिम्मेवार होंगे। उन्होंने ने कहा कि वार्ड संख्या 13 के कम से कम 100 बेरोजगार युवकों को रोजगार मिलना चाहिए।

उन्होंने नारा लगाया — सरकारी संपति से वैर नहीं, माफिया तेरी खैर नहीं।

प्रेस वार्ता में रणवीर प्रताप रवानी, पवन सिंह, मिथिलेश चौहान, कार्तिक पाण्डेय, आलोक रवानी, उमा शंकर दुबे, विशाल खानी सहित कई ग्रामीण लोग उपस्थित थे।

भाजपा एफ सी आई प्रबंधन के द्वारा आवास खाली करने और पुनः पी पी कोर्ट की कार्रवाई शुरू करने का आदेश का विरोध करती है

धनबाद, संवाददाता

सोमवार को भारतीय जनता पार्टी सिंदरी नगर की एक अतिआवश्यक बैठक रोडाबांध कार्यालय में सम्पन्न हुई जिसकी अध्यक्षता नगर अध्यक्ष अरविंद पाठक ने की। बैठक को संबोधित करते हुए अरविंद पाठक ने कहा कि सिंदरी नगर भाजपा एफ सी आई प्रबंधन के द्वारा आवास खाली करने और पुनः पी पी कोर्ट की कार्रवाई शुरू करने का आदेश का विरोध करती है और इसे यथाशीघ्र बंद करने का आग्रह करती है। अरविंद पाठक ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस 2025 के अवसर पर एफ सी आई के ओ एस डी शेखावत ने पुनः एक बार आवासीय योजना लाने की बात कही थी लेकिन उस योजना के आने से पहले हीं एफ सी आई के द्वारा नोटिस बांटना न्यायसंगत नहीं है। इस कार्य से यहां के लोगों में एफ सी आई के प्रति अविश्वास उत्पन्न हुआ है। एफसीआई सिंदरी 31 दिसंबर 2002 को बंद हो गई थी उस समय सिंदरी में रह रहे खाली करने के लिए कोशिश लिया गया था। प्रोफेसर रीता वर्मा पूर्व केंद्रीय मंत्री सह सांसद के द्वारा सिंदरी वासियों को पूर्ण रूप से सहयोग की थी जिसे आज सिंदरी वासियों रह रहे हैं। वर्तमान सांसद ढुल्लू महतो के द्वारा भरोसा आश्वासन दिया जा रहा है की सिंदरी वासियों कभी घबराए नहीं खाली नहीं होने देंगे। आज एफसीआई प्रबंधक के द्वारा अवैध रूप से रह रहे सिंदरी वासियों को नोटिस देना शुरू कर दिया गया है जिससे सिंदरी वासियों में हड़काम मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि लगभग 1615 व्यक्तियों को नोटिस एफसीआई प्रबंधक के द्वारा जारी किया गया है जिसे जल्द से जल्द खाली करने के लिए बतलाया जा रहा है। आज झारखंड राज 15 नवंबर 2025 को रजत जयंती मनाने जा रहा है दूसरी ओर सिंदरी वासियों को नोटिस दिया जा रहा जल्द से जल्द आवास खाली करें। आज एफसीआई लिमिटेड सिंदरी लगभग 75 वर्ष पूरा होने के बाद भी सिंदरी वासियों में डर बना हुआ रहता है। प्रबंधक के द्वारा अलग-अलग तरीके से पेश आ रहे हैं। बैठक में यह निर्णय लिया गया की धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो से वार्ता कर आगे की कार्रवाई रूपरेखा तय की जाएगी। बैठक में मुख्यरूप से भाजपा नेता पूर्व पार्षद दिनेश सिंह, राकेश तिवारी, ब्रजेश सिंह, इंद्रमोहन सिंह, राघव तिवारी, गणपति बाउरी, संजय महतो, अणिमा सिंह, नकुल सिंह, इंदरजीत सिंह, सत्येंद्र सिंह, प्रफुल्ल कुमार, अमित सिंह, चुन्नू सिन्हा, माधव सिंह इत्यादि उपस्थित थे।

बीसीसीएल के CSR मद अंतर्गत 'स्वस्थ जिंदगी - मेगा आरोग्य शिविर' का सफल आयोजन

धनबाद, संवाददाता

बीसीसीएल के CSR मद अंतर्गत आर. के. एच.आई.वी. एड्स रिसर्च एंड केयर सेंटर द्वारा दो दिवसीय 'स्वस्थ जिंदगी - मेगा आरोग्य शिविर' का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर 6 नवम्बर को नेहरू नगर, कोयला नगर तथा 7 नवम्बर को एरिया ऑफिसर्स क्लब, बस्ताकोला, धनबाद में संपन्न हुआ। दुनिया की पहली संस्था के रूप में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज इस केंद्र ने अब तक 36,000 से अधिक मेडिकल कैम्प आयोजित किए हैं। इस दो दिवसीय शिविर में लगभग 5000 लोगों की जांच की गई, जिसमें एक्स-रे, टीबी, एचआईवी, शुगर, हीमोग्लोबिन तथा बीएमडी टेस्ट शामिल थे। टीबी जांच में 16 मरीज संक्रमित पाए गए, जिन्हें सरकारी अस्पताल में रेफर किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रोजेक्ट हेड योगिता बोरकर ने किया। 6 नवम्बर के शिविर में सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल सहित शीर्ष अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि 7 नवम्बर को सीएसआर समिति के चेयरमैन डॉ. अरुण कुमार उरांव और अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। संस्था ने शिविर के बाद पॉजिटिव मरीजों की आगे की चिकित्सा और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की घोषणा की।

हार्वे हाई स्कूल में पूर्ववर्ती छात्र मिलन समारोह संपन्न, विधायक बोले—जल्द मिलेगा टेन प्लस टू का दर्जा

पलामू, संवाददाता

हुसैनाबाद के ऐतिहासिक हार्वे हाई स्कूल परिसर में तीन दिवसीय पूर्ववर्ती छात्र मिलन समारोह सोमवार को संपन्न हुआ। यह स्कूल वर्ष 1935 में ब्रिटिश शासनकाल में सी.डब्ल्यू. हार्वे द्वारा स्थापित किया गया था। कार्यक्रम में 1964 से 2020 तक के पूर्व छात्र-छात्राएं शामिल हुए। उन्होंने अपने पुराने दोस्तों से मिलकर स्कूल की यादें ताजा कीं और भावुक पलों को साझा किया। उद्घाटन समाजसेवी सीताराम सिंह, सेवानिवृत्त एसडीएम सादिक अंसारी, शिक्षक राजेंद्र सिंह और व्यवसायी अभिमन्यु अग्रवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर कई पूर्ववर्ती छात्रों ने गायन व नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को जीवंत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुप्तेश्वर राम, संचालन बिनोद कुमार सिन्हा और मीना सिंह ने किया। मुख्य अतिथि एवं विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने कहा कि वह इस समारोह में अतिथि के रूप में नहीं, बल्कि एक पूर्व छात्र के रूप में शामिल हुए हैं। उन्होंने घोषणा की कि हार्वे हाई स्कूल को शीघ्र ही टेन प्लस टू का दर्जा प्रदान किया जाएगा। समारोह के अंत में सभी पूर्व छात्रों को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बिनोद कुमार सिन्हा, राजेश गुप्ता, सैयद नौशाद, आशीष कुमार दास, हरिनंदन गिरी समेत कई पूर्व छात्रों की अहम भूमिका रही।

झरखंड आंदोलनकारी समनवय समिति ने उपायुक्त रामगढ़ से मुलाकात किया

रामगढ़, संवाददाता

रजरप्पा। झारखंड आंदोलनकारी समन्वय समिति द्वारा रामगढ़ जिला उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज से शिष्टाचार मुलाकात कर झारखंड आंदोलनकारी समन्वय समिति रामगढ़ जिला अध्यक्ष सुनील राज चक्रवर्ती के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल उनसे मिलकर उन्हें ज्ञापन सोपा गया जिसमें उपायुक्त से आगामी दिनांक 15 नवंबर राज्य स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर झारखंड आंदोलनकारी को सम्मान प्रस्तुति पत्र प्रदान करने की आग्रह किया गया साथ ही गोला डीवीसी चौक का नाम झारखंड के महान आंदोलनकारी दिशुम गुरु शिबु सोरेन चौक नामकरण करने का मांग किया गया। मिलने वालों प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से भोलाराम मांझी आदित्य महतो देवकी प्रसाद अमूल्य उपाध्याय कुंजीलाल रविदास भोलाराम रविदास राजाराम महतो लक्ष्मण महतो सागो देवी नूनी बाला देवी सुशीला देवी सुमित्रा देवी सीता देवी जगमोहन रविदास।

सामुदायिक पुलिसिंग, जन-जागरूकता कार्यक्रम से गोमिया के सुदूर गावों में ला रही है विकास की रंग

बोकारो, संवाददाता

अनुमंडल के गोमिया प्रखंड क्षेत्र के नक्सल प्रभावित गांवों में नक्सलियों की छाया हटी तो विकास के किरणें में रफ्तार आने लगी है, दो दशक के पहले महुआटांड, बड़कीपुनू, सिधाबारा, नरकंडी, लोधी, करीं सहित दर्जन भर ऐसे गांव है ,जहाँ पर दिन की उजवाले में राहियों को अमावस्या की रात ही लगता था । वही आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़ा का गंभीर समस्या रहती थी। अब इन कारणों से बादल की छाया छटती गयी और बिकास की किरण दौड़ता गया ,अब स्थिति पहले की अपेक्षा काफी हदतक सुधार हो गयी है । अब भी पहाड़ी क्षेत्रों में नक्सल गतिविधि होने के कारण विकास की गति काफी धीमी हैं। अधिकांश परिवार कृषि या दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर हैं। आर्थिक कमजोरी का सीधा प्रभाव शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और सामाजिक प्रगति पर दिखाई देता है। गोमिया और चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के लोग मेहनती, सरल और सहयोगी स्वभाव के हैं। प्रशासन व पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कि इन सुरक्षा, शांति और विकास के रास्ते को आगे बढ़ाने में और नक्सल गतिविधि के समाप्ति समय समय पर सामुदायिक पुलिसिंग, जन-जागरूकता कार्यक्रम, शिक्षा व नशा उन्मूलन से जुड़े अभियानों के माध्यम से रंग आयी है । शांति और स्थिरता ने गोमिया को नई दिशा दी है, जिससे सामाजिक-आर्थिक प्रगति की राह और मजबूत हुई है। इस संबंध में गोमिया थाना प्रभारी रवि कुमार का पुलिसिंग एवम् जागरूकता कार्यक्रम छात्रा-छात्राऐ के बीच खेल समाग्री ,चॉकलेट सहित आदि का वितरण करना सराहनीय उपकार के उधारण है।

मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में बोकारो को मिला प्रथम पुरस्कार

बोकारो, संवाददाता

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बोकारो जिले को पूरे झारखंड में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि एनसीडी कोषांग, बोकारो द्वारा सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद के निर्देशन में किए गए सराहनीय कार्यों का परिणाम है। यह पुरस्कार सोमवार को बोकारो सदर अस्पताल के मनोरोग चिकित्सक डॉ. प्रशांत कुमार मिश्रा ने एनएचएम झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा से प्राप्त किया। डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि डॉ. प्रशांत कुमार मिश्रा और एनसीडी टीम के अथक प्रयासों से बोकारो जिले ने पिछले पाँच वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में राज्यभर में शीर्ष स्थान बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि आत्महत्या निवारण सप्ताह में भी बोकारो ने सबसे बेहतर कार्य किया, जो टीम की कार्यनिष्ठा और समर्पण को दशार्ता है।

जल संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में बीएसएल की ऐतिहासिक पहल

बोकारो, संवाददाता

बोकारो इस्पात संयंत्र अब जल संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करने जा रहा है। संयंत्र परिसर में 30 मिलियन गैलन प्रति दिन (एमजीडी) क्षमता वाले अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की स्थापना की जा रही है। यह परियोजना सर्कुलर वाटर इकोनॉमी को साकार करने और जीरो लिक्विड डिस्चार्ज के लक्ष्य की दिशा में बीएसएल की ऐतिहासिक पहल है। वर्तमान में बीएसएल अपने औद्योगिक और घरेलू उपयोग हेतु करीब 39 एमजीडी पेयजल की आपूर्ति करता है। संयंत्र एवं टाउनशिप से उत्पन्न लगभग 30 एमजीडी सीवेज जल के वैज्ञानिक शोधन और पुनः उपयोग की आवश्यकता को देखते हुए यह परियोजना शुरू की गई है। यह एसटीपी सीक्वेंशियल बैच रिएक्टर तकनीक पर आधारित होगा, जो प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों के अनुरूप है। शुद्ध किया गया जल दामोदर नदी से लिए जाने वाले रॉ जल से बेहतर गुणवत्ता का होगा, जिसे इस्पात निर्माण प्रक्रिया में पुनः प्रयुक्त किया जाएगा। परियोजना को हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल के तहत लागू किया जाएगा, जिससे संचालन और रखरखाव अनुभवी एजेंसियों के माध्यम से सुनिश्चित होगा। परियोजना पूर्ण होने पर बीएसएल में जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरणीय अनुपालन के स्तर में उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे दामोदर नदी से जल पर निर्भरता घटेगी और लगभग ?50 करोड़ रुपये प्रति वर्ष की बचत होगी। साथ ही, म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सुविधा भी शीघ्र ही स्थापित की जाएगी। इन पहलों के साथ बोकारो टाउनशिप झारखंड का पहला ऐसा नगर बन जाएगा, जहाँ इतनी बड़ी क्षमता की आधुनिक पर्यावरणीय सुविधाएँ एक साथ उपलब्ध होंगी। यह प्रयास बीएसएल को एक ईको-एफिशिएंट, जिम्मेदार और भविष्य उन्मुख संगठन के रूप में नई पहचान दिलाएगा।

रघुनाथ महतो चौक नाम से जाना जाएगा पिड़गुल चौक : ग्रामीण

बोकारो, संवाददाता

कसमार प्रखंड के पिड़गुल चौक का नाम अब शहीद रघुनाथ महतो चौक रखा गया है। रविवार को स्थानीय ग्रामीणों ने चौक पर साइन बोर्ड लगाकर इस ऐतिहासिक नामकरण की शुरूआत की। ग्रामीणों ने कहा कि शहीद रघुनाथ महतो ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ चुआड़ आंदोलन का नेतृत्व कर वीरता और स्वाभिमान का अद्भुत उदाहरण पेश किया था। उनका नाम नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। रघुनाथ महतो का जन्म 21 मार्च 1738 को सरायकेला-खरसावां जिले के घुटियाडीह गांव में हुआ था। उन्होंने 1769 में ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ चुआड़ विद्रोह का नेतृत्व किया और अपना गांव, अपना राज; दूर भगाओ विदेशी राज का नारा दिया। यह विद्रोह 1767 से 1783 तक अंग्रेजों और जमींदारों के शोषण के खिलाफ चला। 5 अप्रैल 1778 को अंग्रेजों से लड़ते हुए रघुनाथ महतो शहीद हो गए। उनकी स्मृति में चौक का नामकरण क्षेत्रवासियों के लिए गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है।

योगी बोले: जिन्ना पैदा न होने पाए, दफन कर देना

बांटने वालों को पहचानें, यूपी के स्कूलों में रोज वंदे मातरम गाना अनिवार्य होगा

लखनऊ। सीएम योगी ने सोमवार को गोरखपुर में एकता यात्रा निकाली। वह 2 किमी पैदल चले। योगी ने कहा- हमें याद रखना होगा कि भारत के अंदर कोई नया जिन्ना पैदा न होने पाए। अगर जिन्ना पैदा होने का साहस करता है तो उसे दफन करके रख देना। सीएम ने वंदे मातरम को लेकर बड़ा ऐलान भी किया। कहा- अब प्रदेश के सभी स्कूलों में वंदे मातरम का नियमित और अनिवार्य गायन किया जाएगा। एकता पदयात्रा भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर निकाली जा रही है। 25 नवंबर तक प्रदेशभर में आयोजन होंगे। हर विधानसभा में 10 किमी की यात्रा निकाली जाएगी। योगी ने कहा- जब वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर कार्यक्रम शुरू हुए, तो सिर फूटना शुरू हो गए। सपा के एक सांसद ने इसका विरोध किया। ये वही लोग हैं, जो सरदार पटेल की जयंती कार्यक्रम में शामिल नहीं होते, लेकिन जिन्ना को सम्मान देने के कार्यक्रम में शर्मनाक तरीके से शामिल होते हैं। ये उग्रवाद, आतंकवाद, नक्सलवाद लगातार देश की एकता और अखंडता को चुनौती दे रहा है। जो भी क्रांतिकारियों का अपमान करते हैं, वे अलगाववादी ताकतों को बढ़ाने का दुस्साहस करते हैं। जाति, क्षेत्र के नाम पर समाज को बांट रहे हैं, उन्हें पहचानें। ये नए जिन्ना को पैदा करने की साजिश का हिस्सा है। इसके खिलाफ भारत के हर नागरिक को खड़ा होना होगा। कोई भी व्यक्ति या संस्था राष्ट्र से ऊपर नहीं हो सकता। योगी ने कहा- वंदे मातरम विदेशी दासता से मुक्त होने का मंत्र बना। ऐसे गीत को भी सांप्रदायिक कहकर कांग्रेस ने संशोधन करना चाहा। उनकी यह तुष्टिकरण की नीति 1947 में देश के विभाजन का कारण बनी। कुछ लोगों के लिए व्यक्तिगत आस्था देश से बड़ी हो जाती है। मोहम्मद अली जौहर ने 1923 कांग्रेस के अधिवेशन में जब वंदे मातरम गाया तो मोहम्मद अली जिन्ना अध्यक्षता की कुर्सी छोड़कर चले गए। सीएम ने महात्मा गांधी और रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पदयात्रा शुरू की। पूरी यात्रा में देशभक्ति नारे गूंजे। योगी पर लोगों ने पुष्पवर्षा की। गोलघर काली मंदिर तक 2 किमी योगी पैदल आए। वहां सरदार पटेल की प्रतिमा पर माला चढ़ा कर श्रद्धांजलि दी। वहां से उठ यात्रा से निकल गए और एकता यात्रा आगे बढ़ गई। 10 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद यह यात्रा गीता वाटिका के पास विशंभर पाठक पार्क में खत्म हुई। 7 नवंबर 1875 को बंकिम चन्द्र चटर्जी ने वंदे मातरम् को पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में प्रकाशित किया। 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने मंच पर वंदे मातरम गाया। यह पहला मौका था जब यह गीत सार्वजनिक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर गाया गया। सभा में मौजूद हजारों लोगों की आंखें नम थीं।

1905 में बंगाल विभाजन के विरोध में वंदे मातरम जनता की आवाज बन गया। रंगपुर के एक स्कूल में जब बच्चों ने यह गीत गाया, तो ब्रिटिश प्रशासन ने 200 छात्रों पर 5-5 रुपए का जुर्माना लगाया। सिर्फ इसलिए कि उन्होंने वंदे मातरम कहा था। ब्रिटिश सरकार ने कई स्कूलों में वंदे मातरम गाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। उस समय छात्रों ने कक्षाएं छोड़ दीं, जुलूस निकाले और यह गीत गाना नहीं छोड़ा। कई जगह पुलिस ने उन्हें मारा, जेल में डाला गया। 17 अगस्त 1909 को जब मदनलाल ढींगरा को इंग्लैंड में फांसी दी गई। उनके आखिरी शब्द वंदे मातरम थे। देश को आजादी मिलने के बाद संविधान सभा को राष्ट्रगीत तय करना था। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि वंदे मातरम् गीत ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। इसे राष्ट्रगीत जन गण मन के बराबर सम्मान और दर्जा दिया जाएगा। इसके साथ ही वंदे मातरम को भारत का राष्ट्रीय गीत घोषित किया गया। योगी ने कहा- ये उग्रवाद, आतंकवाद, नक्सलवाद लगातार भारत की एकता और अखंडता को चुनौती दे रहा है। जो भी क्रांतिकारियों का अपमान करते हैं, वे अलगाववादी ताकतों को बढ़ाने का दुस्साहस करते हैं। आज हमारा दायित्व बनता है जो हमें जाति, क्षेत्र के नाम पर समाज को बांट रहे हैं, उन्हें पहचानें। ये नए जिन्ना को पैदा करने की साजिश का हिस्सा है। हमें याद रखना होगा कि भारत के अंदर कोई नया जिन्ना पैदा न होने पाए। जिन्ना अगर पैदा होने का साहस करता है तो उसे दफन करके रख देना होगा। भारत के हर नागरिक को खड़ा होना होगा। स्कूल-कॉलेजों में सरदार पटेल के मुद्दों पर चर्चा-परिचर्चा करनी चाहिए। हर स्कूल में वंदे मातरम का गायन अनिवार्य हो।

म्यांमार के संघ नायक और राजदूत ने किया भिक्षु ज्ञानेश्वर स्मृति द्वार का लोकार्पण

संवाददाता

कुशीनगर। बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर में आज म्यांमार के मुख्य अतिथि रंगून के अलोडाप्पिय धम्मचारिय विश्वविद्यालय डॉ० न्यानिसारा सितागु सियाडो और भारत में म्यांमार के राजदूत उ जा ऊ के द्वारा भिक्षु ज्ञानेश्वर स्मृति द्वार का लोकार्पण किया गया। ज्ञातव्य है कि भंते ज्ञानेश्वर ने महाविद्यालय में इस द्वार को बड़े मनोयोग से बनवाया था और आज अपने जन्मदिन के अवसर पर इसके लोकार्पण की बात पहले से ही तय कर दी थी। इस अवसर पर अपने संबोधन में भंते न्यानिसारा सितागु ने कहा कि भगवान बुद्ध ने शिक्षा के मार्ग को विश्व के कल्याण का सबसे सहज मार्ग माना है। इसलिए शिक्षा संस्थाओं की शैक्षिक समृद्धि से संसार के कल्याण का मार्ग खुलता है। भारत में म्यांमार के राजदूत उ जा ऊ ने कहा कि भदंत ज्ञानेश्वर जी का शिक्षा के प्रति बहुत लगाव था। उन्होंने इसके लिए सदैव सेवा भाव रखा। महाविद्यालय में अच्छे शैक्षणिक माहौल ही उनके लिए पवित्र श्रद्धांजलि होगी। अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय प्रबंध समिति के सचिव सरदार वीरेंद्र सिंह अहलूवालिया ने महाविद्यालय से गुरु जी के जुड़ाव की चर्चा की। धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर विनोद मोहन मिश्र ने दिया। इस दौरान पूर्व विधायक रजनी कांत मणि त्रिपाठी, भंते नंदरतन थेरो, भंते महेंद्र, पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर अमृतांशु शुक्ल , प्रो वीरेंद्र कुमार, प्रो राजेश कुमार सिंह, प्रो गौरव तिवारी, प्रो सत्येंद्र गौतम, डॉ निगम मौर्य, शिक्षक संघ अध्यक्ष, डॉ० सौरभ द्विवेदी, डॉ० बीना कुमारी, डॉ० त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, डॉ० पारसनाथ, डॉ० कृष्ण कुमार जायसवाल, डॉ० राजीव राय सहित शिक्षक, कर्मचारी और छात्र उपस्थित थे।

छात्र की मौत के मामले में करवाई की मांग को लेकर एसडीएम को दिया ज्ञापन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) कुशीनगर से जुड़े छात्र नेताओं ने महा महिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी कसया को सौंपकर 9 नवंबर को बुढ़ाना, मुजफ्फरनगर के डीएवी पीजी कॉलेज के छात्र की मौत के मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की। सोमवार को उपजिलाधिकारी कसया डॉ संतराज सिंह बघेल को संगठन के अध्यक्ष आसिफ सिद्दकी के नेतृत्व में सौंपे पत्र में छात्र नेताओं ने बताया कि 8 नवंबर, 2025 को बुढ़ाना, मुजफ्फरनगर के डीएवी पीजी कॉलेज के छात्र ने कॉलेज प्रिंसिपल और पुलिस कर्मचारियों के द्वारा प्रताड़ित और अपमानित होने के बाद कॉलेज परिसर में आत्मदाह कर लिया और उपचार के दौरान 9 नवंबर की शाम को दम तोड़ दिया।

छात्र ने सोशल मीडिया पर अपने आखिरी पत्र और आखिरी वीडियो में यह साफ बताया है कि फीस न जमा कर पाने के कारण कॉलेज प्रशासन ने उसे परीक्षा में बैठने से प्रतिबंधित कर दिया था जिसके खिलाफ वह संवैधानिक तौर पर अपना विरोध दर्ज करवाने और अपने लिए इंसाफ मांगने के लिए कॉलेज प्रिंसिपल को ज्ञापन देने गया जहां प्रिंसिपल ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया। मृतक छात्र ने कॉलेज प्रिंसिपल प्रदीप कुमार और पुलिस को ठहराया है।

छात्र नेताओं ने मांग किया कि घटना के जिम्मेदारों की गिरफ्तारी कर कड़ी करवाई की जाए। इस दौरान नीरज, तेजेंद्र, नेहा सिंह, गोल्डी, मद्धेशिया, खुशी आदि विद्यार्थी मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया गया भाजपा नेता व समाजसेवी दयाशंकर पांडेय का जन्मदिन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। कसया नगर स्थित पांडेय भवन पर परमेश्वर महाविद्यालय एवं फील्ड मार्शल जनरल मानेकशॉ इंटरमीडिएट कॉलेज नौतन हथियागढ़, देवरिया के प्रबंधक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता दयाशंकर पांडेय का 80 वां जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। केक काटकर उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की गई। मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि दयाशंकर पांडेय जी ने शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में जो कार्य किए हैं। वे समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से नई पीढ़ी को सदैव दिशा मिलती रहेगी। नगर कुशीनगर के अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल ने कहा कि दयाशंकर पांडेय ने शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने का जो प्रयास किया है, वह अनुकरणीय है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी ने कहा कि दयाशंकर पांडेय जी हमेशा समाज के बीच समन्वय का सेतु बने रहे हैं। उनके कार्यों से हम सबको सीखने की प्रेरणा मिलती है।

श्री पांडेय के छोटे भाई कृपाशंकर पांडेय ने कहा कि दयाशंकर भैया हमेशा से परिवार और समाज दोनों के लिए प्रेरणा रहे हैं। उनके सुपुत्र पूर्व ब्लाक प्रमुख अशोक कुमार पाण्डेय ने कहा कि उन्होंने सदैव सेवा, शिक्षा और संस्कार को सर्वोपरि रखा। पूर्व प्रधानाचार्य हरिशंकर उपाध्याय और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित संगठन के जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र उर्फ इंदू उपाध्याय ने श्री पांडेय को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार विनयकांत उर्फ मुन्ना मिश्र, शुकदेव प्रसाद त्रिपाठी महाविद्यालय भठही खुर्द के प्रबंधक ब्रजेश त्रिपाठी, आद्या पांडेय, एडवोकेट मनोज पाण्डेय, सुस्मिता त्रिपाठी, अमित पांडेय, समाजसेवी पुष्कर दुबे, प्रेमप्रकाश दुबे, पूर्व ग्राम प्रधान दीपक पांडेय, कवि दिनेश तिवारी भोजपुरिया समेत परिजन मुकेश पांडेय, सुनील पांडेय, राजीव पांडेय, संजय पांडेय, राजेश पांडेय, राजन पांडेय उपस्थित रहे।

आपस में टकराई तीन गाड़ियां, बाल-बाल बचे सपा के पूर्व विधायक संतोष पांडेय

सुल्तानपुर। वाराणसी-सुल्तानपुर हाइवे पर कामतागंज बाजार के पास रविवार देर रात एक पैदल सड़क पार कर रहे युवक को बचाने के प्रयास में तीन गाड़ियां आपस में टकरा गई, जिसमें लंभुआ के पूर्व सपा विधायक संतोष पांडेय बाल-बाल बच गए। सड़क पार कर रहा फोहीपुर निवासी राम तीरथ व अन्य गाड़ियों में मौजूद लोग भी पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस दुर्घटना में गाड़ी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। गाड़ी में संतोष पांडेय मौजूद थे, हालांकि उन्हें चोटें नहीं आई हैं। दुर्घटना के बाद पूर्व विधायक संतोष पांडेय को लोगों ने दूसरे वाहन पर बैठाकर लखनऊ रवाना किया। घटना में किसी के हताहत न होने से इसकी सूचना स्थानीय थाने पर भी नहीं दी गयी है जिससे पुलिस को जानकारी नहीं हो सकी है।

शरद कालीन गन्ना गोष्ठी: वैज्ञानिक ढंग से खेती से खुशहाली आएगी: अधिशासी अध्यक्ष

संवाददाता

कुशीनगर। गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाकर, खुशहाली लाने, गन्ना किसानों के विकास करने के उद्देश्य से ढाढा चीनी मिल द्वारा गन्ने की वैज्ञानिक खेती के नवीनतम तकनीकी जानकारी देने, चीनी मिल की गन्ना विकास योजनाओं को प्रशिक्षण के माध्यम से जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिशासी अध्यक्ष आरके गुप्ता के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है । फाजिलनगर विकासखंड के ग्राम बड़हरा शिव मंदिर परिसर में शरद कालीन गन्ना गोष्ठी व किसान मेला का आयोजन हुआ। गन्ना प्रशिक्षण संस्थान पिपराइच, गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक गन्ना विशेषज्ञ ओमप्रकाश गुप्ता ने बताया कि अधिक क्षेत्रफल में शरदकालीन गन्ने की बुवाई वैज्ञानिक ढंग से 4 फीट की दूरी पर करें। उपज 350 से 400 कुंतल प्रति एकड़ प्राप्त करें अधिक उपज देने वाली प्रमुख प्रजातियां को. 118, कोस.13235, को लख 14201,को.15023 तथा पानी वाले खेतों के लिए कोप 9301 की बुवाई करें। भूमि उपचार के लिए ट्राइकोडर्मा,बीज गन्ना उपचार के लिए हेक्जास्टाफ का प्रयोग करें। दोहरा लाभ लेने के लिए गन्ने के

साथ छोरिया/ सरसों , आलू ,लहसुन ,गेहूं, धनिया, गोभी ,टमाटर, मूली, पालक आदि की सहफसली खेती करें, आय बढ़ेगी, लागत घटेगी । मिल के उपाध्यक्ष अधिशासी उपाध्यक्ष गन्ना रविंद्र सिंह ने बताया कि ढाढा चीनी मिल की पेराई क्षमता के अनुसार 144 लाख कुंतल गन्ना चाहिए। गन्ना विकास के लिए ढाढा चीनी मिल 50% अनुदान पर तोरिया का बीज, जैविक पोटाश, कीटनाशक दे रहे हैं । छोटे ट्रैक्टर पर एक लाख का अनुदान दे रही है। उप महाप्रबंधक संजय सिंह, उप गन्ना प्रबंधक राजेश मौर्य, गन्ना विकास अधिकारी अमरजीत वर्मा ने गन्ना प्रजातियों दिखाते हुए समझाया । प्रमुख किसान सुग्रीव सिंह, रमाशंकर कुशवाहा, सुरेंद्र राय, श्रीकृष्ण प्रसाद, राम जी आदि ने कहा गन्ना क्रय केंद्र से समय से गन्ना का उठान नहीं होता है इस पर ध्यान दिया जाए। गोष्ठियों में कन्हैया, प्रमोद सिंह, व्यास राय, शत्रुघ्न राय, सीताराम सिंह, रविंद्र यादव, सुग्रीव सिंह, चन्द्रकेत शाही, विश्राम, परशुराम, अनिल सिंह, केशव सिंह आदि बड़ी संख्या में किसान व स्टाफ शैलेन्द्र विक्रम सिंह, दीपाकर यादव, अरविन्द कुशवाहा, फूल सिंह, राहुल कुमार, विष्णुकान्त मिश्रा उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

जिला मजिस्ट्रेट की अदालत ने तीन बदमाशों को दिखाया जिले से बाहर का रास्ता

संवाददाता

हमीरपुर। जिला मजिस्ट्रेट घनश्याम मीणा की अदालत ने मौदहा, बिवांर क्षेत्र के गुण्डे अपराधियों को 6 महीने के लिये जिले से बाहर का दिखाया रास्ता। जिला मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में कहा है कि इस दौरान अपराधी अपने साथ किसी तरह का शस्त्र व अग्नेयास्त्र लेकर नहीं चलेंगे, साथ ही 6 माह के दौरान क्षेत्र की सीमा में प्रवेश नहीं करेंगे। साथ ही जिस जगह पर निवास करेंगे उसकी सूचना सम्बन्धित अदालत के साथ ही लोकल पुलिस को भी देंगे। जिलाबदर किये गये अपराधियों में खासतौर से मौदहा के परछा निवासी 45 वर्षीय आफताफ पुत्र कमरुद्दीन, जबकि 48 वर्षीय मौदहा के मराचव निवासी सीताराम पुत्र सूरजबली, वही बिवांर के छानी निवासी 35 वर्षीय शेखर सिंह पुत्र छोटा को 6 महीने के लिये जिले से बाहर का रास्ता दिखाया गया है।

भंते ज्ञानेश्वर को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने दी श्रद्धांजलि अर्पित की

संवाददाता

कुशीनगर। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सोमवार को कुशीनगर पहुंचकर भंते ज्ञानेश्वर को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने परमपूज्य भंते ज्ञानेश्वर महा स्थविर के परिनिर्वाण के ग्यारहवें दिन उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। श्री राय ने भंते ज्ञानेश्वर के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें एक महान बौद्ध संत बताया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह देश हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और बौद्ध सहित सभी धर्मों के मानने वालों का है। भंते बौद्ध धर्म के साथ-साथ सभी धर्मों का सम्मान करते थे। इस दौरान श्री राय ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कुशीनगर एयरपोर्ट के मुद्दे पर भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कुशीनगर एक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट है, जिसके बारे में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं कहा था कि 'हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति अब हवाई जहाज पर चलेगा'। हालांकि, यह एयरपोर्ट आज तक चालू नहीं हो सका है। उन्होंने सरकार पर जुमलेबाजी और जनता को ठगने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह सरकार हर मुद्दे पर पूरी तरह विफल है। श्री राय ने घोषणा की कि कांग्रेस पार्टी एयरपोर्ट चालू कराने के लिए आंदोलन करेगी। बिहार चुनाव पर टिप्पणी करते हुए अजय राय ने कहा कि आपसी कलह के कारण एनडीए खत्म हो रहा है। उन्होंने ओपी राजभर के जमीन पर काम करने के अनुभव का जिक्र किया और कहा कि कई दलों को एनडीए से बाहर रखा गया, जिसका फायदा महागठबंधन को मिल रहा है। उन्होंने दावा किया कि बिहार से एनडीए के खात्मे की शुरुआत हो चुकी है और अब पूरे देश से एनडीए खत्म हो जाएगा।

यूपी : 'अब भाजपा वाले सोना इकट्ठा कर रहे, पहले नोटबंदी से पैसा जुटाया'...

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा, किसानों को वोट लेने के लिए गुमराह किया। उनको झूठा आश्वासन दिया। उनसे गया कि आपकी आय दोगुनी हो जाएगी। लेकिन, कुछ नहीं हुआ। आज महंगाई चरम पर है। डीजल, पेट्रोल और बिजली का बिल कहां पहुंच गया। आजकल घर बनाना महंगा, सारा सामान महंगा। रुपया तो इन्होंने नोटबंदी से एकत्रित कर लिया है।अब ये इनकी नजर सोने पर है। मुझे लगता है भाजपा सोना एकत्रित कर रही है। तभी तो महंगा हो रहा है। आखिर कहां जा रहा है सोना फिर? आज गरीब आदमी सोने की छोटी की चीज भी बेटी को शादी में नहीं दे पा रहा है। क्योंकि इतना महंगा जो हो गया है। अखिलेश यादव ने कहा, बिहार जा रही 35 हजार लीटर शराब पकड़ी है। कफ सिरप की गड़बड़ी में भाजपा के लोग शामिल हैं। 2022 के चुनाव में होने डाटा और आटा फ्री में देने का वादा किया था। हर युवा को मुफ्त मोबाइल देने का वादा किया था। लेकिन, जनता ने स्वीकार नहीं किया। अच्छी बात है कि मुख्यमंत्री जापान और सिंगापुर जा रहे हैं।वहां से क्योटो जाएं। वे इमोशन पर सरकार चला रहे हैं। हम लोगों का सपना है की राष्ट्रीय पार्टी बने। इसके लिए 2029 तक इंतजार करना होगा। अस्पताल खोल दिए इलाज की सुविधा नहीं। कैंसर का इलाज नहीं है। ये प्राइवेट अस्पताल का उद्घाटन करके खुश होते है। एसआइआर में आधार न मानने पर कोर्ट जाएंगे। पीडीए का एक वोट न कट जाए। बेईमानी न हो इसके लिए संघर्ष किया जाएगा। बिहार में जंगल राज है। आजम ने कहा तो क्या गलत है। अधिकारी मिलकर जमीनों पर कब्जा करा रहे हैं। सरकार का सूचना तंत्र काफी कमजोर है। इसीलिए तो घुसपैठिये आ रहे हैं।

हाईवे पार कर रही छात्रा को स्कार्पियों ने कुचला

मुरादाबाद। पाकबड़ा में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर टीएमयू के सामने रविवार की दोपहर सड़क पार करते समय जीएनएम तृतीय वर्ष की छात्रा भावना (20) को स्कार्पियो ने कुचल दिया। छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भाग निकला। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस स्कार्पियो चालक की तलाश कर रही है। रामपुर जिले के पीपली नायक टांडा की रहने वाली भावना (20) टीएमयू में जीएनएम की तृतीय वर्ष की छात्रा थी। वह पाकबड़ा में किराये का कमरा लेकर अपनी सहपाठी आस्था के साथ रहती थी। रविवार की दोपहर ढाई बजे छात्रा कमरे से टीएमयू के लिए निकली। वह ऑटो से टीएमयू के सामने उतरी और हाईवे पार करने लगी।

प्रेग्नेंसी के दौरान भी दिखेंगी स्टाइलिश, ट्राई करें ये ट्रेंडी सूट डिजाइन

प्रेग्नेंसी में कम्फर्टेबल कपड़े पहनना हम सभी को पसंद होता है। आप भी अगर सूट के अलग-अलग डिजाइन को सर्च कर रही हैं, तो इसके लिए आर्टिकल में बताए गए डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं।

प्रेग्नेंसी टाइम हर महिला के लिए बेहद खास होता है। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा उलझन कपड़ों को लेकर होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि हर किसी का मन करता है कि हम ऐसे कपड़ों को स्टाइल करें जो कम्फर्टेबल हो। इसके लिए महिलाएं अक्सर सूट को स्टाइल करना सबसे ज्यादा पसंद करती हैं। लेकिन सूट डिजाइन को लेने में हम हमेशा कन्फ्यूज्ड रहते हैं कि किस तरह के सूट को वियर करें। इसके लिए आप आर्टिकल में बताए गए डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं।

अनारकली सूट करें स्टाइल

अगर आपको खुला-खुला सूट पहनना पसंद है, तो इसके लिए आप अनारकली सूट के इस डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। रिचा चड्ढा ने हैवी अनारकली सूट को वियर किया है। आप इसमें चाहें तो प्रिंटेड या गोटा पट्टी वर्क वाले सूट को स्टाइल कर सकती हैं। मार्केट में इस तरह के सिंपल सूट आपको 500 रुपये में मिल जाएंगे। साथ ही इसे आप कहीं बाहर जाकर भी पहनकर जा सकती हैं। यह लुक को और अच्छा लगता है।

काफ्तान सूट करें स्टाइल

प्रेग्नेंसी में कम्फर्टेबल रहने के लिए आप काफ्तान सूट को स्टाइल कर सकती हैं। यह खुला-खुला होता है। साथ ही इसके साथ प्लाजो और पैंट आते हैं। जिसे वियर करके आप लुक को कम्फर्टेबल फील कर सकती हैं। इसमें आपको डिजाइन में अलग-अलग ऑप्शन मिल जाएंगे। साथ ही आप इसे अलग से भी खरीद सकती है और जींस के साथ पहन सकती हैं। इस तरह के सूट आप ऑफिस पहनकर भी जा सकती हैं। मार्केट में इस तरह के सूट आपको 250 से 500 रुपये में मिल जाएंगे।

प्लाजो सूट सेट

अगर आप कहीं बाहर जाने का प्लान कर रही हैं, और पूरे दिन कम्फर्टेबल रहना चाहती हैं, तो इसके लिए आप प्लाजो सूट को स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आपको कट डिजाइन और स्लिट कट डिजाइन वाला सूट मिल जाएगा। जिसे आप आराम से पहनकर जा सकती हैं। इसमें आपको प्रिंट छोटे और बड़े दोनों मिल जाएंगे। मार्केट से खरीदने पर आपको इसमें वर्क भी अलग-अलग मिल जाएंगे। इससे आपका लुक अच्छा लगेगा। यह सूट आप बाजार से 500 रुपये में कॉटन फैब्रिक में खरीद सकती हैं।

प्रेग्नेंसी में खूबसूरत और कम्फर्टेबल दिखने के लिए आप इन सूट को स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही, आप अलग नजर आएंगी।

आपको भी लगता है स्क्रीन की लत ने बच्चों को बना दिया है बदतमीज? पेरेंट्स जरूर करें ये काम

आजकल के बच्चे इतने जिद्दी और बदतमीज हो गए हैं कि वे एक सेकंड भी बिना स्क्रीन देखे नहीं रह सकते हैं। कुछ माता-पिता की यह भी शिकायत है कि स्क्रीन टाइम के कारण उनके बच्चे बदतमीज होते जा रहे हैं। आइए इनके कारणों और निवारण के बारे में आज हम आपको बताते हैं।

स्क्रीन टाइम यानी स्मार्टफोन को देखने में बीतने वाला वक्त न केवल बच्चों के लिए शारीरिक समस्याएं पैदा करता है, बल्कि उनके व्यवहार पर भी दुष्प्रभाव डाल रहा है। कुछ माता-पिता की यह भी शिकायत है कि स्क्रीन टाइम के कारण उनके बच्चे बदतमीज होते जा रहे हैं। इसके कारणों को समझना और बचाव के तरीकों को लेकर समय रहते कदम उठाना बहुत जरूरी है।

स्क्रीन की लत से बच्चे के व्यवहार पर पड़ता है ऐसा असर

बहुत ज्यादा समय स्मार्टफोन पर बिताने से बच्चे सेंसरी ओवरलोड का शिकार हो जाते हैं। इससे उन्हें किसी बात पर फोकस करने में मुश्किल होने लगती है और मानसिक ऊर्जा में कमी का अनुभव होता है। इससे उनमें गुस्सा बढ़ता है। स्मार्टफोन पर ज्यादा समय बिताने वाले बच्चों और उनके माता-पिता के बीच संवाद कम होता है। घर में लोगों के साथ कम समय बिताने के कारण बच्चे सामाजिक एवं व्यावहारिक रूप से कटा-कटा अनुभव करते हैं, जिससे उनमें गुस्सा और चिड़चिड़ापन बढ़ता है। आजकल वीडियो गेम से लेकर कार्टून सीरियल्स और फिल्मों तक हर जगह हिंसा का बोलबाला है। लगातार इन्हें देखने वाले बच्चों के मन में हिंसा के प्रति आकर्षण पैदा होने लगता है। यही आकर्षण उन्हें शारीरिक एवं शाब्दिक हिंसा के लिए प्रेरित करता है और बच्चे बदतमीज हो जाते हैं।

छोटे बच्चे वर्चुअल दुनिया और रियलिटी में बहुत ज्यादा फर्क करना नहीं जानते हैं। इसी कारण से स्मार्टफोन पर देखी गई बातें उनके व्यवहार पर असर डालती हैं।

पेरेंट्स सतर्कता से उठाएं कदम

अगर आपके बच्चे के व्यवहार में भी इस तरह के बदलाव आ रहे हैं, तो सतर्क हो जाएं। इससे पहले कि बच्चे के व्यवहार पर स्थायी प्रभाव पड़ने लगे, उसके स्क्रीन टाइम को कम करने की दिशा में प्रयास करें। इसके लिए आपको कुछ नियम तय करने पड़ सकते हैं। बच्चे कब, कितनी देर और क्या देखेंगे, इसे लेकर स्पष्ट रहना जरूरी है। इस संबंध में आपको शुरुआत से ही सख्ती रखनी चाहिए। बच्चे देखकर ही सीखते हैं। इसलिए स्वयं भी स्क्रीन टाइम कम रखें, जिससे बच्चा आपको देखकर प्रेरित हो और स्मार्टफोन पर कम समय बिताए।

व्यवहार पर नजर रखना भी जरूरी है। बच्चे के व्यवहार में अचानक से होने वाले किसी भी बदलाव के प्रति सतर्क रहें और उसके कारण को दूर करने का प्रयास करें।

बच्चे को किताबें पढ़ने के लिए और बाहर खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही उसे कुछ क्रिएटिव करने के लिए भी प्रेरित करें। घर में एक टेक-फ्री जोन बनाएं। वहां बच्चे के खेलने और मनोरंजन के लिए किसी तरह का इलेक्ट्रॉनिक गैजेट न रहे। बच्चे के साथ वहां कुछ समय बिताएं।

इन चीजों के मामले में बच्चे को दें पूरी आजादी, सख्त पैरेंटिंग से बिगड़ सकता है भविष्य

बच्चे के साथ हर समय सख्ती से पेश आना विपरीत परिणाम दे सकता है। इसका असर बच्चों के भविष्य पर पड़ सकता है, जिससे बाद में आपको भी परेशानी हो सकती है। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि बच्चे को किन मामलों में आजादी देना जरूरी होता है।

बच्चों को समझना और समझाना कतई बच्चों का खेल नहीं है। हर कदम पर सतर्कता बरतने की जरूरत होती है। हालांकि इसी सतर्कता के चक्कर में कई बार माता-पिता बहुत ज्यादा सख्त हो जाते हैं। यह बच्चों के विकास के लिए घातक है। बच्चों को आगे बढ़ने और सफल होने के लिए नियम-अनुशासन के साथ-साथ थोड़ी आजादी की भी जरूरत होती है। आजादी और सतर्कता के बीच संतुलन से आप बच्चों का विकास एवं उनकी सुरक्षा दोनों सुनिश्चित कर सकते हैं।

निर्धारित करें सीमा

स्कूल से आने के बाद बच्चों का थोड़ा खेलने-कूदने का मन कर सकता है। अगर उन्हें सख्त पैरेंटिंग के चक्कर में आप घर से भी बाहर नहीं निकलने देंगे, तो उनका विकास अवरुद्ध होगा। आप बच्चे के साथ सहमति के आधार पर कुछ सीमाएं बना सकते हैं। जैसे बच्चे को बताइए कि वह किस गली तक या किसके घर तक और कितने बजे तक अकेले खेलने जा सकता है। साथ ही उसे प्यार से यह भी समझाइए कि यह सीमा उसकी सुरक्षा के लिए तय की गई है और जब भी उसे इससे आगे जाना हो तो वह घर पर पूछकर ऐसा करे।

खुद से कुछ करने का मौका दें

किशोर होते बच्चे अकेले कुछ काम करना चाहते हैं। उन्हें इसका मौका दें। उनकी जरूरत की और स्टेशनरी की हर चीज उन्हें खरीदकर मत दें। अगर आसपास कोई दुकान है, तो उन्हें वहां जाकर खुद अपनी जरूरत की चीज खरीदने को कहें। इससे उनमें आत्मविश्वास भी आएगा और वे हिसाब-किताब भी समझेंगे। ऐसा करना उन्हें लोगों से संवाद करने में भी सहज बनाएगा।

बच्चों से कुछ काम करवाएं

किशोर होते बच्चों में जिम्मेदारी और समयबद्धता की भावना जगाने के लिए उनसे कुछ काम भी करवाना चाहिए। जैसे अगर घर में कोई अन्य छोटा बच्चा है, तो उसे घुमाने की जिम्मेदारी घर के बड़े बच्चे को दे सकते हैं। बच्चे को घर के कामों में भी थोड़ा-बहुत योगदान देने के लिए प्रेरित करें। इससे वह स्वयं का महत्व समझता है और उसमें जिम्मेदारी की भावना आती है।

हस्तक्षेप न करें

पैरेंटिंग का सबसे मुश्किल पहलू है हस्तक्षेप न करना। एक बार जब बच्चे के साथ आप किसी सीमा को तय कर लें, तो उसे उस सीमा तक आजादी से रहने दें। इसमें बहुत धैर्य की जरूरत होती है। कभी लगे कि बच्चा कोई काम बिगाड़ देगा, तब भी अगर बहुत बड़ा नुकसान नहीं होने जा रहा है, तो उसे मत टोकें। उसे अपनी समझ और आजादी के साथ काम करने दें। गलती का स्वयं आभास होने दें। बाद में भी उसे डांटने के बजाय सिखाने का प्रयास करें, जिससे भविष्य में गलती न हो।

स्कूल के मामले में भी आजादी जरूरी

स्कूल से जुड़े मामलों में भी बच्चों को आजादी की जरूरत होती है। स्कूल में कोई प्रोग्राम होना है, तो बच्चे को उसमें हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करें, लेकिन किस प्रतियोगिता में भाग लेना है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें। हर बात में अपनी राय न थोपें। हो सकता है कि आप उसे मैथ्स के ओलंपियाड में हिस्सा दिलाना चाहते हों, लेकिन उसकी रुचि हिंदी में हो। उसे अपने निर्णय लेने दें। इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वह बेहतर निर्णय लेने में भी सक्षम बनेगा।

कुछ ही दिनों में खराब हो जाएगा स्नेक प्लांट, अगर रखेंगी इन जगहों पर

स्नेक प्लांट एक लो मेंटेनेंस पौधा है और इसलिए लोग इसे अपने घर में जगह देना पसंद करते हैं। लेकिन फिर भी ऐसी कई जगहें होती हैं, जहां पर आपको स्नेक प्लांट को नहीं रखने से बचना चाहिए।

अपने घर को सजाने के लिए हम सभी कई चीजों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन पौधे ना केवल आपके घर को खूबसूरत बनाते हैं, बल्कि इनसे अन्य भी कई फायदे मिलते हैं। यूं तो घरों में हम सभी अपने स्पेस व जरूरत के अनुसार प्लांट लगाते हैं, लेकिन स्नेक प्लांट एक ऐसा पौधा है, जिसे हम घर की कई अलग-अलग जगहों पर रखना पसंद करते हैं। यह सबसे कम देखभाल वाला हाउसप्लांट है। साथ ही साथ, यह घर के अंदर की हवा को भी प्योरिफाई करने में मदद करते हैं।

चूंकि इन्हें बहुत अधिक केयर की जरूरत नहीं होती है, इसलिए इन्हें एक बिगनर भी अपने घर में जगह दे सकता है। दरअसल, स्नेक प्लांट को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप उन्हें पानी देना भूल गए हैं या आपकी लाइटिंग सही नहीं है। वे जल्दी खराब नहीं होते हैं। वे आपके लिविंग रूम से लेकर आपके ऑफिस डेस्क तक लगभग किसी भी जगह में फिट हो सकते हैं और इसे स्टाइलिश भी बना सकते हैं। अमूमन लोग इन्हें कहीं पर भी रख देते हैं। हालांकि, ऐसी कुछ जगहें होती हैं, जहां पर स्नेक प्लांट को रखने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे उन्हें नुकसान हो सकता है। तो चलिए जानते हैं ऐसी ही कुछ जगहों के बारे में-

सीधी धूप में ना रखें

आपको अपने घर में स्नेक प्लांट को ऐसी किसी भी जगह पर नहीं रखना चाहिए, जहां से सीधी धूप आती हो। स्नेक प्लांट धूप को सहन कर सकते हैं, लेकिन बहुत ज्यादा सीधी धूप उनकी पत्तियों को झुलसा सकती है। अगर आपका स्नेक प्लांट सनबर्न से पीड़ित है, तो आपको ब्राउन, क्रिस्पी और फेडेड पीले पत्ते दिखाई दे सकते हैं। कोशिश करें कि आप स्नेक प्लांट को इनडायरेक्ट सनलाइट में रखें।

ह्यूमिडिफायर के ठीक बगल में ना रखें

हम सभी अपने घर में ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं, लेकिन आपको कभी भी स्नेक प्लांट को ह्यूमिडिफायर के ठीक बगल में रखने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, स्नेक प्लांट अपनी पत्तियों में पानी जमा करते हैं और सूखी हवा पसंद करते हैं। उन्हें ह्यूमिडिफायर के पास रखने से अत्यधिक नमी हो सकती है, जिससे रूट रॉट या फिर फंगल की समस्या हो सकती है। इसलिए, अपने ह्यूमिडिफायर को कहीं और रखें या पौधे के लिए कम नमी वाली जगह चुनें।

हीटर के पास ना रखें

ह्यूमिडिफायर की तरह ही स्नेक प्लांट को हीटर के करीब भी रखने से बचना चाहिए। ठंड के मौसम में हम हीटर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन अगर स्नेक प्लांट को इसके करीब रखा जाता है तो पौधे को नुकसान उठाना पड़ सकता है। हीटर गर्म और रूखी हवा फेंकते हैं, जो आपके स्नेक प्लांट की मिट्टी और पत्तियों से नमी को सोख सकते हैं। इसकी वजह से आपका प्लांट सूख जाता है। कोशिश करें कि आप स्नेक प्लांट को हीटर सहित अन्य हीट सोर्स से कुछ फीट दूर रखें।

243 प्रतिशत बढ़ गया एफएसएनई-कॉमर्स वेंचर्स का मुनाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। ब्यूटी और फैशन ई-टेलर नायका की पेरेंट कंपनी एफएसएनई-कॉमर्स वेंचर्स लिमिटेड के शेयर आज सोमवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में आज 7 पर्सेंट तक की तेजी देखी गई और यह 262 रुपये पर आ गया था। शेयरों में यह तेजी शानदार सितंबर तिमाही के नतीजे के बाद देखी गई है। नायका ने बीते शुक्रवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जुलाई-सितंबर तिमाही के अपने परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने दूसरी तिमाही के अपने समेकित नेट प्रॉफिट में 243 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो 34.43 करोड़ रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 10.04 करोड़ था। नायका का रेवेन्यू भी वित्तीय वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 25 प्रतिशत बढ़कर 2,345.98 करोड़ हो गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 1,874.74 करोड़ था, जैसा कि कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों में बताया गया है। शुद्ध लाभ में क्रमिक आधार पर 48 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के 23 करोड़ से बढ़कर 2,155 करोड़ हो गया। ब्रोकरेज हाउस मॉर्गन स्टैनली ने नायका के शेयर पर अपना ओवरवेट रेटिंग बरकरार रखा है और 271 का टारगेट प्राइस तय किया है। रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनी को अपने दोनों प्रमुख व्यवसायों (ब्यूटी और फैशन) में विकास की गति बनाए रखने का भरोसा है। मॉर्गन स्टैनली ने यह भी अनुमान लगाया कि तीसरी तिमाही में नायका का ब्यूटी सेगमेंट प्रदर्शन मजबूत रहेगा, जिसे नायकालैंड इवेंट और सेल सीजन का समर्थन मिलेगा। इसी तरह, सीएलएसए ने भी नायका पर अपनी आउटपरफॉर्म रेटिंग को बरकरार रखा है और 298 का टारगेट प्राइस तय किया है। ब्रोकर ने वित्त वर्ष 2026 से 2028 के लिए नायका के ईपीएस (अर्निंग पर शेयर) अनुमान में 2 प्रतिशत से 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। वर्तमान में, नायका पर 25 विश्लेषकों का कवरेज है, जिनमें से 12 ने बाय की, चार ने होल्ड की और 9 ने बेचने की रेटिंग दी है।

भारत में लॉन्च हुई मोटापे की नई दवा

नई दिल्ली, एजेंसी। एमक्योर कंपनी के शेयरों की कीमत में 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसका कारण यह है कि कंपनी ने वजन घटाने की एक प्रसिद्ध दवा को भारत में लॉन्च करने के लिए नोवो नॉर्डिस्क नामक बहुराष्ट्रीय कंपनी के साथ एक महत्वपूर्ण सौदा किया है। नोवो नॉर्डिस्क की भारतीय शाखा ने एमक्योर कंपनी के साथ मिलकर पॉविजट्रा नामक एक दवा लॉन्च करने का फैसला किया है। यह दवा वेगोवी नामक उनकी प्रसिद्ध वजन-घटाने वाली दवा का ही एक दूसरा ब्रांड है। इस साझेदारी का मुख्य लक्ष्य भारत में मोटापे के इलाज को और अधिक लोगों तक पहुंचाना है। इस सौदे के तहत, एमक्योर कंपनी को भारत में इस दवा के डिस्ट्रीब्यूशन और मार्केटिंग का विशेष अधिकार मिल गया है। एमक्योर कंपनी इस दवा के विपणन और वितरण की जिम्मेदारी संभालेगी। कंपनी का देशव्यापी नेटवर्क इस दवा को बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों तक भी पहुंचाने में मदद करेगा, जहां तक नोवो नॉर्डिस्क की सीधी पहुँच सीमित है। पॉविजट्रा दवाइयों में सेमाग्लुटाइड नामक एक सक्रिय तत्व होता है। यह एक प्रकार का इंजेक्शन है, जिसे सप्ताह में केवल एक बार लगाया जाता है। यह दवा शरीर में भूख को नियंत्रित करके और कैलोरी इंटेक कम करके वजन घटाने में मदद करती है। वैश्विक शोधों में देखा गया है कि इस दवा का उपयोग करने वाले हर तीन में से एक व्यक्ति का 20 प्रतिशत से अधिक वजन कम हुआ है। इसके अलावा, यह दिल की बीमारियों के खतरे को भी कम करती है। नोवो नॉर्डिस्क के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह साझेदारी भारत में मोटापे के इलाज को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि एमक्योर के मजबूत नेटवर्क के साथ मिलकर वे सुरक्षित और प्रभावी उपचार को और अधिक लोगों तक पहुंचा पाएंगे। दवा को भारतीय मरीजों तक लेकर आने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी का व्यापक नेटवर्क यह सुनिश्चित करेगा कि यह दवा उन सभी जरूरतमंद लोगों तक पहुँच सके।

भारत में मोटापा एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार, लगभग 25 करोड़ भारतीय सामान्य मोटापे से और 35 करोड़ से अधिक पेट के मोटापे से ग्रस्त हैं। मोटापा दिल की बीमारी, लीवर की समस्या, गठिया और किडनी रोग जैसी 200 से अधिक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। अब मोटापे को केवल जीवनशैली की समस्या नहीं, बल्कि एक पुरानी बीमारी माना जाने लगा है, जिसके लिए दीर्घकालिक इलाज की जरूरत होती है। इस साझेदारी को भारत के बढ़ते मोटापा के इलाज बाजार के लिए एक मील का पत्थर माना जा रहा है। इससे दवा की उपलब्धता बढ़ने और आपूर्ति सुगम होने की उम्मीद है।

भारत के लिए मुसीबत बनेगी अमेरिका और चीन की दोस्ती

मेक इन इंडिया को लगेगा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी।
ट्रेड वॉर के बीच अमेरिका और चीन नजदीक आते दिखाई दे रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी जहां चीन पर लगाए गए टैरिफ में नरमी दिखाई है तो वहीं चीन ने भी कुछ ढील दी है। वहीं इन दोनों देशों की नजदीकी भारत के लिए मुसीबत बन सकती है। इसका सबसे ज्यादा असर भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री पर दिखाई दे सकता है। इसे लेकर इंडस्ट्री ने अपनी चिंता भी सरकार के सामने जताई है।

भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री ने सरकार से कहा है कि वह अपनी सहायक नीतियों को जारी रखे। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इंडस्ट्री को चिंता है कि अगर अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक संबंध सामान्य हो जाते हैं, तो इससे भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट की वह प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो जाएगी जो उसने बड़ी मुश्किल से हासिल की है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री मेक इन इंडिया की सबसे बड़ी सफलता की कहानी है। अगर इस इंडस्ट्री को नुकसान होता है तो यह मेक इन इंडिया स्कीम के लिए भी झटका होगा।

भारत पर क्या पड़ेगा असर भारत पिछले कई सालों से चीन की तुलना में फायदे की स्थिति में था। साल 2018 से अमेरिका ने ट्रंप और जो बाइडेन दोनों प्रशासनों के तहत अमेरिकी व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत चीन पर लगातार टैरिफ लगाए हैं। इसने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक बड़ा बदलाव शुरू किया। इस फायदे ने भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात को बढ़ावा दिया। वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में अमेरिका को निर्यात 42 प्रतिशत बढ़कर 22.2 अरब डॉलर हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2025 की इसी अवधि में यह 15.6 अरब डॉलर था। स्मार्टफोन, जो इस श्रेणी में सबसे ऊपर हैं, उनमें भी तेज वृद्धि देखी गई।

क्यों बढ़ी इंडस्ट्री की चिंता

इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री सरकार के पास तब पहुंची जब अमेरिका ने चीन पर लगाए गए फेंटानिल टैरिफ को 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया। यह फैसला 30 अक्टूबर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई लंबी बातचीत के बाद आया। 6 नवंबर को सरकार को लिखे एक पत्र में इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि फेंटानिल टैरिफ में हुई इस कमी ने भारत के सापेक्ष लागत लाभ को 10 प्रतिशत अंक तक कम कर दिया है। इस एसोसिएशन ने यह भी बताया है कि अगर यह स्थिति बनी रहती है या इसमें और ढील दी जाती है तो यह भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता, निवेश के प्रति आकर्षण और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना के तहत उत्पादन की गति को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। एप्पल, गूगल, मोटोरोला, फॉक्सकॉन, वीवो, ओप्पो, लावा, डिक्सन, फ्लेक्स और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी कंपनियां सदस्य हैं। वैश्विक व्यापार और राजनीतिक हालात ऐसे हो सकते हैं कि चीन अंततः भारत और अन्य देशों की तुलना में टैरिफ के मामले में नुकसान में न रहे। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि वाशिंगटन ने घरेलू मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए बीजिंग के साथ अपने व्यापार के लिए अपेक्षाकृत अनुकूल शर्तें तय की हैं।

अमेरिका को गैलियम-जर्मेनियम जैसे अहम तत्वों पर मिली राहत, चीन ने हटाए निर्यात प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन ने गैलियम, जर्मेनियम, एंटीमनी जैसे तत्वों पर अमेरिका के लिए लगाए गए निर्यात प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटा दिया है। चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को इसकी घोषणा की।

मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में बताया गया कि यह फैसला कुछ दोहरे इस्तेमाल वाली वस्तुओं पर लागू नियंत्रण उपायों के आंशिक निलंबन से जुड़ा है। इसमें गैलियम, जर्मेनियम, एंटीमनी जैसे औद्योगिक पदार्थ शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक, यह निलंबन घोषणा संख्या- 46 (2024) की दूसरी धारा पर लागू होगा और यह नौ नवंबर 2025 से 27 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। पहले इस धारा के तहत अमेरिका को इन औद्योगिकी पदार्थों के निर्यात पर रोक थी और ग्रेफाइट के निर्यात पर सख्त जांच की शर्तें थीं। वहीं, पहली धारा पहले की तरह लागू रहेगी, जिसमें अमेरिकी सेना या सैन्य उपयोग के लिए दोहर उपयोग वाली वस्तुओं के निर्यात पर रोक है। वाणिज्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह अस्थायी निलंबन केवल दूसरी धारा के लाइसेंस और समीक्षा से जुड़ी पाबंदियों पर लागू होगा। पिछले साल दिसंबर में चीन ने चेतावनी दी थी कि अगर कोई भी संगठन या व्यक्ति चीन में बने दोहरे उपयोग वाले सामानों को अमेरिकी संस्थाओं को अवैध रूप से भेजेगा, तो उसे कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। इस महीने की शुरुआत में अमेरिका और चीन के बीच एक अहम व्यापार और आर्थिक समझौता हुआ। यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच दक्षिण कोरिया के बुसान में मुलाकात के बाद हुआ।

टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट लिमिटेड का 7 प्रतिशत टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट लिमिटेड के शेयरों में आज 7 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कमजोर तिमाही नतीजों से निवेशक काफी निराश दिखाई दे रहे हैं। ट्रेंट लिमिटेड के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर ब्रोकरेज हाउस भी उत्साहित नहीं है। इस टाटा ग्रुप की कंपनी के शेयरों के टारगेट प्राइस में कटौती की गई है। शेयर बाजार में ट्रेंट लिमिटेड के शेयर बीएसई में 4621.60 रुपये के लेवल पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 7 प्रतिशत की गिरावट के बाद 4298 रुपये के लेवल पर आ गए। यह कंपनी का 52 वीक लो लेवल है। ट्रेंट ने दी जानकारी में कहा है कि सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी ने दी जानकारी में कहा है कि ट्रेंट लिमिटेड का प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 373.42 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 335.06 करोड़ रुपये रहा था। यानी सालाना आधार पर कंपनी के प्रॉफिट में 11.45 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। रेवन्यू की बात करें तो सितंबर तिमाही में यह 4817.68 करोड़ रुपये रहा है। जोकि साल दर साल के आधार पर 16 प्रतिशत अधिक है।

त्योहारी मांग और जीएसटी सुधारों से बढ़ी कर्ज की रफ्तार

बैंकों की कमाई में तेजी के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी।
आने वाले महीनों में बैंकों की कमाई बढ़ने की उम्मीद है। सिस्टमैटिक्स रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, बैंकों की मुनाफे में बढ़त चार वजहों से हो सकती है, ज्यादा कर्ज देने की रफ्तार, जमा पर घटती ब्याज दरें, नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में कमी और असुरक्षित लोन (जैसे पर्सनल लोन) में फिसलन कम होना।

माइक्रोफाइनेंस संस्थानों में लोन न चुकाने के मामलों में आई कमीन रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंक इस समय जमा पर दी जाने वाली ब्याज दरों को दोबारा तय कर रहे हैं, जिससे उनके खर्च कम होंगे और मुनाफा बढ़ेगा। साथ ही, माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (एमएफआई) में लोन न चुकाने के मामलों में कमी आई है, जिससे बैंकों की हालत और बेहतर होगी। बैंकों के नेट इंटरेस्ट मार्जिन में आ सकती है गिरावट रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बैंकों का नेट इंटरेस्ट मार्जिन (एनआईएम) यानी ब्याज से होने वाली कमाई थोड़ा कम रह सकती है, लेकिन आगे जाकर ये स्थिर होने की उम्मीद है। कुछ बैंकों ने तो उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन भी किया है। ज्यादातर बैंकों के लिए लोन पर मिलने वाला ब्याज (यील्ड) थोड़ा घटा है, लेकिन इसका असर कम रहा क्योंकि बैंकों के लिए जमा और उधार पर ब्याज का खर्च भी घटा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों में किए गए बदलाव का पूरा फायदा बैंकों को वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में दिखेगा। साथ ही, नकद आरक्षित अनुपात में कटौती का असर भी धीरे-धीरे नजर आएगा। बैंक प्रबंधन का अनुमान है कि तीसरी तिमाही में मुनाफे का मार्जिन स्थिर रहेगा और चौथी तिमाही से इसमें सुधार शुरू होगा, बशर्ते ब्याज दरों में आगे कोई कटौती न हो। पहली तिमाही में जहां कर्ज की रफ्तार धीमी थी, वहीं दूसरी तिमाही में इसमें तेजी आई। इसका कारण है जीएसटी दरों में कमी और त्योहारी सीजन की बढ़ती मांग। इसी वजह से सालाना आधार पर क्रेडिट ग्रोथ बढ़कर 11.4 फीसदी तक पहुंच गई। हालांकि दूसरी तिमाही में बैंकों के मुनाफे के कमजोर रहने की उम्मीद थी, लेकिन नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 3 अक्तूबर 2025 तक बैंकिंग सिस्टम के कुल कर्ज में तिमाही आधार पर 4.2 प्रतिशत और सालाना आधार पर 11.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

अब सैंडविच भी बेचेगा हल्दीराम! अमेरिका के मशहूर ब्रांड के साथ हाथ मिलाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत की सबसे बड़ी एथनिक फूड कंपनी हल्दीराम ग्रुप अब वेस्टर्न स्टाइल के क्विक सर्विस रेस्टोरेंट खोलने की तैयारी में है। इसके लिए वह अमेरिका की ग्लोबल रेस्टोरेंट कंपनी इंस्पायर ब्रांड्स के साथ एक खास फ्रेंचाइजी डील करने की तैयारी में है। इस डील के तहत हल्दीराम ग्रुप भारत में इंस्पायर ब्रांड्स की सैंडविच चेन जिमी जॉन्स को लॉन्च करेगा। हल्दीराम ग्रुप का फाउंडर अग्रवाल परिवार सबवे और टिम हॉर्टन्स जैसे ग्लोबल ब्रांड्स से मुकाबला करना चाहता है। उसकी नजर युवा पीढ़ी के उन ग्राहकों पर है जो वेस्टर्न कैफे-स्टाइल फॉर्मेट को बहुत पसंद करते हैं। ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है।

इंस्पायर ब्रांड्स के पास दो और ग्लोबल ब्रांड्स हैं जो पहले से भारत में मौजूद हैं। इनमें ग्लोबल कॉफी और डोनट चेन डंकिन शामिल है, जो जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड (के साथ फ्रेंचाइजी पार्टनरशिप में काम कर रही है। वहीं, आइसक्रीम और केक ब्रांड बास्किन-रॉबिन्स ग्रेविस ग्रुप के साथ मिलकर भारत में अपना कारोबार चला रहा है। हल्दीराम ग्रुप की एफएमसीजी कंपनी का नाम हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड है।

जिमी जॉन्स का बिजनेस

अगर यह डील पक्की हो जाती है, तो नया क्यूएसआर चेन हल्दीराम ग्रुप के रेस्टोरेंट बिजनेस के तहत आएगा। हल्दीराम का रेस्टोरेंट बिजनेस फिलहाल करीब 2,000 करोड़ का है और भारत में इसके 150 से ज्यादा आउटलेट हैं। हल्दीराम के प्रवक्ता ने इस बारे में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। वहीं, इंस्पायर ब्रांड्स ने भी कमेंट के लिए भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं दिया।

जिमी जॉन्स की शुरुआत 1983 में हुई थी। यह सबवे की तरह ही सैंडविच और रैप बनाने वाली एक चेन है। अमेरिका, कनाडा, साउथ कोरिया और यूएई में इसके 2,600 से ज्यादा रेस्टोरेंट हैं। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक अमेरिका में जिमी जॉन्स डिलीवरी सैंडविच ब्रांड्स में सबसे बड़ी है और इसकी कुल बिक्री 2.6 बिलियन है। इंस्पायर ब्रांड्स एक मल्टी-ब्रांड रेस्टोरेंट कंपनी है। कंपनी के लीडर्स ने हाल ही में अपनी कमाई की रिपोर्ट के बाद कहा है कि वे इंटरनेशनल फ्रेंचाइजी एग्रीमेंट के जरिए नए बाजारों में विस्तार करना चाहते हैं। भारत का फूड सर्विसेज मार्केट इंस्पायर ब्रांड्स की स्थापना साल 2018 में हुई थी। यह फिलहाल चार ग्लोबल बाजारों में काम कर रही है। 2024 तक इसकी ग्लोबल सिस्टम सेल्स 32.6 बिलियन थी और इसके 33,000 रेस्टोरेंट थे। कंपनी ने अभी 2025 के आंकड़े जारी नहीं किए हैं। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज में दर्ज जानकारी के अनुसार हल्दीराम स्नैक्स फूड ने वित्त वर्ष 2024 में 12,800 करोड़ का रेवेन्यू और 1,400 करोड़ का नेट प्रॉफिट दर्ज किया।

नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का फूड सर्विसेज मार्केट वित्त वर्ष 2028 तक 7.76 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2024 में 5.69 लाख करोड़ था। इस बढ़ोतरी के पीछे युवा उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या, बाहर खाने की आदतों में लगातार वृद्धि और फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स द्वारा लास्ट-माइल डिलीवरी को आसान बनाना जैसे कारण बताए गए हैं।

एक झटके में सोने के रेट आज करीब 2000 और चांदी के भाव में 2700 की उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
शादियों के सीजन शुरू होते ही सोने-चांदी के भाव में आज बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। आज यानी सोमवार 10 नवंबर को 24 कैरेट सोने का भाव 1987 रुपये महंगा होकर 122087 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। अब जीएसटी समेत 125794 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। जबकि, चांदी जीएसटी समेत 155594 रुपये प्रति किलो पर है।

आज यह बिना जीएसटी 2700 रुपये उछल कर 150975 रुपये प्रति किलो के रेट से खुली।

अब सोना 17 अक्टूबर के ऑल टाइम हाई से 8787 रुपये ही सस्ता रह गया है। जबकि, चांदी के भाव 14 अक्टूबर के ऑल टाइम हाई से 27125 रुपये गिर चुके हैं। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास।

आज 23 कैरेट गोल्ड भी 1979 रुपये महंगा होकर 121598 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 125245 रुपये हो गई है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 1820 रुपये उछल कर 111832 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। जीएसटी संग यह 115186 रुपये है। 18 कैरेट गोल्ड 1490 रुपये की तेजी के साथ 91565 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत 94311 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है।

अनिल अंबानी का पावर शेयर बना रॉकेट, 42 रुपये के ऊपर पहुंचा शेयर का दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। रिलायंस पावर के शेयर सोमवार को बीएसई में 7 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 42.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 40 रुपये के नीचे 39.24 रुपये पर बंद हुए थे। फर्जी बैंक गारंटी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (इंफोर्समेंट डायरेक्टोरेट) ने अमर नाथ दत्ता को गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी पर रिलायंस पावर की सफाई आई है। रिलायंस पावर के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई लेवल से 40 पर्सेंट से अधिक टूट गए हैं। रिलायंस पावर लिमिटेड ने यह स्पष्ट किया है कि अमर नाथ दत्ता किसी भी तरह से कंपनी से कनेक्टेड नहीं है और इसका कंपनी, इसके बिजनेस ऑपरेशंस, वित्तीय प्रदर्शन, शेयरधारकों, कर्मचारियों और किसी भी दूसरे शेयरहोल्डर्स पर कोई असर नहीं है। उसकी सहायक इकाई, रिलायंस लिमिटेड और कर्मचारियों ने पूरी ईमानदारी के साथ काम किया है।

पूरे विश्व में भारतीय आर्थिक दर्शन को लागू करने का समय अब आ गया है

प्रहलाद सबनानी

भारत के प्राचीन ग्रंथों में 'शून्य ब्याज दर के सिद्धांत' का भी वर्णन मिलता है। राज्यों के पास धन के भंडार भरे रहते थे एवं समाज में यदि किसी नागरिक को अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए धन की आवश्यकता रहती थी तो वह राजा से धन उधार लेकर अपना व्यवसाय स्थापित कर सकता था एवं राजा द्वारा नागरिकों को दी गई उधार की राशि पर किसी प्रकार का ब्याज नहीं लिया जाता था।

आज, वैश्विक स्तर पर कई देशों में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं, जिनका हल ये देश निकाल नहीं पा रहे हैं। आज विश्व के सबसे अधिक विकसित देश अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी, ऋण की राशि का असहनीय स्तर पर पहुंच जाना, विदेशी व्यापार में लगातार बढ़ता घाटा, नागरिकों के बीच आय की असमानता का लगातार बढ़ते जाना (अमीर नागरिक और अधिक अमीर हो रहे हैं एवं गरीब नागरिक और अधिक गरीब हो रहे हैं), बजट में वित्तीय घाटे का लगातार बढ़ते जाना एवं इन आर्थिक समस्याओं के चलते देश में सामाजिक ताने बाने का छिन्न भिन्न होना, जैसे, जेलों की पूरी क्षमता का उपयोग और इन जेलों में कैदियों के रखने लायक जगह की कमी होना, तलाक की दर में बेतहाशा वृद्धि होना, मकान की अनुपलब्धि के चलते बुजुर्गों का खुले में पार्कों में रहने को मजबूर होना, आदि ऐसी कई प्रकार की आर्थिक एवं सामाजिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं। उक्त समस्याओं के चलते ही अब अमेरिकी अर्थशास्त्रियों द्वारा खुले रूप से कहा जाने लगा है कि साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के असफल होने के उपरांत अब पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के भी असफल होने का खतरा मंडराने लगा है, और यह अब कुछ वर्षों की ही बात शेष है। उक्त समस्याओं के हल हेतु अब पूरा विश्व ही भारत की ओर आशाभरी नजरों से देख रहा है और तीसरे आर्थिक मॉडल की तलाश कर रहा है।

भारतीय आर्थिक दर्शन का वर्णन चारों वेद (ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद), 18 पुराण, उपनिषद, विदुरनीति, कौटिल्य अर्थशास्त्र, थिरुवल्लुवर, मनुस्मृति, शुक्रनीति, डॉक्टर एम जी बोकारे द्वारा लिखित हिंदू अर्थशास्त्र, श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी द्वारा रचित पुस्तक 'थर्ड वे' आदि शास्त्रों एवं धार्मिक पुस्तकों में मिलता है। इस प्रकार भारतीय आर्थिक दर्शन की जड़ें सनातन हिंदू संस्कृति से जुड़ी हुई हैं। भारतीय आर्थिक दर्शन की नीतियों का अनुपालन करते हुए ही प्राचीन काल में भारत में विभिन्न राजाओं द्वारा अपने अपने राज्यों की अर्थव्यवस्था सफलतापूर्वक चलाई जाती रही है।

भारतीय आर्थिक दर्शन में 'विपुलता के सिद्धांत' की व्याख्या मिलती है जिसके अनुसार, बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति सदैव ही मांग से अधिक रहती थी। इस सिद्धांत के चलते चूंकि उत्पादों की बाजार में पर्याप्त आपूर्ति रहती थी अतः वस्तुओं के बाजार भाव में वृद्धि नहीं दिखाई देती थी, अतः भारत में प्राचीनकाल में मुद्रा स्फीति की समस्या सर्वथा, थी ही नहीं। जबकि, आज विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा स्फीति की समस्या सबसे बड़ी समस्या है जिसका हल निकालने में ये देश सक्षम नहीं दिखाई दे रहे हैं। विपुलता के सिद्धांत के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में ही विभिन्न उत्पादों का उत्पादन किया जाकर स्थानीय हाट बाजार में इन उत्पादों का विक्रय किया जाता था, जिससे स्थानीय स्तर पर ही स्वावलम्बन का भाव जागृत होता था। कुछ इलाकों में 40/50 गांवों के बीच साप्ताहिक हाट की व्यवस्था विकसित की गई थी। इन साप्ताहिक हाटों में लगभग सभी प्रकार के उत्पादों का विक्रय किया जाता था। चूंकि स्थानीय स्तर पर निर्मित विभिन्न उत्पादों की पर्याप्त मात्रा में बाजार में उपलब्धि रहती थी, अतः इन उत्पादों की कीमतें भी अपने आप ही नियंत्रित रहती थीं और इस प्रकार प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति के स्थान पर घटते हुए मूल्य के अर्थशास्त्र का वर्णन मिलता है। पूरे विश्व में, इस संदर्भ में, वर्तमान स्थिति भारतीय आर्थिक दर्शन के ठीक विपरीत दिखाई देती है जो किसी भी स्थिति में उचित नहीं कही जा सकती है। दरअसल, मुद्रा स्फीति का सबसे बुरा असर गरीब वर्ग पर पड़ता है और आज वैश्विक स्तर पर उत्पादन इकाईयां विभिन्न वस्तुओं की बाजार में आपूर्ति को विपरीत रूप नियंत्रित करती हैं ताकि इन उत्पादों की बाजार में कीमत बढ़ सके एवं इन उत्पादन इकाईयों के लाभ में वृद्धि दर्ज हो सके। पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्था में उत्पादन इकाईयों का मुख्य उद्देश्य ही अधिकतम लाभ कमाना होता है और इस मूल्य वृद्धि से समाज के गरीब एवं मध्यम वर्ग पर कितना बोझ बढ़ रहा है, इससे उन्हें कोई मतलब नहीं रहता है।

प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति की समस्या इसलिए भी नहीं रहती थी क्योंकि प्राचीनकाल में भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार 'प्रतिस्पर्धा के सिद्धांत' का अनुपालन सुनिश्चित होता था। ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट बाजार में उत्पादों के विक्रेताओं के बीच में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रहती थी। उत्पाद बेचने वाले स्थानीय विक्रेताओं की पर्याप्त संख्या रहती थी एवं साथ ही इनके बीच अपने अपने उत्पाद बेचने की प्रतिस्पर्धा रहती थी ताकि अपने अपने उत्पाद शीघ्र ही बेचकर वे अपने अपने ग्रामों में सूरज डूबने के पूर्व वापिस पहुंच सकें। इस प्रकार के कारणों के चलते कई बार तो विक्रेता अपने उत्पादों को सस्ते भाव में बेचना चाहता था अतः बाजार में उत्पादों के मूल्यों में कमी भी दिखाई देती थी। आज, वैश्विक स्तर पर निगमित क्षेत्र में कार्यरत कम्पनियों के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा तो एक तरह से दिखाई ही नहीं देती है बल्कि ये आपस में मिलकर उत्पादक संघ (कार्टेल) का निर्माण कर लेती हैं और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों के बाजार मूल्यों को अपने पक्ष में नियंत्रित किया जाता है ताकि ये इन उत्पादों के व्यापार से अपने लिए अधिकतम लाभ का अर्जन कर सकें। इस पूंजीवादी नीति से इन कम्पनियों की लाभप्रदता में तो वृद्धि होती है परंतु आम नागरिकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। अतः उक्त पूंजीवादी आर्थिक नीति के चलते आम नागरिकों पर निर्मित होने वाले आर्थिक दबाव को कम करने की दृष्टि से विक्रेताओं द्वारा लाभ अर्जन के संदर्भ में भी भारतीय आर्थिक दर्शन के नियमों का अनुपालन किया जा सकता है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, "मूल्य सिद्धांत" के अंतर्गत, विक्रेता द्वारा स्वयं के द्वारा निर्मित वस्तु की उत्पादन लागत पर 5 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़कर उस वस्तु का विक्रय मूल्य तय किया जाना चाहिए एवं यदि उस वस्तु का निर्यात किसी अन्य देश को किया जा रहा है तो उस वस्तु के उत्पादन लागत पर 10 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़कर उस वस्तु का विक्रय मूल्य तय किया जाना चाहिए। इस नीति के अनुपालन से प्राचीन भारत में विभिन्न उत्पादों के बाजार मूल्य लम्बे समय तक स्थिर रहते थे एवं इनके मूल्यों में वृद्धि लगभग नहीं के बराबर दिखाई देती थी। आज पूंजीवादी नीतियों के अंतर्गत विभिन्न उत्पादों के विक्रय मूल्यों पर किसी भी प्रकार का नियंत्रण नहीं है। विशेष रूप से दवाईयों के मूल्य के सम्बंध में नीति का उल्लेख यहां किया जा सकता है। केन्सर एवं दिल की बीमारी से सम्बंधित दवाईयों के बाजार मूल्य लाखों रुपयों में तय किए जाते हैं क्योंकि इन दवाईयों को बेचने का एकाधिकार 'पैटेंट कानून' के अंतर्गत केवल इन दवाईयों का उत्पादन करने वाली कम्पनियों के पास रहता है। केवल लाभ कमाना ही इन कम्पनियों का मुख्य उद्देश्य है, जबकि सनातन हिंदू संस्कृति में किसी अस्वस्थ नागरिक को दवाई उपलब्ध कराने का कार्य सेवा कार्य की श्रेणी में रखा गया है। उक्त वर्णित दवाईयों की बाजार में उपलब्धता बढ़ाकर एवं इन दवाईयों के विक्रय मूल्य को नियंत्रित रखकर कई जीवन बचाए जा सकते हैं। परंतु, पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत तो लाभ कमाना ही मुख्य उद्देश्य है।

आज विश्व के कई देशों में बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप धारण करती हुए दिखाई दे रही है एवं इन देशों के पास बेरोजगारी की समस्या को हल करने का कोई उपाय भी सूझ नहीं रहा है। भारत के प्राचीन ग्रंथों में बेरोजगारी की समस्या के संदर्भ के किसी प्रकार का जिक्र भी नहीं मिलता है। 'स्वयं के नियोजन के सिद्धांत' का अनुपालन करते हुए उस समय पर विभिन्न परिवारों द्वारा स्थापित अपने उद्यमों को ही आगे आने वाली पीढ़ी आगे बढ़ाती जाती थी, इससे युवाओं में 'नौकरी' करने का प्रचलन भी नहीं था। अपने पारम्परिक व्यवसाय में ही युवा पीढ़ी रत हो जाती थी अतः बेरोजगारी की समस्या भी बिलकुल नहीं पाई जाती थी। आज पूंजीवादी व्यवस्था के अंतर्गत कॉरपोरेट जगत की स्थापना के चलते नागरिकों में "नौकरी" का भाव जागृत किया गया है। आज प्रत्येक युवा नौकरी की कतार में लगा हुआ दिखाई देता है, लगभग 30 वर्ष की आयु होते होते जब उसे उसकी चाहत के अनुसार नौकरी नहीं मिल पाती है तो वह अपने जीवन के लिए समझौता कर लेता है और किसी भी संस्थान में किसी भी प्रकार की नौकरी करने को मजबूर हो जाता है। कई इंजीनियर एवं पोस्ट ग्रेजूएट युवा, मजबूरी में आज विभिन्न उत्पादों की डिलीवरी करने एवं टैक्सी चलाने जैसे कार्यों को भी करते हुए दिखाई देते हैं। आज यदि अपने पुश्तैनी व्यवसाय को यह युवा आगे बढ़ा रहे होते तो सम्भवतः उनकी आमदनी भी अधिक होती और उक्त प्रकार के कार्य करने हेतु वे मजबूर भी नहीं होते।

भारत के प्राचीन ग्रंथों में 'शून्य ब्याज दर के सिद्धांत' का भी वर्णन मिलता है। राज्यों के पास धन के भंडार भरे रहते थे एवं समाज में यदि किसी नागरिक को अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए धन की आवश्यकता रहती थी तो वह राजा से धन उधार लेकर अपना व्यवसाय स्थापित कर सकता था एवं राजा द्वारा नागरिकों को दी गई उधार की राशि पर किसी प्रकार का ब्याज नहीं लिया जाता था। क्योंकि, यह उस राज्य के राजा का कर्तव्य माना जाता था कि वह अपने राज्य के नागरिकों को उचित मात्रा में व्यवसाय करने के लिए धन उपलब्ध कराए। इस प्रकार, भारत के प्राचीन खंडकाल में ब्याज की दर भी शून्य रहा करती थी। इससे, स्थानीय नागरिक भी अपना व्यवसाय स्थापित करने की ओर प्रेरित होते थे एवं नौकरी करने का चलन नहीं के बराबर रहता था।

संपादकीय

अस्वीकार्य हथकंडे

यह धारणा बना ली गई है कि हरियाणा में महिलाओं के खिलाफ ज्यादा अपराध होते रहे हैं। लेकिन हाल ही में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले कथित अपराधों से जुड़े झूठे मामलों में भी यह राज्य सबसे ऊपर है। जो कि एक गंभीर विरोधाभास को दर्शाता है। पुलिस आंकड़ों पर नजर डालें तो हरियाणा में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की लगभग 45 फीसदी शिकायतें झूठी पायी गई। जबकि गुरुग्राम में 2020 से 2024 के बीच चालीस प्रतिशत से अधिक बलात्कार के मामले जांच के बाद रद्द किए गए। निश्चित रूप से इन आंकड़ों से न केवल कानून प्रवर्तन एजेंसियों बल्कि नागरिक समाज को भी चिंतित होना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि जब मनगढ़ंत शिकायतें सिस्टम में दर्ज की जाती हैं तो ये न केवल पुलिस का समय बर्बाद करती हैं, बल्कि इसके अलावा भी इसके कई तरह के नकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। ये उन वास्तविक पीड़ितों की विश्वसनीयता को भी कमजोर करती हैं जो पहले से ही अपने खिलाफ खड़ी व्यवस्था में अपना मामला साबित करने के लिये संघर्ष कर रहे होते हैं। व्यक्तिगत बदला लेने, जबरन आर्थिक वसूली या ब्लैकमेल के लिये कानूनी प्रावधानों का दुरुपयोग दुर्भाग्यपूर्ण है। जैसा कि हाल ही में गुरुग्राम में एक वकील के नेतृत्व वाले गिरोह से जुड़े मामले में खुलासा हुआ। जाहिर है, इस तरह की करतूतें न्याय प्रक्रिया में जनता के विश्वास को कम ही करती हैं।

निस्संदेह, इस सामाजिक विद्रूपता का उत्तर सभी महिलाओं पर अविश्वास करने या उन्हें हिंसा की रिपोर्ट करने से हतोत्साहित करने में नहीं है। हर शिकायत को गंभीरता से लिया ही जाना चाहिए। लेकिन साथ ही जांच पेशेवर तरीके से और प्रमाणिक साक्ष्य आधारित होनी चाहिए। इसके अलावा उतना ही महत्वपूर्ण उन लोगों को दंडित करना भी है जो जानबूझकर कानून का दुरुपयोग करते रहे हैं। निश्चित रूप से महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा और न्याय की अखंडता परस्पर विरोधी लक्ष्य नहीं हैं, बल्कि ये पूरी तरह एक-दूसरे पर ही निर्भर भी हैं। लेकिन प्रसंग के आलोक में सबसे बड़ी सामाजिक चिंता यह भी होनी चाहिए कि हरियाणा में लैंगिक संबंध इतने अस्थिर क्यों हो चले हैं कि यहां हिंसा और प्रतिशोध दोनों पनपते हैं? निर्विवाद रूप से शिक्षा, जागरूकता और लैंगिक संवेदनशीलता कमजोर कड़ियां बनी हुई हैं।

चिंतन-मनन

पूर्वाग्रह न पालें

पुत्र वयस्क हो चुका था। उसने एक दिन पिता से कहा, पिताजी! आज से मैं आपके साथ भोजन नहीं करूंगा। यह कथन तनाव पैदा करने वाला था। पर पिता समझदार था। उसने तत्काल कहा, बेटा! कोई बात नहीं है। इतने दिनों तक तुम मेरे साथ भोजन करते रहे तो आज से मैं तुम्हारे साथ भोजन करने लग जाऊंगा। कोई खास बात नहीं है। पुत्र प्रसन्न हो गया। तनाव मिट गया। आक्रोश समाप्त हो गया। कोई अन्तर नहीं आया। पुत्र के मन में अहं जाग गया कि अब मैं पिता के साथ भोजन क्यों करूं? पिता ने उसके अहं को परोक्षतः पुष्ट करते हुए कह दिया, मैं तुम्हारे साथ भोजन करने लग जाऊंगा। यह है समन्वय की दृष्टि। समन्वय के दृष्टिकोण ने समस्या को सुलझा दिया।

आदमी में अनेक प्रकार के आग्रह होते हैं, पूर्वाग्रह होते हैं। एक बात पकड़ ली तो फिर उसे छोड़ने का मन ही नहीं होता। जैसे मकोड़ा टूट जाता है, पर अपनी पकड़ नहीं छोड़ता, वैसे ही आदमी टूट जाता है, पर आग्रह को नहीं छोड़ता। मकोड़ा अज्ञानी है। उसकी चेतना विकसित नहीं है। आदमी ज्ञानी है। उसकी चेतना बहुत विकसित है। वह पकड़ को, आग्रह को छोड़ भी सकता है। सामाजिक या पारिवारिक जीवन में आग्रह जितना कम होता है, उतना ही जीवन सुखद और शांत रहता है। आग्रही व्यक्ति छोटी-सी बात को इतना तान देता है कि वह बड़ी समस्या पैदा कर देती है। सारी उलझनें पूर्वाग्रह के कारण पैदा होती हैं। दोनों ओर का पूर्वाग्रह स्थिति को बिगाड़ देता है। एक व्यक्ति यदि आग्रह को छोड़ देता है, तो स्थिति सुलझ जाती है। खींचने का अर्थ ही है समस्या का उलझना। इससे तो समस्या सुलझती नहीं।

सिल्वर इकोनॉमी अर्थात बुजुर्ग बने अर्थव्यवस्था की रीढ़

सनत जैन

भारत की अर्थव्यवस्था वर्तमान में एक दिलचस्प बदलाव के दौर से गुजर रही है। जहां अब तक देश की आर्थिक ऊर्जा का स्रोत युवा पीढ़ी को माना जाता था, वहीं अब वह तस्वीर बदलती नजर आई है। अर्थशास्त्री इसे सिल्वर इकोनॉमी का युग बता रहे हैं, यानी बुजुर्गों पर आधारित अर्थव्यवस्था। एक ओर कर्ज और उपभोक्तावाद में डूबे युवा हैं, तो दूसरी ओर स्थिर आय, बचत और विवेकपूर्ण खर्च के कारण बुजुर्ग वर्ग अर्थव्यवस्था की नई ताकत बनकर उभरा है। इस संबंध में बैंकिंग डेटा का उल्लेख किया जा सकता है, जिसमें यह बताया जा रहा, कि 2023 से 2025 के बीच 25 से 40 वर्ष के युवाओं का औसत कर्ज 42 प्रतिशत बढ़ा है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, आसान कर्ज की उपलब्धता और दिखावे की संस्कृति ने युवाओं की बचत खत्म कर दी है। मोबाइल, गाड़ियां, फैशन और ऑनलाइन शॉपिंग जैसी चीजों ने उनकी कमाई को ईएमआई अर्थव्यवस्था में बदल दिया है। नतीजे में युवा वर्ग कर्ज के बोझ तले दबता चला जा रहा है। आज का युवा उधारी के जाल में फंसकर आर्थिक रूप से अस्थिर हो गया है। इसके उलट, बुजुर्गों ने अपने जीवनकाल में आय का लगभग 25-30 प्रतिशत हिस्सा बचत के रूप में सुरक्षित रखा। रिजर्व बैंक के अनुसार, भारत की घरेलू बचत का लगभग 22 प्रतिशत हिस्सा 60 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों के पास है। रिटायरमेंट फंड, पेंशन, ब्याज और संपत्ति से उन्हें स्थिर आय मिल रही है। यही वजह है कि अब बाजार की नजर इस सिल्वर क्लास पर है। हेल्थकेयर, वेलनेस, बीमा, फार्मा, एस्टेट और टूरिज्म सेक्टर इस वर्ग को केंद्र में रखकर योजनाएं बना रहे हैं। लो-शुगर फूड्स, जॉइंट केयर उत्पाद, सीनियर-फ्रेंडली होम्स और तीर्थ यात्राओं जैसी सेवाएं तेजी से बढ़ी हैं। बुजुर्गों के लिए विशेष आवासीय सोसाइटियों की मांग में 28 प्रतिशत और वेलनेस टूरिज्म में 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। तकनीकी रूप से पहले पिछड़े माने जाने वाले बुजुर्ग अब डिजिटल अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन चुके हैं। यूपीआई पेमेंट, ऑनलाइन दवाइयों की खरीद, ई-हेल्थ कंसल्टेशन और डिजिटल निवेश में उनकी सक्रिय भागीदारी बढ़ी है। सिल्वर इकोनॉमी ने न सिर्फ बाजार को नया उपभोक्ता वर्ग दिया है, बल्कि डिजिटल ट्रांजेक्शन को भी बूस्ट किया है। दिलचस्प बात यह है कि जो बुजुर्ग पहले परिवारों पर आश्रित माने जाते थे, अब वही कई परिवारों की आर्थिक रीढ़ बन गए हैं। बच्चों की शिक्षा, घरेलू खर्च और स्वास्थ्य बीमा जैसे जिम्मेदारियों का बड़ा हिस्सा आज बुजुर्गों की पेंशन या जमा पूंजी के ब्याज से पूरा हो रहा है। उनके अनुभव और वित्तीय अनुशासन ने उन्हें आधुनिक भारत की आर्थिक स्थिरता का आधार बना दिया है। भारत सरकार ने भी इस बदलाव को पहचाना है। यही वजह है कि 2024 में जारी सिल्वर इकोनॉमी पॉलिसी फ्रेमवर्क के तहत बुजुर्गों के स्वास्थ्य, रोजगार और वित्तीय सुरक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। नीति आयोग का अनुमान है कि 2030 तक भारत की सिल्वर इकोनॉमी 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है, जिसमें सबसे बड़ा योगदान स्वास्थ्य, पर्यटन और वित्तीय सेवाओं का होगा। हालांकि इस परिवर्तन की एक चिंताजनक दिशा भी है, युवा वर्ग का बढ़ता कर्ज और घटती बचत। यदि यह प्रवृत्ति जारी रही, तो भविष्य में युवा आर्थिक रूप से बुजुर्गों पर निर्भर होते चले जाएंगे। इससे न सिर्फ आर्थिक बल्कि सामाजिक संतुलन पर भी असर पड़ेगा। बहरहाल भारत की सिल्वर इकोनॉमी आर्थिक परिवर्तन की कहानी है, जो यह दर्शाती है कि अनुशासन, बचत और स्थिरता कितनी दूर तक समाज को संभाल सकती है। इस बदलाव से सबक लेते हुए युवा पीढ़ी को अब यह जिम्मेदारी हो जाती है कि वह अपनी वित्तीय आदतों में सुधार लाए, और आय-बचत के बीच संतुलन स्थापित करे। यदि ऐसा हुआ, तो भारत न केवल सिल्वर इकोनॉमी का लाभ उठाएगा, बल्कि इसे स्वर्णिम अर्थव्यवस्था में बदल देगा, जहां अनुभव और ऊर्जा, दोनों मिलकर विकास की नई कहानी लिखेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से सुरक्षा और पशु कल्याण की दिशा में बड़ा कदम

कांतिलाल मांडोत

देश में बढ़ते सड़क हादसों, अव्यवस्था और पशु क्रूरता की घटनाओं के बीच सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आदेश दिया है कि वे राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों से आवारा पशुओं और आवारा कुत्तों को तुरंत हटाएं और उन्हें सुरक्षित आश्रयों में रखें। यह आदेश न केवल सड़क सुरक्षा से जुड़ा है बल्कि यह पशु-कल्याण, सार्वजनिक स्वच्छता और मानवीय संवेदना से भी गहराई से जुड़ा हुआ है।सुप्रीम कोर्ट ने 7 नवंबर 2025 को सुनवाई के दौरान कहा कि राज्य सरकारें, स्थानीय निकाय, एनएचएआई और सार्वजनिक निर्माण विभाग यह सुनिश्चित करें कि राजमार्गों, एक्सप्रेसवे और सार्वजनिक स्थलों पर कोई भी आवारा पशु या कुत्ता न दिखे।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इन पशुओं को मारना या दूर फेंकना नहीं, बल्कि उन्हें पशु आश्रयों में उचित देखभाल के साथ रखा जाए।संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही तय की जाएगी और इसका पालन करना जरूरी है। वरना अधिकारियों को व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाएगा।इस मामले में तीन हफ्ते से स्टेट रिपोर्ट और हलफनामा मांगने को कहा है।सड़को पर समूह में गाय और भैंसे बैठ जाती है।आवारा कुत्तों का आतंक भी देश के शहरों की गलियो और गांव के मोहल्ले में आवारा पशुओं के कारण दुर्घटना और आवारा कुत्तों के काटने की घटना अक्सर होती है।आवारा पशुओं के कारण यातायात प्रभावित होता है।इतना ही नहीं,आवारा पशु सड़क पर बैठे रहते है तो दुर्घटनाग्रस्त होते देखे गए है। पशुओ के हटाने का आदेश सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने पहले भी दिया है।राजमार्गो से पशुओ को हटाने के निर्देश और आवारा कुत्तों पर रोक लगाने का आदेश दिया गया था।आवारा कुत्तों की मौजूदगी से मुक्त करने का उद्देश्य विफल भी हुआ था।सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए प्रत्येक हाईवे के किनारे हेल्पलाइन नंबर और चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं ताकि कोई भी व्यक्ति तुरंत सूचना दे सके।

नगरपालिकाएं और पंचायतें मिलकर स्थायी आश्रय गृह बनाएं, जहां चिकित्सा, भोजन और सुरक्षा की उचित व्यवस्था हो। सड़क सुरक्षा और जनहित का पक्ष लेते हुए सुप्रीम ने निर्देश दिए है।हररोज दुर्घटना आवारा पशुओं के कारण होती है।भारत में सड़क दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण आवारा पशु और कुत्ते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने जिम्मेदारी तय कर रिपोर्ट देने का आदेश जारी किया है।जिसमे स्कूल,अस्पताल, बस स्टैंड से अगले आठ हफ्तों से आवारा कुते हटाना होगा।

भूटान में आवारा कुत्तों की नसबंदी के अभियान में सम्पूर्ण सफलता मिली है।उसी की तरह नीदरलैंड पहला यूरोपीय देश है, जहा सड़को पर आवारा कुत्ते नही है। भारत मे हर गांव में सैकड़ो कुत्ते मिल जाएंगे।जिनका कहर निर्दोष मासूमो पर बरपाया जाता है।क्योंकि नन्हे बच्चे कुत्तो का सामना नही कर सकते है।कभी कभी बड़े बुजुर्ग भी डॉग बाइट का शिकार होते हैं।

भारत में आवारा कुत्तों तथा अन्य मुक्त घूमने वाले पशुओं के हमले-दुर्घटनाएँ एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बन चुकी हैं। न सिर्फ काटने - हमले के कष्ट बल्कि रोग संक्रमण रेबीज और दुर्घटनाओं के रूप में इसका व्यापक प्रभाव है।

भारत में वर्ष 2024 में लगभग 3,717,336 37.17 लाख कुत्तों द्वारा काटे जाने की रिपोर्ट दर्ज हुई है। वर्ष 2023 में लगभग 30.43 लाख कुत्तों द्वारा काटे जाने के मामले थे, जिनमें 286 लोगों की मृत्यु हुई। एक अन्य सरकारी आंकड़े के अनुसार, वर्ष 2024 में कुत्तों द्वारा काटे जाने के लगभग 21.95 लाख मामले और अन्य जानवरों जैसे बन्दर आदि द्वारा लगभग 5.04 लाख मामले थे, तथा इस दौरान लगभग 48 लोगों की मौत हुई।

विशेष रूप से बच्चों की स्थिति चिंताजनक है । वर्ष 2024 में कुत्तों द्वारा काटे जाने वाले कुल मामलों में लगभग 5,19,704 मामले केवल 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के थे। हालांकि सरकार द्वारा 2024 के लिए अनुमानित कुल मानव रेबीज मृत्यु सिर्फ 54 बताई गई है।

लेकिन शोध एवं अन्य सर्वेक्षण बताते हैं कि वास्तविक मृत्यु संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है । भारत में हर साल लगभग 18,000-20,000 रेबीज मृत्यु होती हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि कुत्तों और अन्य आवारा पशुओं द्वारा काटे जाने की घटनाएँ लाखों में हैं, और इससे जुड़ी मृत्यु-दर तथा दुर्घटनाओं की संख्या चिंताजनक रूप ले रही है।आवारा कुत्तों की संख्या एवं मानवीय-पर्यावरणीय स्थिति चिंताजनक है। भारत में बड़े-बड़े शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की संख्या बहुत अधिक है। उदाहरण के लिए, एक सर्वेक्षण में बताया गया कि भारत में लगभग 6.2 करोड़ 62 मिलियनआवारा कुत्ते हो सकते हैं। कचरा प्रबंधन, खाद्य स्रोत, अनियंत्रित प्रजनन, और आवासीय-शहरी विस्तार जैसी स्थितियों ने इन जानवरों के मानव निवास के करीब आने की संभावना बढ़ा दी है।

कुत्तों एवं अन्य जानवरों द्वारा मानवों पर हमला या काटने की स्थितियाँ बढ़ रही हैं, विशेष रूप से बच्चों, वृद्धों और काम करने वाले लोगों में अधिक है। वर्ष 2024 में लगभग 60 घंटों में एक बार बच्चों द्वारा कुत्तों द्वारा काटे जाने की दर सामने आई थी।

इसके अलावा वाहन-दुर्घटनाएँ भी होती है।आवारा पशु अचानक सड़क पर आने से वाहन चालक अनियंत्रित हो सकते हैं या दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। विशेष रूप से रात में व ग्रामीण इलाकों में यह जोखिम अधिक है।

रेबीज-संक्रमण का खतरा कुत्तों द्वारा काटे जाने के बाद यदि समय पर एंटी-रेबीज टीकाकरण एवं पशु-क्षेत्र की निगरानी न हो तो मृत्युदर बहुत अधिक हो सकती है। रेबीज एक-बार लक्षण दिखने के बाद लगभग 100 % घातक है। भारत में रेबीज के लिए लक्षित कार्यक्रम चल रहे हैं लेकिन अभी तक स्थितियाँ लक्ष्य के अनुरूप नहीं हैं।

अधिकारियों द्वारा दर्ज की गयी संख्या व अनुमानित संख्या में अंतर है।सरकार द्वारा घोषित 54 मौतें और कुछ शोधों के अनुसार लगभग 5,700 अनुमानित मौतों के अंतर को लेकर चिंताएं हैं। वैक्सीनेशन और पशु-संख्या नियंत्रण में कमियों के कारण समस्या गंभीर है । भारत में 2024 तक एनीमल बर्थ कंट्रोल (अइड) नियम2023 जैसे निर्देश जारी किये गए लेकिन उनका क्रियान्वयन सुचारू नहीं है।

स्थानीय-शहरी-ग्रामीण भिन्नताएं है।शहरी क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का चयन, मानव-पशु संघर्ष अधिक देखा जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य-सुविधाओं की कमी जोखिम बढ़ाती है। दुर्घटनाओं की संख्या का स्पष्ट आंकड़ा नहीं मिलता है।जहाँ काटे जाने की संख्या उपलब्ध है, वाहन और अन्य प्रकार की दुर्घटनाओं जैसे वाहन-पशु टक्कर के कारणों व संख्या पर विश्वसनीय डेटा कम है।

जब एक आवारा कुत्ता काटता है, तब समस्या सिर्फ शारीरिक घाव तक सीमित नहीं रहती। इसके बाद ये स्थितियाँ उत्पन्न हो सकती हैं।काटे जाने से डर-चोट की वजह से लोगों का जीवन प्रभावित होता है खेल-कूद से दूर रहने, सामाजिक गतिविधियों में कमी आदि पर चिंतन किया जाना चाहिए। वाहन चलाते समय अचानक कुत्ता सड़क पर आ जाने से वाहन चालक फिसल सकते हैं, ब्रेक अचानक लगा सकते हैं, या टकराने-उछलने की वजह से दुर्घटना हो सकती है। शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य-व्यय बढ़ता है।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

क्या फिर टलेगी प्रभास की 'द राजा साहब' की रिलीज?

प्रभास की 'बाहुबली- द एपिक' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। यह फिल्म पिछली दोनों बाहुबली का मिश्रित वर्जन है। इस बीच फैंस प्रभास की मच अवेटेड फिल्म 'द राजा साहब' को लेकर भी काफी उत्साहित हैं। फिल्म का एक ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है, फिलहाल फिल्म को अगले साल मकर संक्रांति के मौके पर रिलीज किया जाना है। लेकिन इस बीच ऐसी खबरें सामने आ रही थीं कि फिल्म की रिलीज फिर से टल गई है। अब मेकर्स ने खुद सामने आकर इन खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए फिल्म की रिलीज को लेकर सच्चाई बताई है।

मेकर्स ने चर्चाओं को किया खारिज

पिछले हफ्ते कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया कि 'द राजा साहब' की रिलीज संक्रांति से आगे बढ़ा दी जाएगी, क्योंकि पोस्ट-प्रोडक्शन, खासकर वीएफएक्स में उम्मीद से ज्यादा समय लग रहा था। अब खबरों के लगातार फैलने पर मेकर्स ने एक ऑफिशियल बयान जारी कर इन खबरों को खारिज किया है। फिल्म के निर्माता टीजी विश्व प्रसाद ने प्रशंसकों और मीडिया से इस तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने का अनुरोध किया और ये कन्फर्म किया कि 'द राजा साहब' संक्रांति 2026 को रिलीज होगी।

9 जनवरी 2026 को ही रिलीज होगी फिल्म

मेकर्स की ओर जारी किए गए बयान में कहा गया कि रिबेल स्टार प्रभास की आगामी फिल्म 'द राजा साहब' की रिलीज को लेकर चल रही अटकलों के जवाब में टीम यह स्पष्ट करना चाहती है कि संक्रांति 2026 से फिल्म के रिलीज आगे बढ़ने की सभी खबरें सिर्फ अफवाह हैं। आधिकारिक घोषणा के अनुसार, 'द राजा साहब' 9 जनवरी 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पोस्ट-प्रोडक्शन का काम बिना किसी देरी के तेजी से आगे बढ़ रहा है। फिल्म को दर्शकों तक अच्छे तरीके से पहुंचाने के लिए हर विभाग मिलकर अच्छे से काम कर रहा है। फिल्म को उच्च स्तर पर बनाया जा रहा है। मेकर्स ने अंत में ये भी कन्फर्म किया कि जल्द ही फिल्म का प्रमोशन भी शुरू किया जाएगा। 'राजा साहब' एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। प्रभास एक लंबे वक्त बाद इस तरह की एंटरटेनर फिल्म में वापसी कर रहे हैं। मारुति द्वारा निर्देशित और लिखित इस फिल्म में प्रभास के अलावा संजय दत्त, मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल, ऋद्धि कुमार और बोमन ईरानी भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसे कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

दिल्ली क्राइम 3 में बड़ी दीदी का रोल कर खुश हैं हुमा कुरैशी

बताया शूटिंग का अनुभव

धांसू सीरीज 'दिल्ली क्राइम' के तीसरे सीजन का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है और नेटफ्लिक्स की सीरीज में हुमा कुरैशी ने निगेटिव रोल प्ले किया है। ट्रेलर में हुमा कुरैशी का रोल काफी प्रॉमिसिंग लग रहा है। पहले उन्होंने बेल बॉटम में निगेटिव रोल प्ले किया था, लेकिन अब अपनी एक्टिंग से 'दिल्ली क्राइम 3 सिर्फ देश में ही नहीं, बल्कि विदेश तक अपने काले व्यापार के तार बिछा रही हैं। हुमा ने ट्रेलर लॉन्च के दौरान शूटिंग से जुड़े अपने अनुभव को भी शेयर किया। मंगलवार को दिल्ली क्राइम 3 सीरीज का शानदार ट्रेलर लॉन्च किया गया, जहां हुमा कुरैशी ने सीरीज से जुड़े अपने अनुभव को शेयर किया। हुमा ने मीडिया से अपने कोस्टार शेफाली शाह की तारीफ करते हुए कहा, टीम के सभी लोगों ने बहुत अच्छा काम किया है, मुझे महसूस ही नहीं हुआ कि मैं इस टीम के लिए नई हूं। मेरे लिए इस टीम का हिस्सा बनना गर्व की बात है। उन्होंने आगे कहा कि सेट पर सभी ने मेरा स्वागत किया। बता दें कि हुमा कुरैशी पहली बार सीरीज का हिस्सा बनी हैं। इससे पहले दो सीजन में शेफाली शाह, रसिका दुग्गल, राजेश तैलंग, जया भट्टाचार्य और अनुराग अरोड़ा थे, लेकिन इस बार सयानी गुप्ता और मीता वशिष्ठ भी तीसरे सीजन का हिस्सा बनी हैं। सीरीज के ट्रेलर की बात करें तो सीरीज में भौकाल से ज्यादा सस्पेंस और क्राइम है। हुमा ने सीरीज में बड़ी दीदी का रोल प्ले किया है, जो बच्चियों की तस्करी करती है। हुमा गैंग के साथ लड़कियों को नौकरी का बहाना देकर किडनैप करती है और फिर बाहर विदेशों में बेच देती है, लेकिन डीएसपी वर्तिका चतुर्वेदी यानी शेफाली शाह गुत्थी को सुलझाने के लिए टीम का गठन करती हैं और गैंग को पकड़ने की कोशिश करती हैं, लेकिन इस बार क्राइम सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के अलग-अलग राज्यों और विदेश तक फैला है। सीरीज में बड़ी दीदी और पुलिस के बीच चूहे-बिल्ली का खेल देखने को मिल रहा है। ट्रेलर से साफ है कि सीरीज धमाकेदार होने वाली है, लेकिन इसे देखने के लिए फैंस को थोड़ा इंतजार करना होगा क्योंकि सीरीज 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

रानी चटर्जी ने शुरू की अपनी नई फिल्म यूपी वाली-बिहार वाली की शूटिंग

भोजपुरी सिनेमा की क्वीन और अपने बयानों को बेबाकी से रखने वाली एक्ट्रेस रानी चटर्जी सोशल मीडिया की भी रानी हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया के जरिए फैंस को पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ की जानकारी देती हैं। अब उन्होंने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है। रानी चटर्जी ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की, जिसमें नए सेट पर हुई पूजा-पाठ दिख रही है। पूजा-पाठ के बीच एक फिल्मबोर्ड रखा है, जिसपर लिखा है, यूपी वाली-बिहार वाली। यह एक्ट्रेस की नई फिल्म का नाम है, जिसकी शूटिंग रानी ने शुरू कर दी है। फिल्म में रानी के अलावा और कौन-कौन हैं, इसे लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। इससे पहले रानी ने परिणय सूत्र की शूटिंग पूरी की है और गैंगस्टर इन बिहार में भी दिखने वाली है। गैंगस्टर इन बिहार का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, लेकिन अभी तक फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

रानी चटर्जी की कई बैक-टू-बैक फिल्में यूट्यूब पर रिलीज हो चुकी हैं। यूट्यूब पर रानी की अम्मा, जय मां संतोषी, मायके की टिकट कटा दे पिया, पिया ब्यूटी पार्लर, सास बहू वाली स्वर्गलोक और चुलमखोर बहुरिया मौजूद हैं। फिल्मों के साथ-साथ रानी अपनी फिटनेस पर भी बराबर ध्यान देती हैं। वे घंटों जिम में पसीना बहाकर अपना वजन कंट्रोल कर रही हैं। रानी ने खुद बताया था कि फिल्मों की शूटिंग में बिजी होने की वजह से वो अपनी फिटनेस पर ध्यान नहीं दे पा रही थीं, जिसकी वजह से उनका वजन काफी बढ़ गया।

द फैमिली मैन सीजन 3 का हिस्सा बनने पर निमरत ने कहा मैंने अपना परिवार चुना है

द फैमिली मैन सीजन 3 इस महीने के अंत में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने को तैयार है। निर्माताओं ने शो का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर में दर्शकों को इस सीजन की कहानी की एक झलक मिल गई है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में सीरीज के कलाकार मौजूद रहे। इन कलाकारों ने सीरीज का हिस्सा बनने पर अपनी बात रखी है।

निमरत ने परिवार को चुना

द फैमिली मैन सीजन 3 का हिस्सा बनने पर निमरत कौर ने कहा कहा जाता है कि आप जन्म लेना नहीं चुन सकते। आप मरना नहीं चुन सकते। आप अपने परिवार को नहीं चुन सकते। लेकिन मैं कह सकती हूं कि मैंने अपना परिवार चुना है।

सीरीज की स्टारकास्ट

शो में प्रियामणि, शारिब हाशमी, अश्लेषा ठाकुर, वेदांत सिन्हा, श्रेया धनवंतरी और गुल पनाग भी हैं। फैमिली मैन सीजन 3 का प्रीमियर 21 नवंबर 2025 को प्राइम वीडियो पर होगा।

सीरीज का हिस्सा बनने पर बोले जयदीप अहलावत

ट्रेलर लॉन्च के मौके पर द फैमिली मैन सीजन 3 का हिस्सा बनने पर जयदीप अहलावत ने कहा मैं राज और डीके का बहुत आभारी हूं। इस सफर के शुरुआत में उन्होंने हमें पाताल लोक में लिया और सात के आखिर में द फैमिली मैन में। इसमें मनोज बाजपेयी भी हैं।

जयदीप ने मनोज के पैर छुए

सोशल मीडिया पर ट्रेलर लॉन्च इवेंट का एक वीडियो वायरल है। इसमें जयदीप अहलावत ने मनोज बाजपेयी के पैर छू लिए। फिर मनोज ने उन्हें उठाकर गले लगा लिया। दोनों ने हाथ मिलाया। इसके बाद दोनों ने हंसते हुए फोज दिए।

मनोज बाजपेयी के साथ हिंदी फिल्म में काम करेंगे राणा दग्गुबाती

'बाहुबली' फेम अभिनेता व निर्माता राणा दग्गुबाती की प्रोडक्शन कंपनी 'स्पिरिट मीडिया' ने अपनी पांच आगामी फिल्मों की घोषणा कर दी है। सबसे खास बात कि इस लिस्ट में राणा दग्गुबाती के प्रोडक्शन हाउस की पहली हिंदी फिल्म भी शामिल है। इसमें बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी नजर आएंगे।

बेन रेखी करेंगे निर्देशन

राणा दग्गुबाती के स्पिरिट मीडिया की पहली हिंदी फिल्म अरविंद अडिगा के लोकप्रिय उपन्यास 'लास्ट मैन इन टावर' का रूपांतरण होगी। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी प्रमुख भूमिका में होंगे। इस फिल्म का निर्देशन अमेरिकी निर्देशक बेन रेखी करेंगे, जिन्होंने पहले आश्रम (2018) और बॉब बिस्ट (2019) का निर्देशन किया था।

राणा दग्गुबाती ने जताई खुशी

अपने प्रोडक्शन हाउस की पहली हिंदी फिल्म और मनोज बाजपेयी के साथ करने पर राणा दग्गुबाती ने कहा कि मुझे लास्ट मैन इन टावर के रूपांतरण के साथ स्पिरिट के हिंदी प्रोडक्शन की शुरुआत की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। हमारी पहली हिंदी फिल्म के लिए इससे बेहतर टीम नहीं हो सकती थी। कांथा, लास्ट मैन इन टावर का रूपांतरण और अन्य फिल्में जिन्हें हम अलग-अलग क्षमताओं में सहयोग दे रहे हैं, इन सभी ने हमें अलग-अलग क्रिएटिव टीमों निर्देशकों, लेखकों और प्रोड्यूसर्स के साथ काम करने का मौका दिया है।

मनोज बाजपेयी ने की राणा दग्गुबाती की तारीफ

मनोज बाजपेयी ने फिल्म को लेकर कहा कि राणा दग्गुबाती के स्टूडियो के साथ इसके पीछे उद्देश्य और समर्थन की एक मजबूत भावना है। ईमानदार कहानी कहने में उनका विश्वास फिल्म को वह जगह और आत्मविश्वास देता है, जिसकी वह हकदार है। बेन रेखी के साथ काम करना एक बहुत ही संतोषजनक अनुभव रहा है।

14 नवंबर को रिलीज स्पिरिट मीडिया की पहली फिल्म 'कांथा'

मनोज बाजपेयी स्टारर इस हिंदी फिल्म की घोषणा स्पिरिट मीडिया की पहली होम प्रोडक्शन फिल्म 'कांथा' की रिलीज से पहले हुई है। जिसमें दुलकर सलमान होंगे और इसका निर्देशन सेल्वामणि सेल्वराज ने किया है। तमिल पीरियड-ड्रामा थ्रिलर 'कांथा' 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। स्पिरिट मीडिया की लिस्ट में तीन तेलुगु फिल्में भी शामिल हैं। इनमें 'डार्क चॉकलेट', 'साइके सिद्धार्थ' और 'प्रेमंते' भी शामिल हैं।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा फरवरी में करेंगे शादी? उदयपुर में बजेगी शहनाई

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा को लेकर हाल ही में सगाई की खबरें आईं। अब दोनों की शादी की तारीख भी चर्चा हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा कथित तौर पर 26 फरवरी, 2026 को उदयपुर में शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की सगाई की खबरों के बाद अब उनकी शादी की चर्चा तेज हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टॉलीवुड की सबसे चहेती जोड़ियों में से एक रश्मिका और विजय अब से चार महीने बाद शादी के पवित्र बंधन में बंधने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका और विजय की शादी करीब चार महीने बाद 26 फरवरी, 2026 को राजस्थान के उदयपुर स्थित एक आलीशान महल में होने की खबर है। हालांकि शादी को लेकर दोनों में से किसी की ओर से कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं है। वैसे, दोनों की शादी की खबर सुनकर ही फैन्स में इस जोड़ी को लेकर उत्सुकता काफी बढ़ गई है।

विजय के हैदराबाद वाले घर पर हुई सगाई?

यहां बताते चलें कि दोनों एक्टर्स के करीबी सूत्र ने मीडिया को ये जानकारी दी थी कि उनकी सगाई 3 अक्टूबर, 2025 को विजय के हैदराबाद वाले घर पर हुई। इस समारोह को काफी इंटीमेट और भव्य बताया गया था, जिसमें केवल परिवार के सदस्य और कुछ करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। रश्मिका के अलावा विजय की टीम का बयान हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म थामा के एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान, रश्मिका से उनकी सगाई की अफवाहों के बारे में पूछा गया। रश्मिका ने शरमाते हुए जवाब दिया, सबको इस बारे में पता है। इससे फैन्स काफी उत्साहित हो गए। इसके साथ ही विजय की ओर से किसी सूत्र ने ये बताया है कि दोनों अगले साल शादी करने की प्लानिंग कर रहे हैं। इसी के साथ उन्हें लेकर फरवरी में शादी समारोह की अटकलों को बल मिला है।

दोनों पहली बार कब मिले

बता दें कि रश्मिका और विजय की पहली बार गीता गोविंदम (2018) के सेट पर मिले थे। दोनों की जबरदस्त केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। वहीं इसके बाद डियर कॉमरेड (2019) में वे फिर से साथ आए। इस फिल्म ने जहां उनके ऑन-स्क्रीन रिश्ते को मजबूत किया, वहीं कहते हैं कि उनका ऑफ-स्क्रीन रोमांस की इसी फिल्म से शुरू हुआ। अगर फरवरी में शादी सच में होती है तो ये साल 2026 में होनेवाली बड़ी शादियों में से एक होगी। यहां उदयपुर में होनेवाली शादी में रश्मिका और विजय की साउथ इंडियन जोड़ी और रीति-रिवाजों में राजस्थान की शाही भव्यता का तड़का नजर आएगा।

रश्मिका की पहले भी हुई थी सगाई

यहां बता दें कि रश्मिका विजय के साथ इस रिश्ते में आगे बढ़ने से पहले एक टूटे हुए रिश्ते का दर्द झेल चुकी हैं। दरअसल रश्मिका की साल 2017 में एक्टर रक्षित शेट्टी से सगाई हुई थी। वहीं अगले साल दोनों की सगाई टूट गई।

'हम अभी उस स्थिति में नहीं हैं' : आगामी टी20 विश्व कप पर गौतम गंभीर का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के मामले में अभी उस स्थिति में नहीं है जहां वह पहुंचना चाहती है लेकिन उन्होंने इसके साथ ही कहा कि इस मुकाम पर पहुंचने के लिए टीम के पास अभी पर्याप्त समय है।

गंभीर ने 'बीसीसीआई डॉट टीवी' से बातचीत में फिटनेस के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस को अगले स्तर पर ले जाने की जरूरत है क्योंकि खिताब बचाने की तैयारी भारत घरेलू मैदान पर कर रहा है। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसा ड्रेसिंग रूम है जहां बहुत अधिक पारदर्शिता और ईमानदारी है। हम चाहते हैं कि यह ड्रेसिंग रूम आगे भी ऐसा ही बना रहे।'

उन्होंने कहा, 'फिटनेस के नजरिए से मुझे लगता है कि टी20 विश्व कप से पहले हम अभी उस मुकाम पर नहीं पहुंचे हैं जहां पहुंचना चाहते हैं। यही बात हमने खिलाड़ियों से भी की है। हम पूरी तरह से चुस्त-दुरुस्त रहना चाहते हैं। हम फिट रहना चाहते हैं। हम तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं। भारतीय कोच ने कहा, 'हम जितने ज्यादा फिट होंगे, मानसिक रूप से उतने ही मजबूत होंगे। क्योंकि दबाव वाले मैच और दबाव वाली स्थिति में आप जितने ज्यादा शारीरिक रूप से मजबूत होंगे, मानसिक रूप से भी उतने ही मजबूत होंगे। हमारे पास अभी भी तीन महीने हैं।'

टी20 विश्व कप अगले साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। भारत इस प्रतियोगिता का मौजूदा चैंपियन है। गंभीर ने हाल ही में भारत के एशिया कप के विजयी अभियान के दौरान पावरप्ले में जसप्रीत बुमराह से तीन ओवर कराने के पीछे के तर्क पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'बहुत से लोग इस टी20 टीम को एक बेहद आक्रामक बल्लेबाजी क्रम के रूप में देखते हैं। मेरे हिसाब से, पहले छह ओवरों में जसप्रीत बुमराह से तीन ओवर गेंदबाजी कराना और भी आक्रामक विकल्प था। हम ऐसी टीम नहीं बनना चाहते जिसकी पहचान सिर्फ आक्रामक बल्लेबाजी क्रम हो। हम एक ऐसी टीम बनना चाहते हैं जो कुल मिलाकर एक आक्रामक टीम के रूप में जानी जाए।'

उन्होंने कहा, 'हम इस विकल्प को आजमा कर परखना चाहते थे कि इससे हमें भविष्य में क्या परिणाम मिल सकते हैं। मुझे लगता है कि एशिया कप में यह हमारे लिए वाकई अच्छा रहा है क्योंकि पावरप्ले में शुरुआती तीन ओवर में उनकी शानदार गेंदबाजी से हम मैच में दबदबा बनाने में कामयाब रहे।' गंभीर ने कहा, 'हमारे पास वरुण (चक्रवर्ती) और कुलदीप (यादव) के रूप में बीच के ओवरों में विकेट लेने वाले दो अच्छे विकल्प हैं। मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही आक्रामक कदम था।'

गंभीर के कोच बनने के बाद से भारत आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करना पसंद करता रहा है। मुख्य कोच ने कहा कि यह भी जरूरी है कि टीम के पास सात से आठ गेंदबाजी विकल्प हों और यह तभी संभव है जब शिवम दुबे, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर जैसे ऑलराउंडरों को एकादश में शामिल किया जाए।

उन्होंने कहा, 'टीम में जितने ज्यादा हरफनमौला होंगे, उतना ही अच्छा होगा। यह एक ऐसी चीज है जो महत्वपूर्ण है। कम विकल्पों की तुलना में अधिक विकल्प होना हमेशा बेहतर होता है। इसलिए पहले भी कई बार हमने छह गेंदबाजी विकल्पों के बारे में सोचा है और इस टी20 टीम में हमारे पास सात या आठ गेंदबाजी विकल्प हैं, जो हमेशा

महत्वपूर्ण होता है।'

गंभीर ने कहा, 'पिछले कई वर्षों से हम इस बारे में बात करते रहे हैं कि हमारे पास ऐसे खिलाड़ी कैसे हो सकते हैं जो हमें कुछ ओवर गेंदबाजी कर सकें। वह चाहे टी20 मैच हो या 50 ओवर का मैच। अब हम ऐसे खिलाड़ी तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं जो जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी और मध्यक्रम या मैच के अलग-अलग चरणों में बल्लेबाजी भी कर सकें। ऐसे में मुझे लगता है कि इस तरह के विकल्प होना हमेशा अच्छा होता है।'

गंभीर ने इसके साथ ही खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का अच्छी तरह से अहसास कराने और उन्हें समझाने के लिए उनके सामने मुश्किल चुनौतियों को रखने की बात भी दोहराई। उन्होंने कहा, 'हम खिलाड़ियों के सामने जितना संभव हो सके उतनी कड़ी चुनौती रखते हैं। हमने शुभमन (गिल) को नियुक्त किया गया था।' गिल ने कप्तान के रूप में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला में शानदार बल्लेबाजी की। उनकी अगुवाई में भारतीय टीम ने श्रृंखला 2-2 से बराबर की। इस श्रृंखला के सभी मैच रोमांचक रहे और प्रत्येक मैच पांचवें दिन तक खिंचा था।

धोनी ने प्रशंसक की मोटरसाइकिल के टैंक पर दिया ऑटोग्राफ, प्रशंसक बोला अब मेरी गाड़ी करोड़ों की हुई

रांची (एजेंसी)। भारतीय भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को संन्यास लिए काफी समय हो गया है पर अभी भी वह प्रशंसकों के दिलों में छाये हुए हैं। हाल ही में एक प्रशंसक की रॉयल एनफील्ड इंटरसेप्टर 650 पर धोनी ने ऑटोग्राफ दे दिया। इससे उत्साहित ये प्रशंसक बोला की अब मेरी तीन लाख की बाइक तीन करोड़ की हो गयी है।

वीडियो में धोनी इस प्रशंसक की लाल रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल की प्रशंसा करते हैं। इसके बाद वह पेट्रोल टैंक पर अपने ऑटोग्राफ देते हैं। वहीं जाने से पहले उन्होंने प्रशंसक से कहा, 'चल के रिपोर्ट देना।'

प्रशंसक की मोटरसाइकिल पर धोनी के ऑटोग्राफ वाला वीडियो तत्काल ही हिट हो गया। इसे कई हजारों बार देखा गया। धोनी ने भी इस क्लिप पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'गाड़ विद माही?'

धोनी के हस्ताक्षर की कीमत के बारे में बात करते हुए, एक व्यक्ति ने कहा, 'बाइक की कीमत 3 लाख से बढ़कर 30 करोड़ पहुंच गयी है।' धोनी खेल के साथ ही कारों और विंटेज बाइक्स के खासे शौकीन हैं। उन्हें अक्सर तौर पर कूल और विंटेज वाहनों की सवारी करते देखा गया है। उनके रांची स्थित घर का गैराज एक से बढ़कर एक वाहनों से भरा पड़ा है।

धोनी अपने करियर के शुरुआती दिनों से ही बाइक्स का कलेक्शन करते रहे हैं। उनके फार्महाउस में एक गैराज आधुनिक बाइक्स से भरा पड़ा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 2011 विश्व कप विजेता टीम कप्तान के सुपरबाइक्स के कलेक्शन में कावासाकी निंजा एच2, कॉन्फेडरेट एक्स132 हेलकैट, कावासाकी निंजा जेडएक्स-14आर, हार्ले डेविडसन फैटबॉय, डुकाटी 1098, यामाहा आरडी350, यामाहा राजदूत, सुजुकी शोगुन, यामाहा थंडरकैट, बीएसए गोल्डस्टार, नॉर्टन जुबली 250 और टीवीएस अपाचे आरआर 310 शामिल हैं।

वहीं धोनी को हाल ही में रांची में एक विंटेज रोल्स-रॉयस में घूमते हुए देखा गया था. धोनी खेल से संन्यास के बाद भी आईपीएल खेलते हैं और माना जा रहा है कि वह 2026 सत्र में भी खेलेंगे।

जुरेल को टेस्ट में नंबर तीन पर मिल सकता है अवसर

-दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो शतक लगाकर चर्चाओं में आये

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने भारत ए की ओर से जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी की है। उससे उन्हें कोच गौतम गंभीर नंबर तीन पर अवसर दे सकते हैं। भारतीय टीम पिछले काफी समय से तीसरे नंबर पर एक ऐसे बल्लेबाज की तलाश कर रही है जो लंबी पारी खेल सके। इस जगह पर साई सुदर्शन सहित कई खिलाड़ियों को आजमाया गया पर अब तक कोई भी सफल नहीं रहा है। अनुभवी चेतेश्वर पुजारा के बाद से ही इस नंबर पर भारतीय टीम को कोई भी भरोसेमंद बल्लेबाज नहीं मिला है। अब जिस प्रकार से जुरेल ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दूसरे मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया है। उससे अंदाजा होता है कि वह बड़ी पारी खेलने में सक्षम है। दोनों पारियों में दक्षिण अफ्रीका ए के गेंदबाजों का समझदारी से सामना किया। पहली पारी में जब भारत ए टीम मुश्किल में आई तो जुरेल ने उसे संभाला। उसके बाद दूसरी पारी में भी शानदार शतक लगाया। शुरुआत से ही जुरेल बेहद संयमित नजर आये।

'यहां की खराब एयर क्वालिटी को पचा पाना मुश्किल है', दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर ने जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर जॉन्टी रोड्स ने दिल्ली में बढ़ते एयर पॉल्यूशन पर चिंता जताई है। रोड्स ने अपने एक्स अकाउंट (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में लिखा, 'आज शाम दिल्ली जाते समय दिल्ली से गुजर रहा था, और हमेशा की तरह यहां की खराब एयर क्वालिटी को पचा पाना मुश्किल है। मैं शुक्रगुजार हूं कि मैं साउथ गोवा के एक छोटे से मछली पकड़ने वाले गांव में रहता हूं।'

क्रिकेट इतिहास के महानतम फील्डरों में से एक माने जाने वाले रोड्स का भारत से गहरा रिश्ता रहा है, जहां वे अब अपने परिवार के साथ गोवा में रहते हैं। उनकी पोस्ट में न सिर्फ उनकी पर्सनल परेशानी बल्कि राजधानी में बिगड़ते पर्यावरण के हालात के बारे में भी चिंता झलकती है जिसमें उन्होंने दिल्ली के घने स्मॉग की तुलना गोवा के साफ-सुथरे, शांत माहौल से की है।

फैंस और फॉलोअर्स ने तुरंत उनकी

पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए उनके विचारों से सहमति जताई और दिल्ली के गंभीर एयर क्वालिटी संकट से निपटने के लिए सख्त पर्यावरण नीतियों की मांग की। दूसरों ने रोड्स के शहरी भीड़भाड़ से दूर रहने के फैसले की तारीफ की और मछली पकड़ने वाले गांव में एक सिंपल, प्रकृति-आधारित जीवन शैली को पसंद करने के लिए उनकी सराहना की। दिल्ली की एयर क्वालिटी इस सीज़न में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। शहर में स्मॉग की मोटी चादर छाई हुई है और तापमान सामान्य से काफी नीचे गिर गया है। जैसे-जैसे पॉल्यूशन का लेवल बिगड़ता गया, सोमवार को माता-पिता और बच्चे इंडिया गेट पर इकट्ठा हुए और सरकार से राजधानी के जहरीले हवा के संकट से निपटने के लिए तुरंत कार्रवाई करने की अपील की। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (CPCB) के डेटा के अनुसार, दिल्ली में सोमवार को इस सीज़न की सबसे खराब एयर क्वालिटी दर्ज की गई। सुबह 7 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 354 था - जिसे 'बहुत खराब' कैटेगरी में रखा गया है - जिससे शहर 'रेड जोन' में आ गया है। यह रविवार के 390 के स्तर से सिर्फ मामूली सुधार था, जो भी इसी कैटेगरी में आता था।

रणजी मैच में विरोध टीम के खिलाड़ियों से बहस करते दिखे थे वैभव, प्रशंसक बोले, विराट की राह पर चल रहे

नई दिल्ली। 14 साल के उभरते हुए क्रिकेट वैभव सूर्यवंशी अपनी शानदार बल्लेबाजी के साथ ही आक्रामक व्यवहार के कारण भी विवादों में घिर गये हैं। पटना में हाल ही में हुए रणजी ट्रॉफी 2025-26 के मैच में वैभव अपनी बल्लेबाजी की जगह पर विकेटकीपर से झगड़े के कारण निशाने पर आ गये हैं। ये मैच बिहार और मेघालय के बीच हुआ था। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें देखा गया कि वैभव की मेघालय के विकेटकीपर अर्पित भाटेवारा और गेंदबाजों के साथ बहस हो गयी जिस कारण अंपायरों को बीच में आना पड़ा। अंपायरों के हस्तक्षेप और साथी बल्लेबाज के समझाने के बाद ही वैभव वापस क्रीज पर आ गये। वैभव की इस आक्रमकता को देखकर प्रशंसक उनकी तुलना विराट कोहली से करने लगे हैं, उनका मानना है कि ये बल्लेबाज भी विराट के नक्शेकदम पर है। विराट को भी अपने आक्रामक रवैये के लिए जाना जाता है। वह भी विरोधियों के जवाब उन्हीं के अंदाज में देते हैं। कोहली के निडर और आक्रामक रवैये टीम टीम पर काफी प्रभाव पड़ा है। अब अधिकतर खिलाड़ी आक्रामक अंदाज अपनाते हैं। मेघालय के खिलाफ मुकाबले में वैभव ने 93 रन बनाये थे। इस मैच में पहले दो दिन बारिश के कारण खेल नहीं हो पाया था। इस मैच में वैभव ने केवल 33 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया था हलांकि वह अपना शतक नहीं पूरा कर पाये।

मोहम्मद शमी की वापसी की संभावना पड़ सकती है मुश्किल, इग्लैंड में खेलने से किया था इनकार

नई दिल्ली। मोहम्मद शमी ने मौजूदा रणजी ट्रॉफी में 93 ओवर गेंदबाजी कर ली है लेकिन भारत के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक का दोबारा टेस्ट क्रिकेट में खेलना मुश्किल लग रहा है और उनकी वनडे टीम में भी नीली जर्सी पहनने की संभावना कम ही दिख रही है। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने भारत की तरफ से अपना अखिरी मैच इस साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था लेकिन

उसके बाद से उन्हें किसी भी प्रारूप की टीम में नहीं चुना गया। वह 2023 में वनडे विश्व कप के बाद एड़ी की चोट के कारण लंबे समय तक खेल से बाहर रहे थे। उन्हें इस चोट से निजात पाने के लिए सर्जरी करानी पड़ी थी। वर्तमान समय में भारतीय क्रिकेट जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है उसे देखते हुए ऐसी संभावना नहीं लगती है कि शमी तीनों प्रारूपों में अब तक खेले गए 197 अंतरराष्ट्रीय मैचों में और मैच जोड़ पाएंगे। वह टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों में ही राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में पिछड़ गए हैं क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा और आकाशदीप के रूप में भारत के पास अच्छे विकल्प हैं। ऐसा लगता है कि उनके लिए अब केवल एक दिवसीय क्रिकेट ही बचा है। अगला वनडे विश्व कप 2027 में होगा और तब तक शमी 37 साल के हो जाएंगे। ऐसे में भारतीय टीम एक उम्र दराज तेज गेंदबाज को की टीम में रखने का जोखिम नहीं उठाएगी क्योंकि शमी का करियर चोटों से जुड़ा रहा है, जिसमें घुटने की समस्या भी शामिल है। शमी राष्ट्रीय चयनकर्ताओं से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं और उन्होंने खुलकर कहा है कि चयनकर्ताओं ने उनसे कोई बातचीत नहीं की है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र हालांकि ऐसा नहीं मानते हैं।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स में अपनी जगह पक्की करने उतरेंगे लक्ष्य सेन

कुमामोटो (जापान) (एजेंसी)। चोट से उबरने के बाद एचएस प्रणॉय एक महीने के अंतराल के बाद मंगलवार से शुरू हो रहे कुमामोटो मास्टर्स जापान 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में राष्ट्रीय टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। वहीं लक्ष्य सेन अच्छा प्रदर्शन कर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स में अपनी जगह पक्की करने मैदान में उतरेंगे।

बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणॉय आखिरी बार सितंबर में कोरिया ओपन में खेले थे, जहां चोट के कारण मैच से हटने के बाद उन्हें पहले राउंड में ही बाहर होना पड़ा था। 33 साल के प्रणॉय के लिए 2025 का सीजन मुश्किल रहा है। वह अपने 14 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर में से किसी में भी दूसरे राउंड से आगे नहीं बढ़ पाए हैं, और इस दौरान उन्हें आठ बार पहले राउंड में ही बाहर

होना पड़ा है।

लक्ष्य सेन कुमामोटो मास्टर्स जापान में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करेंगे ताकि उन्हें सीजन के आखिर में होने वाले वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने में मदद मिल सके। लक्ष्य, सीजन के आखिर में होने वाले टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने वाले एकमात्र भारतीय एकल खिलाड़ी हैं। कल से शुरू हो रहे टूर्नामेंट में लक्ष्य सेन पहले दौर में जापान के कोकी वतानबे की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। वहीं प्रणय मलेशिया के जुन हाओ लियोंग के खिलाफ मैदान में उतरेंगे।

आयुष शेट्टी इस साल यूएस ओपन जीतकर बीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने वाले एकमात्र भारतीय हैं, वे भी किरण जॉर्ज और तरुण मन्नेपल्ली के साथ जापान में पुरुष एकल ड्रॉ में हैं। इसके अलावा 17 साल की तन्वी शर्मा ... भटोसे महिला एकल में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं और वह क्वालिफायर से शुरुआत करेंगी। रोहन कपूर और रुथ्विका शिवानी गद्दे की मिश्रित युगल जोड़ी ही देश की एकमात्र युगल चुनौती पेश करेगी। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रुथ्विका शिवानी गद्दे का मुकाबला अमेरिका की प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गई की जोड़ी से होगा।

महिला जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा, ज्योति सिंह को मिली कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने चिली के सैंटियागो में 25 नवंबर से 13 दिसंबर तक होने वाले एफआईएच महिला जूनियर विश्व कप 2025 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की है। इस टीम की अगुवाई ज्योति सिंह करेंगी, जबकि टीम की कोचिंग की जिम्मेदारी पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तुषार खांडेकर निभाएंगे।

घोषित टीम में 18 मुख्य खिलाड़ी और 2 वैकल्पिक खिलाड़ी शामिल हैं। खांडेकर ने कहा, 'मैं टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। अनुशासन हमारा मुख्य सिद्धांत है। खिलाड़ियों ने पिछले कुछ महीनों में जबरदस्त मेहनत की है और खेल में उल्लेखनीय सुधार दिखाया है।'

भारत को पूल-सी में रखा गया है और टीम अपना अभियान 1 दिसंबर को नामीबिया के खिलाफ शुरू करेगी। इसके बाद भारत 3 दिसंबर को जर्मनी और 5 दिसंबर को आयरलैंड से भिड़ेगा। पूल की शीर्ष टीमें 7 से 13 दिसंबर के बीच होने वाले नॉकआउट चरण में जगह बनाएंगी।

खांडेकर ने कहा, 'टीम पूरी तरह तैयार और उत्साहित है। लड़कियां विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम

गोलकीपर: निधि, एंजिल हर्षा रानी मिंज

डिफेंडर: मनीषा, लालथनलुआंगी, साक्षी शुक्ला, पूजा साहू, नंदिनी

मिडफील्डर: साक्षी राणा, इबिमर, सुनेलिता टोप्पो, ज्योति सिंह, खैदेम शिलेमा चानू, बिनिमा धान

फॉरवर्ड: सोनम, पूर्णिमा यादव, कनिका सिवाच, हिना बानो, सुखवीर कौर

वैकल्पिक खिलाड़ी: प्रियंका यादव, पार्वती टोपनो।

अतुलदीप को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के वाणिज्य विभाग में कार्यरत अतुलदीप ने 01 नवम्बर से 08 नवम्बर,2025 तक नई दिल्ली के शिवाजी स्टेडियम में आयोजित 35वें लाल बहादुर शास्त्री हॉकी टूर्नामेंट में टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। वह भारतीय रेलवे टीम के लिए खेलते हैं, जिसने एयर फ़ोर्स स्पोर्ट्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले के बाद चैंपियनशिप का खिताब जीता है। 35वें लाल बहादुर शास्त्री हॉकी टूर्नामेंट का हाल ही में समापन हुआ, जिसमें एक पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया, जिसमें खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार और युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी पुरस्कार रु.11,000/- का नकद पुरस्कार गुरुग्राम के श्री राज कुमार यादव द्वारा प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम को एसबीआई, अमूल, इफको, जिंदल पावर और डालमिया जैसे संगठनों द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस प्रतियोगिता में वायु सेना हॉकी टीमें सहित बारह टीमों ने भाग लिया था। मंडल रेल प्रबंधक,वाराणसी आशीष जैन एवं मंडलीय अधिकारियों ने अतुल दीप की इस उपलब्धी के लिए बधाई दी है। उल्लेखनीय है की अतुल दीप विगत नौ वर्षों से भारतीय रेलवे एवं उत्तर प्रदेश की हाकी टीम में पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल की तरफ से प्रतिभाग करते हुए लगातार मेडल प्राप्त कर रहे हैं।

बाबर आजम सबसे तेजी से 15000 रन बनाने वाले पहले पाकिस्तानी बल्लेबाज बने

पाक ने तीसरे एकदिवसीय में दक्षिण अफ्रीका को हराया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 15000 रन पूरे कर लिए हैं। बाबर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में ये उपलब्धि हासिल की है। अब वह 15000 रन बनाने वाले पाक के पांचवें बल्लेबाज बने हैं हलांकि उन्होंने यह आंकड़ा 370 पारियों में ही हासिल कर लिया। अब वह सबसे तेजी से 15000 रन बनाने वाले पहले पाक क्रिकेटर बन गये हैं। इससे पहले इंजमाम-उल-हक, यूनिस खान, मोहम्मद यूसुफ और जावेद मियांदाद ने भी ये आंकड़ा हासिल किया था। बाबर से पहले पाक ही अन्य बल्लेबाजों को इतने रनों तक पहुंचने के लिए 400 से 550 पारियां खेलनी पड़ी थीं। बाबर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में 32 गेंद में 27 रन बनाये। अब तक 329 मैचों में बाबर ने 45.46 की औसत से 15004 रन बनाए हैं, जिसमें 31 शतक और 104 अर्धशतक शामिल हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 196 है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 37.5 ओवर में ही 143 रन पर आउट हो गयी। पाक की ओर से अबरार अहमद ने 27 रन देकर चार विकेट लिये जबकि शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद नवाज और आगा सलमान ने दो-दो विकेट लिए। इसके बाद पाकिस्तान ने 25.1 ओवर में ही तीन विकेट पर 144 रन बनाकर ये मैच जीत लिया है। वहीं इससे पहले पाक टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में फख्र जमान को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये बाबर आजम ने सैम अयूब के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 रन बनाये। इसके बाद बाबर 27 रनों पर बदकिस्मती से रन आउट हो गये। ऐसे में मोहम्मद रिजवान ने सैम अयूब के साथ 65 रनों बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। अयूब ने 70 गेंदों में 11 चौके और एक छक्का लगाते हुए 77 रन बनाये।

ऋचा घोष के नाम पर बनेगा क्रिकेट स्टेडियम, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने की घोषणा

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट की उभरती सितारा ऋचा घोष को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक ऐतिहासिक घोषणा की है। उन्होंने बताया कि दार्जिलिंग में बनने वाले नए क्रिकेट स्टेडियम का नाम 'ऋचा घोष क्रिकेट स्टेडियम' रखा जाएगा। यह सम्मान 22 वर्षीय सिलीगुड़ी की इस खिलाड़ी को उनके शानदार विश्व कप प्रदर्शन की याद में दिया जा रहा है। ऋचा ने 2025 महिला विश्व कप में भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। यह फैसला न केवल उनकी उपलब्धियों का सम्मान है, बल्कि महिला क्रिकेट को नई ऊंचाई देने का प्रतीक भी बनेगा।

ममता बनर्जी की घोषणा और भावनात्मक संबोधन

कोलकाता में आयोजित एक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ऋचा घोष की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा, 'ऋचा सिर्फ 22 साल की है, लेकिन उन्होंने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। बंगाल सरकार चाहती है कि आने वाली पीढ़ियां उनके संघर्ष और सफलता से प्रेरणा लें।' ममता ने बताया कि दार्जिलिंग में करीब 27 एकड़ जमीन पर एक आधुनिक क्रिकेट स्टेडियम बनाया जाएगा और इसे ऋचा घोष के नाम समर्पित किया जाएगा। उन्होंने नगर निगम के मेयर को इस परियोजना की विस्तृत योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए हैं।

सिलीगुड़ी में हीरो की तरह हुआ स्वागत

2 नवंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका पर भारत की 52 रन की ऐतिहासिक जीत के बाद ऋचा जब अपने गृहनगर सिलीगुड़ी लौटीं, तो उनका शानदार स्वागत हुआ। सड़कों पर हजारों प्रशंसकों ने उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (कैब) के अध्यक्ष सौरव गांगुली भी मौजूद थे, जिन्होंने राज्य सरकार के साथ मिलकर ऋचा को सम्मानित किया। गांगुली और झूलन गोस्वामी ने उन्हें सोने की परत चढ़ा हुआ बैट और बॉल भेंट किया। पश्चिम बंगाल सरकार ने ऋचा को बंग भूषण पुरस्कार, एक सोने की चेन और डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी)" के पद से नवाजा, यह उनके योगदान की अद्भुत पहचान है।

'भविष्य की भारतीय कप्तान': गांगुली ने की प्रशंसा

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने ऋचा की बल्लेबाजी और संयम की तारीफ करते हुए कहा कि वह भारतीय क्रिकेट का भविष्य है। गांगुली ने कहा, 'ऋचा में कप्तानी की सभी खूबियां आत्मविश्वास, अनुशासन और निर्णायक मानसिकता है। आने वाले समय में वह भारतीय महिला टीम की कप्तान बन सकती हैं।'

विश्व कप में दमदार प्रदर्शन

ऋचा घोष का 2025 महिला विश्व कप शानदार रहा। उन्होंने अपनी टीम के लिए कई अहम पारियां खेलीं, जिनमें सबसे यादगार थी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 94 रनों की पारी, जब भारत का स्कोर 102 पर छह विकेट था। उनकी बल्लेबाजी ने मैच का पासा पलट दिया और भारत को फाइनल की राह पर आगे बढ़ाया।

संक्षिप्त समाचार

ताइवान की उपराष्ट्रपति ने पहली बार यूरोपीय संघ की संसद में दिया भाषण, चीन ने दे डाली चेतावनी

ब्रसेल्स , एजेंसी। ताइवान की उपराष्ट्रपति शियाओ बी खिम ने यूरोपीय संघ की संसद को संबोधित किया। यह ताइवान सरकार के किसी भी शीर्ष नेता का किसी विदेशी संसद में दिया गया पहला भाषण है। यही वजह है कि चीन की सरकार ने इसके प्रति कड़ी नाराजगी जाहिर की है। चीन ने चेतावनी देते हुए यूरोपीय संघ से एक चीन की नीति का पालन करने को कहा है। गौरतलब है कि चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। यूरोपीय संघ भी एक चीन सिद्धांत का समर्थक रहा है, लेकिन अब ताइवान की उपराष्ट्रपति का यूरोपीय संघ की संसद को संबोधित करना एक बड़े बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिकी एयरलाइनों ने फिर 1000 से ज्यादा उड़ानें की रद्द

वाशिंग्टन, एजेंसी। अमेरिकी एयरलाइनों ने शनिवार को फिर 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। यह सरकारी बंद के कारण हवाई यातायात कम करने के संघीय आदेश प्रशासन के आदेश का दूसरा दिन था। अब तक देश के कई व्यस्ततम हवाई अड्डों पर मंदी के कारण व्यापक व्यवधान नहीं हुआ है। लेकिन इसने देश के सबसे लंबे संघीय बंद के प्रभाव को और गहरा कर दिया है। उड़ान व्यवधानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के अनुसार, एफएए की मंदी के पहले दो दिनों में 1,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुई हैं। शनिवार, जो आमतौर पर धीमी यात्रा का दिन होता है। उत्तरी कैरोलिना के शार्लोट हवाई अड्डे पर सबसे ज्यादा असर पड़ा, जहां दोपहर तक 120 आने और जाने वाली उड़ानें रद्द हो गईं। अटलांटा, शिकागो, डलास, डेनवर और ऑरलैंडो, फ्लोरिडा के हवाई अड्डे सबसे ज्यादा बाधित रहे। शार्लोट और न्यू जर्सी के नेवार्क में कर्मचारियों की कमी के कारण भी यातायात धीमा रहा।

इंडोनेशियाई पुलिस ने मस्जिद हमले के संदिग्ध और नफरती समूहों के बीच संबंधों की जांच की तेज

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशियाई पुलिस ने एक हाई स्कूल में मस्जिद पर हमले के 17 वर्षीय संदिग्ध के घर से विस्फोटक पाउडर और लेख जब्त किए हैं। इस हमले में कई छात्र घायल हुए। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पुलिस उसके घृणा फैलाने वाले समूहों से संभावित संबंधों की जांच कर रही है। राष्ट्रीय पुलिस प्रमुख लिस्टियो सिगित ने पीड़ितों से मिलने के बाद बताया कि संदिग्ध जकार्ता में शुक्रवार को हुए विस्फोट में घायल हुए 54 लोगों में शामिल था और अभी भी अस्पताल में भर्ती है। संदिग्ध उन दो छात्रों में से एक था, जिनकी विस्फोटों में लगी चोटों की सर्जरी हो रही थी। सिगित ने कहा, ‘‘संदिग्ध की हालत में सुधार हुआ है, और उम्मीद है कि उसके ठीक होने के बाद उससे पूछताछ करना हमारे लिए आसान हो जाएगा।’’ उन्होंने आगे कहा कि पुलिस के पास अभी केवल एक ही संदिग्ध है।

स्वीडन में रूसी व्यापार प्रतिनिधिमंडल के विला पर ड्रोन से पेंट और अज्ञात चिपचिपा पदार्थ गिराया

स्टॉकहोम , एजेंसी। पुलिस ने बताया कि शनिवार तड़के स्टॉकहोम के बाहर एक द्वीप पर स्थित रूसी व्यापार प्रतिनिधिमंडल के विला के ऊपर से एक ड्रोन उड़ा और उड़ने से पहले इमारत पर पेंट और एक अज्ञात चिपचिपा पदार्थ गिरा दिया। स्टॉकहोम क्षेत्रीय पुलिस की प्रेस सचिव ओला ओस्टरलिंग के अनुसार, किसी को चोट नहीं आई और विला को खाली नहीं कराया गया। ओस्टरलिंग ने बताया कि व्यापार प्रतिनिधिमंडल के कर्मचारियों ने स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 5:30 बजे ड्रोन को देखा और उससे पेंट और एक अज्ञात पदार्थ से भरा एक कंटेनर गिराया। इसके बाद उन्होंने स्टॉकहोम क्षेत्रीय पुलिस को फोन किया। ओस्टरलिंग ने बताया कि जांचकर्ताओं ने विश्लेषण के लिए पदार्थ के नमूने लिए और तोड़फोड़ व उत्पीड़न का मामला दर्ज किया। अधिकारियों ने ड्रोन नहीं देखा, लेकिन इसे देखने वाले कर्मचारियों से पूछताछ की। यह स्पष्ट नहीं है कि इस घटना के पीछे कौन था।

यूएई : फहद अल गर्गावी विदेश व्यापार मंत्रालय के अवर सचिव नियुक्त

दुबई , एजेंसी। राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने फहद अल गर्गावी को विदेश व्यापार मंत्रालय का अवर सचिव नियुक्त करते हुए एक संघीय आदेश जारी किया है। फहद अल गर्गावी ने मोहम्मद बिन राशिद सेंटर फॉर लीडरशिप डेवलपमेंट से स्नातक की उपाधि प्राप्त की है और कई नेतृत्वकारी पदों पर कार्य किया है। उन्होंने दुबई निवेश विकास एजेंसी (दुबई एफडीआई) के सीईओ, दुबई विदेशी निवेश कार्यालय (डीएफआई) के सीईओ और दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में व्यापार एवं उद्योग विकास विभाग के सीईओ का पद संभाला है।

अमेरिका के एतिहासिक दौरे पर पहुंचे अहमद अल शरा, 1946 के बाद किसी सीरियाई राष्ट्रपति का पहला यूएस दौरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल शरा अमेरिका के दौरे पर पहुंचे हैं। यह दौरा बेहद ऐतिहासिक है क्योंकि साल 1946 के बाद पहली बार कोई सीरियाई राष्ट्रपति अमेरिका के आधिकारिक दौरे पर वॉशिंगटन पहुंचे हैं। सीरियाई राष्ट्रपति का अमेरिका दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब अमेरिका ने सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल शरा का नाम आतंकवादी सूची से एक दिन पहले ही हटाया है।

सोमवार को होगी ट्रंप से मुलाकात : सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल शरा वॉशिंगटन में सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। इससे पहले जब मई में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब का दौरा किया था, उस वक्त सऊदी अरब के रियाद शहर में भी ट्रंप की अहमद अल शरा से मुलाकात हुई थी। सीरिया में अमेरिका के राजदूत टॉम बराक ने उम्मीद जताई कि अहमद अल शरा के इस अमेरिका दौरे पर सीरिया की सरकार, आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व वाले गुट में शामिल होने के समझौते पर हस्ताक्षर कर सकती है।

शरा का नाम आतंकवादी सूची से हटा : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका, सीरियाई राजधानी दमिश्क के पास एक सैन्य अड्डा बनाने की योजना बना रहा है। इस सैन्य अड्डे का मकसद मानवीय सहायता के काम में समन्वय बताया जा रहा है। अमेरिका के विदेश विभाग ने पुष्टि की है कि अहमद अल शरा को आतंकवादी सूची से हटा दिया गया है क्योंकि शरा ने सीरिया में लापता अमेरिकियों का पता लगाने और बचे हुए रासायनिक हथियारों को खत्म करने की सहमति दी है। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भी अहमद अल शरा पर लगे प्रतिबंधों को हटा लिया था, जिसके बाद शरा ने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा को भी संबोधित किया। ऐसा करने वाले भी शरा पहले सीरियाई राष्ट्रपति हैं।

आतंकी संगठन अल कायदा से रहा है जुड़ाव : अहमद अल शरा के पूर्व के संगठन हयात तहरीर अल-शाम (हयात) का खूंखार आतंकी संगठन अल-कायदा से जुड़ाव था। यही वजह थी कि अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने शरा का नाम आतंकवादी सूची में डाला हुआ था। हालांकि बाद में शरा सक्रिय राजनीति में उतरे और बीते साल बशर अल असद के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया। सत्ता संभालने के बाद से, शरा और सीरिया के नए नेतृत्व ने खुद को अपने उग्रवादी अतीत से दूर कर सीरियाई लोगों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने एक अधिक उदार छवि पेश करने की कोशिश की है।

बांग्लादेश में कानून-व्यवस्था दुरुस्त करे सरकार: एनसीपी : ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अगले वर्ष फरवरी में चुनाव होने हैं लेकिन कानून व्यवस्था की स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है। नए राजनीतिक दल, नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के एक शीर्ष नेता ने अंतरिम सरकार से इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है। पार्टी के संयुक्त संयोजक खालिद सैफुल्लाह ने कहा, एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सरकार का कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर बहुत गंभीर होना जरूरी है।

आतंकवाद के खिलाफ अभियान में तेजी लाएगी नाइजीरियाई सेना : अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के नए सेना अध्यक्ष ने देश के उत्तरी हिस्से में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान में तेजी लाने का वादा किया है। यह वादा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस धमकी के बाद किया गया, जिसमें एक नंवबर को उन्होंने कहा था कि अगर नाइजीरिया ने देश में ईसाइयों पर हमले नहीं रोके तो अमेरिकी सेना को इसमें शामिल होना पड़ेगा। सेना अध्यक्ष, लेफ्टिनेंट जनरल वैदी शाइबू नेसैनिकों को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह नया अभियान सफल होना ही चाहिए।

ताइवान के साथ सुरक्षा संबंधों को बढ़ावा दे ईयू : हिसयाओ : ताइपे, एजेंसी। ताइवान की उपराष्ट्रपति बी-खिम हिसयाओ ने यूरोपीय संघ (ईयू) से स्वायत्त द्वीप राष्ट्र के साथ सुरक्षा और व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने व चीन से बढ़ते खतरों के मद्देनजर इसके लोकतंत्र का समर्थन करने का आग्रह किया है। ब्रसेल्स में शुक्रवार को विभिन्न देशों के सांसदों के एक समूह को संबोधित करते हुए हिसयाओ ने कहा, ताइवान जलडमरूमध्य में शांति वैश्विक स्थिरता और आर्थिक निरंतरता के लिए आवश्यक है।

पुर्तगाल में मजदूरों का प्रदर्शन: नई श्रम नीतियों के खिलाफ सड़कों पर हजारों लोग, 11 दिसंबर को हड़ताल का एलान

लिस्बन, एजेंसी। पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन की सड़कों पर शनिवार को हजारों लोग उतर आए। ये सभी केंद्र-दक्षिणपंथी सरकार की नई श्रम सुधार नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। यह विरोध देश के प्रमुख मजदूर संघ द्वारा आयोजित किया गया था, जिसने सरकार से इन प्रस्तावित सुधारों को तुरंत वापस लेने की मांग की है। यूनियन का कहना है कि ये नीतियां कामगारों के अधिकारों को कमजोर करेंगी और उनके रोजगार को असुरक्षित बनाएंगी।

न्यूनतम वेतन समेत कई मांग : सरकार के प्रस्तावित कानूनों में कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की प्रक्रिया आसान करने की बात कही गई है। वहीं, स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए लचीले कार्य समय की अवधि घटाने और गर्भपात के बाद शोक अवकाश कम करने जैसे प्रावधानों को लेकर भी लोगों में नाराजगी है। इस समय पुर्तगाल में न्यूनतम वेतन 870 यूरो (लगभग 790,000 प्रति माह) है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि इसे 2026 तक बढ़ाकर 1,050 यूरो (लगभग 71.08 लाख) किया जाए।

11 दिसंबर को पूरे देश में आम हड़ताल की चेतावनी : प्रधानमंत्री लुईस मोंटेनेग्रो की अगुवाई वाली डेमोक्रेटिक अलायंस सरकार का कहना है कि ये सुधार देश की उत्पादकता और रोजगार बाजार की लचीलापन बढ़ाने के लिए जरूरी है।

हालांकि, विरोधियों का कहना है कि ये सुधार सिर्फ कंपनियों को फायदा पहुंचाएंगे और कामगारों की सुरक्षा को कम करेंगे। प्रदर्शन आयोजकों ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने ये प्रस्ताव नहीं हटाए, तो 11 दिसंबर को पूरे देश में आम हड़ताल की जाएगी।

गाजा में मरने वालों का आंकड़ा 69 हजार के पार

गाजा , एजेंसी। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इस्राइल-हमास युद्ध में अब तक 69 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। ये आंकड़े ऐसे समय जारी किए गए, जब इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम की शर्तों के तहत शवों का आदान-प्रदान हुआ। इनमें इस्राइल के हमलों में मारे गए फलस्तीनियों के शव और हमास की कैद में मारे गए इस्राइली बंधकों के शव शामिल हैं। इस्राइल ने शनिवार को 15 और फिलिस्तीनियों के शव गाजा को लौटा दिए, जबकि एक दिन पहले ही हमास ने एक इस्राइली बंधक के शव को इस्राइल को लौटाया था। इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान के अनुसार, शव की पहचान लियोर रुडाएफ के रूप में हुई है। यह आदान-प्रदान संघर्ष विराम के शुरुआती चरण का मुख्य हिस्सा है, जिसके तहत हमास को सभी बंधकों के शव जल्द से जल्द लौटाने होंगे।

रूस का केए-226 हेलिकॉप्टर जमीन से टकराया, 5 लोगों की मौत : मास्को, एजेंसी। रूस के दागेस्तान राज्य में 7 नवंबर को एक रूसी केए-226 हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। हेलिकॉप्टर नियंत्रण से बाहर होने के कारण जमीन से टकरा गया। मरने वालों में एक ही इलेक्ट्रो मैकेनिकल प्लांट के 4 कर्मचारी शामिल हैं। कंपनी ने 8 नवंबर को यह जानकारी दी। हादसे का कारण अभी पता नहीं चला है। हेलिकॉप्टर दागेस्तान के अच्ची-सू गांव के पास कैस्पियन सागर क्षेत्र में गिरा।

रूसी सरकारी मीडिया ने पहले बताया था कि यह हेलिकॉप्टर पर्यटकों को ले जा रहा था। केईएमजेड एक रक्षा कंपनी है जो हवाई उपकरण बनाती है। मरने वालों में प्लांट के डिप्टी जनरल डायरेक्टर भी शामिल हैं। हेलिकॉप्टर का फ्लाइट मैकेनिक भी मारा गया। वहीं, दो लोग घायल हुए हैं। केईएमजेड पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगाए हैं क्योंकि यह यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में शामिल है। केए-226 एक ट्विन-इंजन हेलिकॉप्टर है जो 7 यात्रियों को ले जा सकता है।

फिलीपींस में फंग-वोंग तूफान, 50 हजार परिवार सुरक्षित जगह भेजे गए; सरकार ने किया आपातकाल घोषित

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस हाल के दिनों प्रकृति के दोहरे प्रकोप से जूझ रहा है। हाल ही में आए टाइफून कल्मेगी में 200 से ज्यादा लोगों की मौत के बाद अब देश पर सुपर टाइफून फंग-वोंग का खतरा मंडरा रहा है। यह इस साल का सबसे शक्तिशाली तूफान बताया जा रहा है, जो रविवार को देश के उत्तर-पूर्वी तटों से टकराने लगा है। मौसम विभाग के मुताबिक, फंग-वोंग की रफ्तार 185 किमी प्रति घंटा तक है, जबकि हवा के झोंके 230 किमी प्रति घंटा तक पहुंच रहे हैं। इसका प्रभाव 1,600 किलोमीटर के दायरे में फैल सकता है यानी यह दक्षिण-पूर्व एशिया के दो-तिहाई हिस्से को प्रभावित कर सकता है।

देशव्यापी आपात स्थिति घोषित : सरकार ने देशव्यापी आपात स्थिति घोषित कर दी है। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने

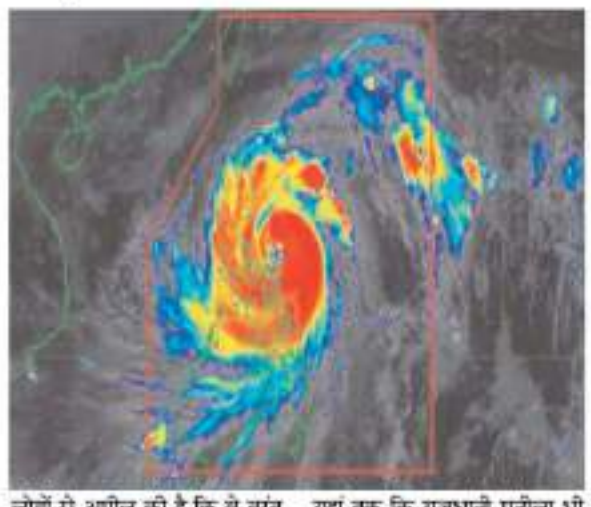

लोगों से अपील की है कि वे तुरंत सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। रक्षा मंत्री गिल्बर्टो टियोडोरो जूनियर ने चेतावनी दी कि यह तूफान देश के कई हिस्सों में तबाही मचा सकता है, जिसमें सेबू, औरोरा, इसाबेला और यहां तक कि राजधानी मनीला भी शामिल है। उन्होंने कहा जब बारिश शुरू हो जाएगी या तूफान पूरी तरह आ जाएगा, तब लोगों को बचाना बेहद मुश्किल हो जाएगा। इसलिए अभी निकलना ही सबसे सुरक्षित विकल्प है। अब तक लगभग 50,000 परिवारों को बिकोल क्षेत्र से निकाला गया है, जहां समुद्र किनारे और ज्वालामुखी मायोन के पास भूस्खलन और मडफ्लो का खतरा बना हुआ है। 6,600 यात्री और कर्मचारी बंदरगाहों पर फंसे हुए हैं क्योंकि कोस्ट गार्ड ने समुद्र में किसी भी जहाज के जाने पर रोक लगा दी है। फिलीपींस हर साल करीब 20 तूफानों की चपेट में आता है, साथ ही यहां अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट भी होते रहते हैं। यह दुनिया के सबसे अधिक आपदा-प्रवण देशों में से एक माना जाता है।

ब्राजील में तेज हवाओं और भारी बारिश से तबाही-स:इमारतें ढही, सड़कें टूटी, 6 मौतें

ब्रासीलिया/ मनीला, एजेंसी। ब्राजील के दक्षिणी राज्य पराना में शुक्रवार देर रात तेज हवाओं और भारी बारिश के साथ आए तूफान ने भारी तबाही मचाई। राज्य सरकार के अनुसार, इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है। सबसे ज्यादा नुकसान रियो बोनिटो डो इगुआकू शहर में हुआ। वहां आधे से अधिक घरों की छतें उड़ गईं, कई इमारतें ढह गईं, सड़कें बंद हो गईं और बिजली की लाइनें टूट गईं। इस हादसे में अब तक 437 लोग घायल हुए हैं। वहीं, लगभग 1000 लोग बेघर हो गए। मौसम विभाग के अनुसार हवा की गति 180 से 250 किलोमीटर प्रति घंटा तक थी। दूसरी ओर फिलीपींस में

रविवार को फंग-वोंग सुपर टाइफून के कारण भारी बारिश, तेज हवाएं चलीं। इसके चलते फिलीपींस के पूर्वी और उत्तरी इलाकों से 1.5 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। वहां ऊंची समुद्री लहरों के लिए चेतावनी जारी कर दी गई है।

फिलीपींस में तूफान से 300 उड़ानें रद्द : फिलीपींस के बड़े हिस्से में चेतावनी जारी कर दी गई है। जिनमें सिग्नल संख्या 5 (सबसे ऊंची चेतावनी है) दक्षिण-पूर्वी लूजोन में जारी की गई है। इसमें कैटनडुआनस और कैमरिन्स नॉर्टे और कैमरिन्स सुर के तटीय क्षेत्र शामिल हैं। वहीं, मेट्रो मनीला और आसपास के क्षेत्र सिग्नल संख्या 3 के अंदर हैं। तूफान की रफ्तार 185 किमी प्रति घंटा से 230 किमी प्रति घंटा है।

यह रात तक मध्य लुजोन के औरोरा प्रांत में दस्तक दे सकता है। यहां भारी बारिश, तेज हवाएं और समुद्री लहरों का खतरा है। कई इलाकों में बिजली गुल हो चुकी है। 300 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। कुछ दिन पहले ही टाइफून कलमेगी ने फिलीपींस में 204 लोगों की जान ली थी और वियतनाम में 5 की मौत हुई थी। वहां मछली पकड़ने की नावें और कई लॉग्जटर फार्म तबाह हो गए।

लापरवाही ने ले ली कई जानें: पुलिस से बचने को भगाई कार, बार में घुसकर भीड़ को रौंदा; चार की मौत, 11 घायल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल यहां एक युवक ने पुलिस से बचने के लिए कार दौड़ाई, लेकिन तेज गति के चलते वह कार पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार बार में घुस गई। कार ने बार में बैठे लोगों को रौंद दिया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हुए हैं।

पुलिस से बचने के लिए भगाई कार, जिससे हादसा हुआ : घटना फ्लोरिडा के टेम्पा शहर की है। यह शहर अपनी नाइट लाइफ और पर्यटन के लिए मशहूर है। टेम्पा पुलिस ने बताया कि पुलिस की एक पेट्रोल यूनिट ने देर रात करीब 12.40 बजे एक सेडान कार को खतरनाक तरीके से ड्राइविंग के लिए रोकने की कोशिश की, लेकिन कार सवार ने पुलिस को देखकर स्पीड और बढ़ा दी और वहां से भागने की कोशिश की। जब पुलिस ने कार का पीछा किया तो एक जगह कार सवार गाड़ी पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार अनियंत्रित होकर एक भीड़भाड़ वाले बार में घुस गई। कार की टक्कर से चार लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए।

आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज : पुलिस ने बताया कि संदिग्ध की पहचान 22 साल के सिलास सिंपसन के रूप में हुई है। आरोपी कार ड्राइवर घटना से पहले एक अन्य जगह स्ट्रीट रेसिंग करते हुए देखा गया था। जब दोबारा पुलिस ने उसे खतरनाक तरीके से कार चलाते देखा तो उसका पीछा किया। इसी हड़बड़ी में आरोपी कार पर नियंत्रण नहीं रख सका। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में 11 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। आरोपी युवक को गिरफ्तार कर हिल्सबोरो काउंटी जेल भेज दिया गया है। आरोपी के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाकर जान लेने, पुलिस से बचकर भागने और चकमा देने के आरोप लगाए गए हैं।

एक कमरे के किराए के घर से बंगले में शिफ्ट होंगे ममदानी! मेयर बनते ही जीवन में आया बड़ा बदलाव

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी अपनी पत्नी रामा दुवाजी के साथ एक कमरे के किराए के मकान में रहते हैं। इस मकान की स्थिति ऐसी है कि उसमें सीवेज के चलते कई बार पानी भर जाता है, लेकिन अब मेयर चुनाव में जीत के साथ ही ममदानी की जिंदगी में बड़ा बदलाव आया है और अब वे किराए के मकान से एक शानदार बंगले में शिफ्ट हो सकते हैं। यह शानदार बंगला न्यूयॉर्क मेयर का आधिकारिक आवास है, जो अपनी लग्जरी, शानदार वास्तुकला के लिए जाना जाता है।

मेयर के बंगले में शिफ्ट होने पर क्या बोले ममदानी : न्यूयॉर्क रेडियो के साथ बातचीत में ममदानी ने संकेत दिए थे कि अब उन्हें एक कमरे का मकान छोटा पड़ता है। हालांकि अभी तक ममदानी ने तय नहीं किया है कि वे मेयर के बंगले में शिफ्ट करेंगे या नहीं। न्यूयॉर्क मेयर का आधिकारिक आवास जिसे ग्रेसी मैंशन के नाम से जाना जाता है, वह 11 हजार वर्ग फुट में फैला है, जिनमें खूबसूरत झूमर, शानदार दरवाजे और एक बड़ा सा बगीचा है, जिसमें सेब के पेड़ लगे हैं। साथ ही सब्जियां उगाने के लिए भी एक अलग बगीचा है। एक हालिया इंटरव्यू में ममदानी ने कहा कि मुझे अभी नहीं पता कि मैं कहां रहूंगा, लेकिन मुझे इतना पता है कि मैं सिटी हॉल से काम करूंगा।

हालिया घोषित मेयर चुनाव में जीते ममदानी : हाल ही में घोषित हुए न्यूयॉर्क मेयर के चुनाव नतीजों में 34 वर्षीय जोहरान ममदानी ने शानदार जीत दर्ज की। जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम और पहले भारतीय अमेरिकी मेयर हैं। जोहरान का जन्म युगांडा की राजधानी कंपाला में हुआ था। उनके माता-पिता भारतीय मूल के हैं। जोहरान की मां मीरा नायर एक मशहूर फिल्म निर्माता हैं, जिन्होंने मानसून वेडिंग, द नेमसेक और मिसिसिपी मसाला जैसी

अंतरराष्ट्रीय फिल्मों का निर्देशन किया है। उनके पिता महमूद ममदानी कोलंबिया यूनिवर्सिटी में मानव विज्ञान के प्रोफेसर हैं। राजनीति में जोहरान का असली आगाज 2020 में हुआ, जब वो न्यूयॉर्क विधानसभा के लिए चुने गए। क्वींस के एस्टोरिया इलाके से विधायक बनने के बाद उन्होंने बसों में मुफ्त सफर करने की योजना लागू करवाई और इस्राइल की बस्तियों को समर्थन देने वाले संगठनों पर रोक लगाने का प्रस्ताव भी रखा। यहीं से ममदानी की लोकप्रियता बढ़ती गई। 33 वर्षीय जोहरान का चुनावी एजेंडा प्रगतिशील और वामपंथी है। वह अमीरों पर टैक्स बढ़ाने, सरकारी स्तर पर किराना स्टोर खोलने और प्रवासियों के अधिकारों के लिए लड़ने का वादा कर रहे हैं। हालांकि, इससे कारोबारी वर्ग और रियल एस्टेट लॉबी नाराज है।

तंजानिया : प्रदर्शनों पर विपक्षियों नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

डोडोमा, एजेंसी। तंजानिया में पिछले महीने विवादित मतदान केंद्रों के आसपास हुए हिंसक प्रदर्शनों को लेकर विपक्षी नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए हैं। इनमें चाडेमा की संचार निदेशक ब्रेंडा रुपिया और महासचिव जॉन मन्यिका भी शामिल हैं। इनके अलावा, सैकड़ों लोगों पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया है। इस कार्रवाई से पूर्वी अफ्रीकी देश में राजनीतिक तनाव में और बढ़ गया है। चाडेमा, तंजानिया की प्रमुख विपक्षी पार्टी है। इसके नेता टुंडू लिस्सु को कई महीनों की जेल हुई है। उन पर कभी देशद्रोह के आरोप हैं।

यूपी के सभी स्कूलों, कॉलेजों में अनिवार्य होगा 'वंदे मातरम्' का गान

गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के सभी विद्यालयों में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' का गायन अनिवार्य किए जाने का ऐलान किया है। गोरखपुर में सोमवार को 'एकता यात्रा' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के प्रति सम्मान का भाव होना चाहिए। उत्तर प्रदेश के हर विद्यालय और हर शिक्षण संस्थान में हम इसका गायन अनिवार्य करेंगे।' उन्होंने कहा कि इससे उत्तर प्रदेश के हर नागरिक के मन में भारत माता के प्रति, अपनी मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव जागृत हो सकेगा। आदित्यनाथ ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, 'कुछ लोगों के लिए आज भी भारत की एकता और अखंडता से बढ़कर उनका मत और मजहब हो जाता है। उनकी व्यक्तिगत निष्ठा महत्वपूर्ण हो जाती है। वंदे मातरम के विरोध का कोई औचित्य नहीं है।'

जंतर-मंतर पर व्यक्ति ने खुद को गोली मार की आत्महत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोमवार को एक व्यक्ति ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सुबह करीब 9:00 बजे, दिल्ली पुलिस द्वारा लगाए गए मेटल डिटेक्टर गेट के पास स्थित एक चाय की दुकान के पास। बता दें कि मृतक की पहचान अभी तक नहीं हुई है। पुलिस मौके पर मौजूद है, घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई है। मामला दर्ज कर पुलिस आत्महत्या की परिस्थितियों की पुष्टि के लिए जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के महिपालपुर में एक 23 वर्षीय महिला की बिजली की रॉड से पानी गर्म करते समय करंट लगने से मौत हो गई। रविवार रात आठ बजकर 19 मिनट पर पुलिस को सूचना मिली। मणिपुर की 23 वर्षीय महिला। महिला बाथरूम में बेहोश पाई गई, उसके हाथ में बिजली की रॉड थी। जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आई तो उसकी दोस्त ने पुलिस को फोन किया। यह बिजली का करंट लगने का मामला प्रतीत होता है और पुलिस को अभी तक किसी गड़बड़ी की आशंका नहीं है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सफदरजंग अस्पताल के शवगृह ले जाया गया है।

ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने धार्मिक स्थलों से अवैध लाउडस्पीकरों को हटाया गया

लखनऊ (एजेंसी)। ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए लखनऊ पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान में धार्मिक स्थलों (मस्जिदों और मंदिरों) से अवैध लाउडस्पीकरों को हटाया गया है। धार्मिक स्थलों पर लगे अनधिकृत साउंड सिस्टम (लाउडस्पीकरों) को हटाना। यह अभियान योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा 2022 में शुरू की गई राज्यव्यापी पहल (ध्वनि नियंत्रण एवं विनियमन अभियान) का हिस्सा है। पुलिस की टीमों ने वजीरगंज की मस्जिदों (मौलसरी मस्जिद, मलका जमानी मस्जिद, गुड़न रोड मस्जिद) और मंदिरों (बटुक भैरव मंदिर) का दौरा किया। अधिकारियों ने धार्मिक नेताओं को कानून के बारे में जानकारी दी और शांतिपूर्वक तथा आपसी सहमति से अनधिकृत लाउडस्पीकरों को हटाने में मदद की।

राज्यव्यापी आंकड़े (2022 से)- उत्तर प्रदेश भर में 1,00,000 से ज्यादा अवैध लाउडस्पीकर हटाए जा चुके हैं। 1,50,000 से ज्यादा लाउडस्पीकरों की आवाज ध्वनि प्रदूषण मानदंडों के अनुपालन में कम की गई है। इस अभियान का प्राथमिक उद्देश्य ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करना और तेज आवाज वाले लाउडस्पीकरों पर प्रतिबंध लगाने वाले कानूनी दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना है। यह अभियान उत्तर प्रदेश सरकार के ध्वनि नियंत्रण एवं विनियमन अभियान के तहत पूरे राज्य में कानून का समान रूप से क्रियान्वयन करने पर केंद्रित है।

कठुआ में आतंकियों से संबंध के आरोप में दो एसपीओ बर्खास्त

कठुआ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकियों के साथ संबंध रखने के आरोप में दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) की सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि दोनों एसपीओ, अब्दुल लतीफ और मोहम्मद अब्बास पहले भी आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर गिरफ्तार किए जा चुके हैं। कठुआ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मोहिता शर्मा ने दोनों पुलिसकर्मियों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का आदेश जारी किया है। जांच में पाया गया कि दोनों एसपीओ आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट और गोपनीय जानकारी मुहैया करा रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों ने दोनों के मोबाइल रिकॉर्ड और संपर्कों की जांच में कई संदिग्ध साक्ष्य पाए हैं। कठुआ पुलिस ने कहा कि आतंकवाद से किसी भी तरह का सहयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, चाहे वह सुरक्षा बलों के भीतर से ही क्यों न हो। मामला अब आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उच्च अधिकारियों को भेजा गया है।

केरल में स्थानीय निकाय चुनाव नौ और 11 दिसंबर को दो चरणों में

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल राज्य निर्वाचन आयोग ने घोषणा की कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव नौ और 11 दिसंबर को दो चरणों में होगा। तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथनमथिट्टा, कोट्टायम, अलपुझा, इडुक्की और एर्नाकुलम जिलों में मतदान नौ दिसंबर को होगा। त्रिशूर, पलक्कड़, मलप्पुरम, वायनाड, कोझीकोड, कन्नूर और कासरगोड जिलों के मतदाता 11 दिसंबर को होगा। मतों की गिनती 13 दिसंबर को होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 नवंबर है, पर्चों की जांच 22 नवंबर को होगी और नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 24 नवंबर है। राज्य निर्वाचन आयुक्त ए. शाहजहां ने घोषणा की कि केरल के 1,200 स्थानीय निकायों में से 1,199 में चुनाव कराए जाएंगे, जिसमें मट्टनूर नगर पालिका को शामिल नहीं है, क्योंकि इसकी परिषद का कार्यकाल 2027 तक वैध है।

चुनाव 941 ग्राम पंचायतों, 152 ब्लॉक पंचायतों, 14 जिला पंचायतों, 86 नगर पालिकाओं और छह नगर निगमों के लिए होगा, जिसमें कुल 23,612 वार्ड शामिल हैं। राज्य निर्वाचन आयुक्त शाहजहां ने बताया कि राज्य भर में 33,746 मतदान केंद्र और 2,84,30,761 मतदाता वोट डालने के पात्र हैं, जिसमें 2,841 प्रवासी भारतीय मतदाता भी शामिल हैं। केरल में स्थानीय निकाय चुनाव करीब आते ही, यूडीएफ और भाजपा दोनों ने तिरुवनंतपुरम निगम के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की है।

दिल्ली में हवा हुई दम घोंटू, एक्यूआई खराब स्तर पर, धुंध की मोटी चादर छाई

प्रदूषण के बिगड़ते स्तर के बीच लोगों ने इंडिया गेट पर किया था प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में सोमवार सुबह वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही क्योंकि शहर में धुंध की मोटी चादर छाई रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक सुबह 7 बजे एक्यूआई 345 पर रहा। दिल्ली में प्रदूषण के बिगड़ते स्तर के बीच रविवार को दिल्ली में इंडिया गेट पर अभिभावकों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं समेत बड़ी संख्या में लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों जिनमें से कई बच्चों के साथ माताएं भी थीं, उन्होंने कहा कि वे स्वच्छ हवा सुनिश्चित करने के लिए सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग को लेकर यहां जमा हुए थे।

प्रमुख निगरानी केंद्रों पर प्रदूषण का स्तर
आनंद विहार-379, अशोक विहार-367, आईटीओ-376, चांदनी चौक-360, ओखला फेज-2-348, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम-316, आईजीआई हवाई अड्डा (टी3)-305, जहांगीरपुरी-389, लोधी रोड-314, नजफगढ़-335, रोहिणी-390, आरके पुरम-363, वजीरपुर-397 एक्यूआई दर्ज किया गया। वहीं नोएडा में सेक्टर 62 में एक्यूआई-342, सेक्टर 1 में 325 और सेक्टर 116 में 339 दर्ज किया गया। ग्रेटर नोएडा में नॉलेज पार्क-3 और नॉलेज पार्क-5 में एक्यूआई का स्तर क्रमशः 316 और 314 दर्ज किया गया।

इस बीच गुरुग्राम के सेक्टर 51 में एक्यूआई 327 दर्ज किया गया, जबकि फरीदाबाद के न्यू इंडस्ट्रियल टाउन और सेक्टर 11 में वायु गुणवत्ता का स्तर क्रमशः 230 और 238 रहा, जो तुलनात्मक रूप से बेहतर था। शून्य से 50 के बीच के एक्यूआई को अच्छा, 51-100 के बीच के एक्यूआई को संतोषजनक, 101-200 के बीच के एक्यूआई को मध्यम, 201-300 के बीच के एक्यूआई को खराब, 301-400 के बीच के एक्यूआई को बहुत खराब और 401-500 के बीच के एक्यूआई को अति गंभीर माना जाता है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली की वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी के उच्च स्तर पर बने रहने के बावजूद, ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के चरण 3 प्रतिबंधों को फिलहाल लागू नहीं करने का फैसला लिया है। दिल्ली का दैनिक औसत एक्यूआई दिन में गंभीर सीमा के करीब पहुंचने के बाद, जीआरएपी पर सीएक्यूएम की उप-समिति ने रविवार शाम वायु गुणवत्ता की स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की। पैनल के मुताबिक सुबह 10 बजे दिल्ली का प्रति घंटा औसत एक्यूआई 391 दर्ज किया गया, जो बाद में शाम 4 बजे तक सुधरकर 370 और शाम 5 बजे तक 365 हो गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के पूर्वानुमानों से पता चलता है कि आने वाले दिनों में समग्र वायु गुणवत्ता बिना किसी तीव्र गिरावट के बहुत खराब श्रेणी में रहने की संभावना है। मामूली सुधार और पूर्वानुमान के रुझानों को देखते हुए उप-समिति ने एनसीआर में मौजूदा चरण 1 और चरण 2 के उपायों को जारी रखने और इस स्तर पर चरण 3 के प्रतिबंधों को लागू नहीं करने का फैसला लिया। पैनल ने कहा कि वह स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है और समय-समय पर वायु गुणवत्ता की समीक्षा करेगा।

एसआईआर के खिलाफ बंगाल कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट पहुंची

-टीएमसी का दावा- एसआईआर के डर से राज्य में हुई 15 मौतें

कोलकाता (एजेंसी)। बिहार के बाद 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शुरू वोटर लिस्ट का रिवीजन स्क्रूटनी को लेकर पश्चिम बंगाल में सियासत गरमा गई है। अब कांग्रेस की बंगाल यूनिट ने सुप्रीम कोर्ट में स्क्रूटनी के खिलाफ याचिका लगाई है। जस्टिस सूर्यकांत की बेंच में यह मामला उठाया गया जो बिहार एसआईआर मामले की सुनवाई कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट 11 नवंबर को तमिलनाडु सरकार की एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करेगा।

इधर, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया है कि 27 अक्टूबर को एसआईआर शुरू होने के बाद से अब तक 15 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 3 महिलाएं शामिल हैं। टीएमसी ने कहा कि एसआईआर के डर से कुछ ने आत्महत्या की, तो कुछ की मौत हार्ट अटैक या ब्रेन स्ट्रोक से हुई। हालांकि भाजपा ने इसे 'राजनीतिक प्रचार' करार देते हुए आरोपों से इनकार किया है। कहा- टीएमसी जनता को गुमराह कर रही है। पश्चिम बंगाल में विरोध के बावजूद 80,000 से ज्यादा बूथ लेवल अधिकारी एसआईआर के फॉर्म बांट रहे हैं। 9 नवंबर रात 8 बजे तक 55.15 करोड़ से ज्यादा एसआईआर फॉर्म बांट दिए हैं। 4 नवंबर से शुरू हुआ काम 4 दिसंबर तक चलेगा।

तृणमूल ने पीड़ितों के मदद के लिए लीगल टीम बनाई

तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी ने एसआईआर के आतंक की वजह से मरने वालों के परिजनों की मदद के लिए हेल्प डेस्क और लीगल सेल बनाई। पांच लोगों के परिजनों को आर्थिक सहायता भी भेजी। मृतकों के परिजनों की सहायता के लिए विशेष कमेटी बनाई है। इसके तहत सांसद और मंत्री परिजनों से मुलाकात कर मदद का आश्वासन दे रहे हैं।

हवा में खराब हुआ विमान का इंजन, देर रात कराई इमरजेंसी लैंडिंग

170 से ज्यादा यात्रियों थे सवार, सभी को सुरक्षित उतारा, जांच शुरु

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से कोलकाता जा रहे स्पाइसजेट के विमान की रविवार देर रात आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी, क्योंकि उसके एक इंजन में तकनीकी खराबी आ गई थी। 170 से ज्यादा यात्रियों को ले जा रही उड़ान एसजी670, पायलट ने पूर्ण आपातकाल घोषित करने के बाद रात करीब 11:38 बजे नेताजी सुभाष चंद्रबोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गई। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्री और क्रू-मेंबर्स के सदस्य सुरक्षित हैं।

मीडिया रिपोर्ट में कोलकाता हवाई अड्डे के अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि मुंबई के छत्रपति शिवाजी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाला यह विमान कोलकाता पहुंचने वाला ही था, तभी पायलट ने इंजन में खराबी की सूचना दी। जानकारी मिलते ही एयरपोर्ट ऑथरिटी तुरंत इमरजेंसी की घोषणा कर आपातकालीन लैंडिंग के लिए रूट क्लियर किया।

अधिकारियों ने बताया कि हवाई अड्डे को इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम, जिसमें दमकल गाड़ियां, एम्बुलेंस और मेडिकल टीम थी, उनको लैंडिंग वाले स्थान पर तैनात किया गया था। फ्लाइट में 170 यात्रियों और क्रू-मेंबर सवार थे। विमान रात 11.27 बजे सुरक्षित लैंडिंग करा लिया गया। रात 11.38 बजे एयरपोर्ट पर लगे पूर्ण इमरजेंसी हटा लिए। अधिकारियों ने पुष्टि की कि सभी यात्री और चालक दल सुरक्षित हैं।

बता दें इससे पहले सितंबर में भी पुणे से दिल्ली जा रही स्पाइसजेट की एक उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद हवा में यू-टर्न लेना पड़ा था। हालांकि, एयरलाइन ने कहा कि उड़ान आपातकालीन परिस्थितियों में नहीं उतरी थी। अहमदाबाद में एयर इंडिया फ्लाइट के दुर्घटना के बाद से कई फ्लाइट्स बीच हवा में खराब हुई। कई फ्लाइट्स की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इसी कड़ी में इस घटना ने हवाई यात्रा की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी है। वहीं नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने इंजन फेल होने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

वंदे भारत की लॉन्चिंग में छात्रों ने गाया संघ का गीत, केरल सरकार ने दिए जांच के आदेश, केंद्र ने कहा इसमें गलती क्या है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल सरकार ने एर्नाकुलम से बेंगलुरु जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन के बाद ट्रेन में स्कूली छात्रों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गीत का गायन कराने के दक्षिणी रेलवे के कथित घटना की जांच के आदेश दिए हैं। हालांकि, केंद्रीय मंत्रियों ने इस घटना को उचित ठहराते हुए कहा कि यह एक देशभक्ति गीत है। हालांकि, केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने नई ट्रेन में छात्रों द्वारा आरएसएस का गीत गाए जाने के घटनाक्रम को रविवार को सही ठहराया। उन्होंने त्रिशूर में पत्रकारों से कहा कि यह बच्चों के निश्छल जश्न का हिस्सा था। पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री ने कहा, उन्हें उस समय वह गाना गाने का मन हुआ और उन्होंने इसे गा दिया। वैसे भी यह कोई अतिवादी गाना नहीं है। राज्य से एक अन्य केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने भी बच्चों द्वारा आरएसएस गीत के गायन का पुरजोर बचाव किया और पूछा कि गणगीतम में सांप्रदायिक क्या है। उन्होंने कहा कि जो लोग विदेश में भारत-विरोधी भावनाओं का प्रचार करने की कोशिश करते हैं, उन्हें यह गीत पसंद नहीं आ सकता। छात्रों द्वारा इस गीत के गायन को उचित ठहराते हुए, एलमक्करा स्थित सरस्वती विद्यानिकेतन पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य डिंटो केपी ने कहा कि यह एक देशभक्ति गीत है। उन्होंने कहा कि यह गीत दक्षिणी रेलवे के निर्देशानुसार नहीं गाया गया था, बल्कि बच्चों ने इसे मलयालम देशभक्ति गीत के रूप में खुद ही गाने का फैसला लिया।

केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने लोक शिक्षण निदेशक (डीपीआई) को इस संबंध में जांच कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री के कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, शिवनकुट्टी ने कहा कि सरकार इस घटना को बेहद गंभीरता से ले रही है। विपक्षी दल कांग्रेस ने इस घटना की कड़ी निंदा की और बच्चों को सांप्रदायिक उद्देश्य के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति देने के लिए स्कूल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शिवनकुट्टी ने दिल्ली में कहा था, राज्य सरकार स्कूल की शुरुआत करने के लिए एनओसी देती है। एनओसी की मंजूरी के लिए कुछ शर्तें होती हैं। अगर इन शर्तों का उल्लंघन किया जाता है, तो सरकार के पास एनओसी वापस लेने का अधिकारी होता है। जांच की घोषणा करते हुए शिवनकुट्टी ने कहा कि सरकारी कार्यक्रमों में बच्चों का राजनीतिकरण करना और किसी खास समूह के सांप्रदायिक एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए उनका इस्तेमाल करना संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन है। मंत्री ने कहा, लोक शिक्षण निदेशक (डीपीआई) को तुरंत जांच कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर आगे उचित कार्रवाई की जाएगी। शिवनकुट्टी ने कहा कि देश के धर्मनिरपेक्ष एवं राष्ट्रीय मूल्यों को बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है और इन सिद्धांतों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

प्रधानाचार्य ने यह भी स्वीकार किया कि विवाद के बाद जब दक्षिण रेलवे के 'एक्स' हैंडल से गाने का वीडियो हटा दिया गया, तो स्कूल अधिकारियों ने प्रधानमंत्री और केंद्रीय रेल मंत्री के कार्यालय को पत्र भेजे थे। उन्होंने कहा कि स्कूल के अनुरोध पर दक्षिणी रेलवे बाद में वीडियो पुनः पोस्ट कर सकता है।

वहीं माकपा महासचिव एमए बेबी ने इस घटना को लोकतंत्र के लिए चुनौती करार दिया। वहीं, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने इसे भाजपा द्वारा केरल का सांप्रदायिकीकरण करने का एक और प्रयास बताया। सतीशन ने कहा, एक आधिकारिक समारोह में बच्चों को आरएसएस का गणगीत गाने के लिए मजबूर किया गया। जिस स्कूल ने इसकी अनुमति दी, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सांप्रदायिक उद्देश्यों के लिए बच्चों का इस्तेमाल करने का फैसला किसने किया? विपक्ष के नेता ने पूछा, जनता की कीमत पर राजनीतिकरण की इजाजत नहीं दी जाएगी। आरएसएस के गणगीत को देशभक्ति गीत कैसे कहा जा सकता है?

संघ के वित्तपोषण के तरीकों पर प्रियांक खड़गे ने मांगा स्पष्टीकरण

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने आरएसएस यानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा चंदा प्राप्त करने के तरीके पर सवाल उठाकर उसके वित्तपोषण के तरीकों पर स्पष्टीकरण मांगा। मंत्री खरगे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त की कि संगठन पूरी तरह से अपने स्वयंसेवकों के योगदान से संचालित होता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पुत्र कर्नाटक सरकार में मंत्री ने कहा, भागवत ने कहा है कि संघ अपने स्वयंसेवकों द्वारा दिए गए चंदे के माध्यम से काम करता है। हालांकि, इस दावे को लेकर कई वाजिब सवाल उठते हैं। उन्होंने पूछा कि ये स्वयंसेवक कौन हैं और उनकी पहचान कैसे की जाती है, ये कितना चंदा देते हैं एवं इसकी प्रकृति क्या है और किन माध्यमों से धन एकत्र होता है। कर्नाटक के मंत्री ने कहा, अगर आरएसएस पारदर्शी तरीके से काम करता है, तब संगठन को उसकी पंजीकृत पहचान के तहत सीधे चंदा क्यों नहीं मिलता? उन्होंने कहा मैं जानना चाहता हूं कि औपचारिक रूप से पंजीकृत संस्था न होते हुए भी संघ ने अपना वित्तीय और संगठनात्मक ढांचा कैसे कायम रखा। मंत्री ने पूछा कि पूर्णकालिक प्रचारकों को कौन वेतन देता है और संगठन के नियमित संचालन संबंधी खर्चों को कौन पूरा करता है तथा बड़े पैमाने के आयोजनों, अभियानों एवं संपर्क गतिविधियों का वित्तपोषण कैसे होता है। उन्होंने स्वयंसेवकों द्वारा स्थानीय कार्यालयों से गणवेश या सामग्री खरीदे जाने का मुद्दा उठाकर पूछा कि धन का हिसाब कहां रखा जाता है और स्थानीय कार्यालयों एवं अन्य बुनियादी ढांचे के रखरखाव का खर्च कौन उठाता है। मंत्री ने कहा कि ये प्रश्न पारदर्शिता और जवाबदेही के मूलभूत मुद्दे को रेखांकित करते हैं। उन्होंने कहा, अपनी व्यापक राष्ट्रीय उपस्थिति और प्रभाव के बावजूद आरएसएस अब भी पंजीकृत क्यों नहीं है? उन्होंने कहा, जब भारत में हर धार्मिक या धर्मार्थ संस्था को वित्तीय पारदर्शिता बनाए रखना जरूरी है, तब आरएसएस के लिए ऐसी जवाबदेही व्यवस्था न होने का क्या औचित्य है?

जम्मू-कश्मीर पुलिस को बड़ी कामयाबी, आतंकी नेटवर्क से जुड़े डॉक्टर, सहित 7 आरोपियों को किया गिरफ्तार

-करीब 2,900 किलो विस्फोटक, हथियारों का जखीरा और कई आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल कर एक अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क का खुलासा किया है। यह नेटवर्क प्रतिबंधित आतंकी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवात-उल-हिंद से जुड़ा हुआ था। पुलिस ने मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है और करीब 2,900 किलो विस्फोटक, हथियारों का जखीरा और कई आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपियों में आरिफ निसार डार उर्फ साहिल, यासिर-उल-अशरफ, मकसूद अहमद डार उर्फ शाहिद, मौलवी इरफान अहमद, जमीर अहमद अहंगर उर्फ मुतलाशा, डॉ. मुजम्मिल अहमद गनई उर्फ मुसैब और डॉ. अदील के नाम शामिल हैं। पुलिस ने छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद की। इसमें एक चाइनीज पिस्टल और कारतूस, एक बेरेटा पिस्तौल और कारतूस, एक एके-56 और कारतूस, एक एके क्रिंकोफ राइफल और कारतूस और 2,900 किलो आईईडी मटेरियल (जिसमें विस्फोटक, रसायन, बैटरी, टाइमर, वायर, रिमोट कंट्रोल और मेटल शीट्स) शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह विदेशी हैंडलर्स के संपर्क में था और एनक्रिप्टेड चैनलों के जरिए फंडिंग, भर्ती और लॉजिस्टिक सपोर्ट का काम कर रहा था।

आतंकियों ने सोशल मीडिया और एजुकेशनल नेटवर्क्स के जरिए फंड जुटाने की व्यवस्था तैयार की थी, ताकि शक न हो। यह पूरा नेटवर्क व्हाइट कॉलर टेरर इकोसिस्टम के रूप में काम कर रहा था, जिसमें कुछ पेशेवर और छात्र भी शामिल थे। इस आतंकी मॉड्यूल का खुलासा तब हुआ जब 19 अक्टूबर को नौगाम, श्रीनगर के विभिन्न इलाकों में जैश-ए-मोहम्मद के धमकी भरे पोस्टर लगाए गए थे।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा कि यह ऑपरेशन आतंकवाद के खिलाफ उनकी दृढ़ निष्ठा और सतर्कता का सबूत है। पुलिस के अनुसार, फंडिंग की जांच जारी है और सभी संपर्कों को ट्रेस किया जा रहा है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस आतंकवाद के इस जहर को पूरी तरह खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पंचायत और नगर निकाय चुनावों के लिए 1994 में लागू कानून हटाने की तैयारी

दो से ज्यादा बच्चे होने पर भी लड़ सकेंगे चुनाव

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान सरकार अब पंचायत, नगरपालिका और नगर निकाय चुनावों में दो बच्चों की शर्त खत्म करने जा रही है। 1994 में लागू किए गए इस कानून के तहत दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्ति को चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं थी। अब सरकार इस नियम को हटाने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। सूत्रों के अनुसार, आरएसएस के दबाव के बाद सरकार ने इस कानून पर पुनर्विचार शुरू किया है। विभाग ने अध्यादेश का मसौदा तैयार कर लिया है और उसे कैबिनेट के पास भेजने की तैयारी चल रही है। संभावना है कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सरकार इसे मंजूरी के लिए पेश करेगी।

शहरी विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने संकेत दिए हैं कि सरकार को इस नियम को लेकर कई ज्ञापन मिले हैं। उन्होंने कहा कि जब लोकसभा और विधानसभा चुनावों में ऐसी कोई पाबंदी नहीं है, तो सिर्फ स्थानीय चुनावों में यह भेदभाव क्यों हो। अगर यह शर्त हटा दी जाती है, तो ग्रामीण इलाकों की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। हजारों लोग जो अब तक दो से अधिक बच्चों के कारण चुनाव नहीं लड़ पाते थे, वे अब उम्मीदवार बन सकेंगे।

सरकार ने कानून पर पुनर्विचार शुरू किया

इस नियम को 1994 में तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरो सिंह शेखावत की सरकार ने जनसंख्या नियंत्रण के उद्देश्य से लागू किया था। अब तीन दशक बाद सरकार इसे खत्म करने की तैयारी में है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की चेतावनी, पराली जलाने वालों पर लें सख्त एक्शन

-विद्युत संयंत्र की स्थिति व उत्सर्जन मानदंडों के पालन नहीं करने पर जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने पंजाब से पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल और समन्वित कार्रवाई का आह्वान किया है। साथ ही आयोग ने कहा कि हरियाणा में धान कटाई के मौसम में ऐसे मामलों में कमी आई है। पंजाब के क्षेत्रीय दौरे में सीएक्यूएम अध्यक्ष राजेश वर्मा ने बठिंडा स्थित लहरा मोहब्बत ताप विद्युत संयंत्र की खराब स्थिति और उत्सर्जन मानदंडों के पालन नहीं करने पर गंभीर चिंता जताई।

आयोग ने चेतावनी दी कि यदि तत्काल सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए तो वह इसे बंद करने के निर्देश जारी कर सकता है। टीम को क्षेत्र में पराली जलाने की छिटपुट घटनाएं भी मिलीं। 7 नवंबर को पंजाब सरकार के साथ एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक में, आयोग ने पाया कि राज्य में इस साल 15 सितंबर से 6 नवंबर के बीच पराली जलाने की 3,284 घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि 2024 में इस अवधि में 5,041 मामले दर्ज किए गए थे, जो केवल मामूली सुधार दर्शाते हैं।

जानकारी के मुताबिक मुक्तसर और फाजिल्का समेत कुछ जिलों में पराली में आग लगाने की घटनाओं में वृद्धि हुई है, जिसके लिए हस्तक्षेप की जरूरत है। सीएक्यूएम ने कहा कि पंजाब के चार ताप विद्युत संयंत्रों ने सितंबर तक केवल 3.12 लाख मीट्रिक टन पराली का ही संयुक्त दहन किया, जबकि 2025-26 के लिए 11.83 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य रखा था। इसने राज्य को फसल अवशेष प्रबंधन के प्रयासों को बढ़ाने, मशीनों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने और संपीडित बायोगैस संयंत्रों के लिए सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है।

आयोग ने ज्यादा सख्त प्रवर्तन और जवाबदेही पर जोर देते हुए पंजाब को जागरूकता अभियान तेज करने और खेतों में पराली में आग लगाने की घटनाओं वाले क्षेत्रों में अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। हरियाणा के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए आयोग ने कहा कि राज्य में खेतों में पराली में आग लगाने की घटनाओं में भारी गिरावट आई है। उसने कहा कि 15 सितंबर से 6 नवंबर के बीच 206 घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 888 घटनाएं हुई थीं।

सीएक्यूएम ने इसका श्रेय सक्रिय प्रवर्तन, प्रोत्साहन-आधारित हस्तक्षेपों और किसानों के बीच पराली प्रबंधन के प्रति व्यावहारिक बदलाव को दिया। आयोग ने हरियाणा में वाहनों और औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण और तोड़फोड़ से निकलने

वाली धूल और नगरपालिका अपशिष्ट प्रबंधन समेत अन्य प्रमुख प्रदूषण स्रोतों की भी समीक्षा की। इसने क्षेत्र में स्वच्छ वायु सुनिश्चित करने के लिए कार्य योजनाओं और वैधानिक निर्देशों के सख्त क्रियान्वयन का निर्देश दिया।